हरियाणा विधान सभा

की

कार्यवाही

5 फरवरी, 1999

खण्ड 1, अंक 7

अधिकृत विवरण

विशय सूची

भुक्रवार, 5 फरवरी, 1999

पृश्ठ संख्या

तरांकित प्र न एवं उत्तर	(7)1
नियम 45(1) के अधीन सदन की मेज पर रखे गए तारांकित प्र नों के लिखित उत्तर	(7)18
सदस्यो को निलम्बित करने के सदन के निर्णय पर	(7)18

पुनर्विचार सम्बन्धी मामले पर चर्चा (पुनरारम्भ)	
वाक आऊट	
सदस्यो को निलम्बित करने के सदन के निर्णय पर पुनर्विचार	(7)22
सम्बन्धी मामले पर चर्चा (पुनरारम्भ)	(7)22
ध्यानाकर्शण सूचना	(7)24
सिरसा जिले मे पीलिया से हुई मौतो संबधी	(7)24
सदन की मेज पर रखे कागज पत्र	(7)24
वर्श 1999–2000 के बजट का समय चर्चा (पुनरारम्भ)	(7)25
बैठक का समय बढाना	(7)55
वर्श 1999–2000 के बजट का समय चर्चा (पुनरारम्भ)	(7)55
भाोक प्रस्ताव	(7)57

हरियाणा विधान सभा

भुक्रवार, 5 फरवरी, 1999

विधान सभा की बैठक, हरियाणा विधान सभा हाल, विधान भवन, सैक्टर–1, चण्डीगढ़ में 10.00 बजे हुई। अध्यक्ष (प्रो0 छत्तर सिंह) ने अध्यक्षता की।

तरांकित प्र न एवं उत्तर

श्री अध्यक्ष: आनरेबल मैम्बर्ज, अब सवाल होगे।

Repair of Ghikera Raod

964. Shri Sat Pal Sangwan: Will the Minister forl local Government be pleased to state the time by which road from Dadri Bus Stand to Ghikera road is likely to be repaired?

स्थानीय भासन मंत्री (डा0 कमला वर्मा): दादरी बस स्टैण्ड से धीकेडा पहुच मार्ग तक सडक की मरम्त यथा ीघ्र नगरपालिका के पास धन उपलब्ध होने पर करवा दी जायेगी।

श्री सतपाल सागंवान: अध्यक्ष महोदय, मै आपके माध्यम से मंत्री जी को बताना चाहता हू कि 1995 मे जब बाढ आई थी तो केवल यही एक सडक बची थी तो उस वक्त टूटी नही थी। अब यह रोड बिल्कुल खराब हो गई है। मै मंत्री महोदय से जानना चाहता हू कि वहां की म्यूनिसिपल कमेटी को धन उपलब्ध करवाकर इसे कब तक ठीक करवा दिया जायेगा?

डा0 कमला वर्मा: स्पीकर साहब, मै इनको बताना चाहूगी कि दादरी नगरपालिका को हमने 50 लाख रूपये का अनुदान दिया था। उस पैसे से दुकाने बनाई गई है। मेरा इनसे कहने है कि अगर सडक टूटी हुई थी और उस वक्त जब कमेटी ने 50 लाख रूपये से दुकाने बनाई थी तो तब इस सडक का प्रस्ताव पास करवा कर इसे क्यो नही ठीक करवाया गया। बस स्टैण्ड से धीकडा तक जो सडक बनायी जानी है इस पर सवा तीन लाख रूपये खर्च होने है। हम इसको अव य बनवा देगे। इनके क्षेत्र मे दुकाने बनायी है। उनसे Revenue earning होगी इसलिए योजना के अंतर्गत उस पैसे को भी ये ऐसी सडके बनाने के लिए यूज कर सकते है।

श्री सतपाल सागंवान: अध्यक्ष महोदय, इन्होने एक बात कही कि जो 50 लाख रूपये का अनुदान दादरी नगरपालिका को दिया गया था, उससे दुकाने बना ली गई। मै इनको बताना चाहूगा भाायद मंत्री जी को पता न हो कि हमारे विधायक बनने से पहले हीयह प्रस्ताव पास हो चुका था कि यह सडक ठीक करवायी जाए। यदि मंत्री महोदया कहती है कि दुकानो की आप से जो आमदनी होती है उसे से भी सडके बनाई जा सकती है तो ये इसकी कमेटी को परमि ान दे दे फिर हम इनके पैसा नही लेगे। चूकि यह पैसा सेन्टर्ल गवर्नमैट ने दे रखा है इसलिए जब तक वह पैसा पूरा खर्च नही होगी हमे और पैसा नही मिलेगा। हमे ये

दुकानो वाला पैसा दिला दे, हम सडक बनाने के लिए उसे खर्च कर लेगे।

डा0 कमल वर्मा: अध्यक्ष महोदय, हमे भारत सरकार से I.D.S.M.T योजना के तहत जो पैसा मिलता है वह सडक बनाने और रवैन्यू अर्न करने के लिए मिलता हैं इस पैसे से ये दुकाने आदि बना कर आमदनी हो सकती है। जो यह सडक बनाने की बात कह रहे है, इसे अब बनवा दिया जायेगा।

श्री अध्यक्ष: दादरी भाहर नृपेन्द्र सिंह, सतपाल सागंवान और मेरा यानि सभी का सांझा है। इसलिए मेरा भी आपसे अनुरोध है कि पब्लिक इन्ट्रैस्ट मे इस बेहद खराब सडक को ठीक करवा दिया जाये और जो प्रार्थना सांगवान साहब ने की है उसे स्वीकार कर लिया जाये।

डा0 कमला वर्मा: अध्यक्ष महोदय, आपके आदे ा पर पूरी तरह से अमल किया जायेगा और सांगवान साहब की प्रार्थना भी स्वीकार कर ली गई है।

Repair of Raod from Jalmahal to Polytechnic College

866. Shri Kailash Chander Sharma: Will the Chief Minister State for Horticulture & Marketing be pleased to state whether there is any proposal under consideration of the Government to construct/repair the road form Jalmahal to the gate of the Polytechinc college via old mandi in Narnaul City?

बागवानी तथा विपणन राज्य मंत्री (श्री जगबीर सिंह मलिक): अभी इस सडक का निर्माण/मरम्मत सरकार के विचाराधीन नही है।

श्री कैला ा चन्द्र भार्मा: अध्यक्ष महोदय, मै आपके माध्यम से माननीय मंत्री महोदय की जानकारी के लिए यह बताना चाहूगा कि पोलिटैक्निक कालेज का जो पिछला गेट है वहा से पुरानी मण्डी का रास्ता पूरा टूटा फूटा पडा है। नारनौल मण्डी मे फसल लाने के लिए वह रास्ता सबसे ज्यादा काम मे आता है। हमारे आदरणीय ि ाक्षा मंत्री जब भी उधर जाते है तो उसी रास्ते से जाते हैं वहा पर करीब 20 दिन पहले एक ऊंट सीवर के खोदे हुये गढ्डे मे गिर गया था और अब वह ऊंट पूरे का पूरा उस मे फिट हो गया है। अध्यक्ष महोदय, मै माननीय मंत्री महोदय से यह जानना चाहूंगा कि इस सडक को कब तक बनवा दिया जाएगा?

श्री जगबीर हिस मलिक: अध्यक्ष महोदय, मै अपने माननीय साथी को बताना चाहूंगा कि इस सडक की मरम्मत का कार्य मार्किटिंग बोर्ड ने 1992 तथा 1995 मे किया था। इस सडक की मरम्त के लिए डिस्ट्रिक्ट मार्किट कमेटी की रिकमैडे ांन आनी है लेकिन अभी तक इसकी रिकमैडे ान बोर्ड के पास नही आई है। कमेटी की रिपोर्ट आने पर इस पर तुरन्त विचार करके कार्यवाही की जाएगी।

श्री कैला ा चन्द्रः अध्यक्ष महोदय, माननीय मंत्री जी जब भी ग्रिवैन्सिज कमेटी मे जाते है तब तब मैने इनके सामने इस सडक के बनाने के बारे मे रिक्वैस्ट की है। वहां पर सीवर के गढ्ढे 10 फूट गहरे खुदे हुए है। जैसा अभी मैने उल्लेख किया है कि एक ऊंट वहा पर एक गढढे मे गिर गया था और इसमे पूरा सैट हो गया था। एस0डी0एम0 और एस0डी0सी0 ने लेबर लगावा कर चारो तरफ से जमीन खुदवा कर उस ऊंट को निकलवाया था लेकिन सीवर के ये गढढे अभी तक भरे नही गए है इसलिए मै माननीय मंत्री जी ये यह जानना चाहूगा कि इस काम को कब तक करवा दिया जाएगा ?

श्री जगबीर सिंह मलिकः अध्यक्ष महोदय, भार्मा जी के रि तेदार का ऊंट जिस सडक के सीवर मे गिर गया था, उसको बनाने का काम म्यूनिसिपल कमेटी का है। जो काम म्यूनिसिपल कमेटी का है वह तो उसे ही करवाना है, मार्किट कमेटी मे तो इनकी मरम्मत का प्रोविजन है इस लिए कमेटी गठित की गई है। जिस सडक का जिकर माननीय साथी ने किया है वह सडक पुरानी मण्डी मे से हो कर जाती है लेकिन अब वहां पर कोई मण्डी नही है बल्कि वहां की आबादी है और वहा पर किसी प्रकार का कोई कारोबार नही होता है।

श्री कैला ा चन्द्रः अध्यक्ष महोदय, मै माननीय मंत्री जी की जानकारी के लिए यह बताना चाहूंगा कि सबसे पहले मण्डी वही पर बनी थी और वहा पर 3 हजार के करीब घर है पता नही

मंत्री जी कहां से रिपोर्ट लाए है, नई मण्डी तो अभी बनने के बाद भाुरू हुई है।

श्री जगबीर सिंह मलिकः अध्यक्ष महोदय, मैने अभी यह बताया था कि वहां पर कोई कारोबार नही होता और वह सडक आबादी की सडक है और इसको बनाने का काम वेसिकली पी0डब्लयू0डी0 या म्यूनिसिपल कमेटी ही करवाएगी।

श्री ओमप्रका ा जैनः अध्यक्ष महोदय, पानीपत मण्डी से गोहाना को जो रोड जाता है उसको पार करने के लिए रेलवे लाईन पर दो फाटक लगने है वहां पर एक मेन फाटक तो लग गया लेकिन दूसरा फाटक अभी लगना है जो कि मार्किटिंग बोर्ड ने लगाना है और उसके लिए 18 लाख रूपये गवर्नमैंट आफ इण्डिया को जमा करवाए गए है। मै आपके माध्यम से माननीय मंत्री जी ये यह पूछना चाहूंगा कि क्या भारत सरकार से वह मन्जूरी आ गई है क्योकि मेन फाटक तो लग गया है लेकिन क्या वहा पर छोटा फाटक लगेगा या नही लगेगा?

श्री जगबीर सिह मलिकः अध्यक्ष महोदय, ये इसके लिए सैपरेट प्र ान दे दे। लेकिन साथ ही मै इनको यह भी बताना चाहूंगा कि यह मामला सैन्ट्रन गवर्नमैट से जुडा हुआ है। फिर भी अगर मेरे साथी को इस बारे मे इन्फर्मे ान की जरूरत हो तो हम इनको अगले सप्ताह तक दे देगे।

श्री बिजेन्द्र सिंह कादियानः अध्यक्ष महोदय, अभी जो जैन साहब ने सवाल पूछा था उस बारे मे मेरी भी आपके माध्यम से मंत्री महोदय से प्रार्थना है कि उस रेलवे फाटक को जल्दी से जल्दी वहा पर लगवाए कि ताकि जल्दी से जल्दी लोगो की दिक्कते दूर हो जांए।

श्री जगबीर सिह मलिकः अध्यक्ष महोदय, इस बारे मे हम इनकी भावनाओ की कद्र करते है इनकी भावनाओ को ध्यान रखते हुए इस बारे मे कार्यवाही की जाएगी।

Assessment of House Tax

857. Shri Anil Vij: Will the Minister for Local Government be pleased to state whether there is any proposal under consideration of the Government to rationalize the House Tax Assessment in the State?

स्थानीय भाासन मंत्री (डा0 कमला वर्मा): हां, श्रीमानी जी।

श्री अनिल विजः अध्यक्ष महोदय, आपको भी विदित होगा कि प्रदे ा की नगरपालिका काफी वितीय संकट से गुजर रही है। अगर इनकी आय के स्त्रोतो को और अधिक बढाने की तरफ से नही सोचा गया तो हमारे भाहर सुलम बन जाएगे। इस बारे मे अनेक उपाय किए जा सकते है। अध्यक्ष महोदय, यह जो हाउस टैक्स की असैसमैट है इसमे जो मौजूदा कार्य प्रणाली है उसमे काफी धांधली की जाती है। उसमे कितना हाउस टैक्स हो,

यह स्टाफ निर्धारित करता है। मै आपको बताना चाहूंगा कि अगर किसी एरिया मे एक घर मे एक हजार रूपये का टैक्स है तो उसके साथ लगते हुए घर मे 100 रूपय ही टैक्स के लगते हैं। मंत्री जी ने इस बारे मे उतर हां मे दिया है। लेकिन मै इनसे यह पूछना चाहूंगा कि क्या इसके लिए कंक्रीट फार्मूला बना है अगर बना है तो उसको प्रदे ा मे कब तक लागू कर देगे ताकि सभी पर एक जैसा ही हाउस टैक्स लग सके?

डा0 कमला वर्मा: अध्यक्ष महोदय, मै आपके माध्यम से अनिल विज जी को बताना चाहूगी कि यह असैसमैंट 5 साल मे एक बार ही की जाती है। इसके नियम म्यूनिसिपल कमेटी के माध्यम से बने हुए है। यह जो हाउस टैक्स लगाया जाता है वह मकान की बिल्डिंग को देखकर लगाया जाता है यह टैक्स मकान के किराये को तय करके 10 परसैट लगाया जाता है। टैक्स लगाने के बाद मकान मालिक की नोटिस दिया जाता है और वह उसके लिए तीस दिन मे अपील कर सकता है। अगर कोई टैक्स समय पर देता है। तो हम उसको टैक्स पर 20 प्रति ाम रिवेट भी देते है। इसके अलावा अगर मकान मालिक को लगे कि उसका किराया ठीक असैस नही किया गया है तो वह 30 दिन के अन्दर अपील कर सकता है। अपील करने के लिए कमेटी बनी हुई है। जब कोई अपील करता है तो कमेटी के सदस्य पुनर्विचार कर दोबारा से असैस करने का अधिकार रखते है। उसके बाद नोटिस बोर्ड पर नोटिस लग जाता है तथा मकान मालिक उसको देख सकता है।

इस पर भी उस मकान मालिक की तसल्ली ने हो तो वह डी0सी0 को अपनी अपील कर सकता हैं और डी0सी0 के फैसले के बाद भी उसकी तसल्ली न हो तो वह अपनी अपली डायरैक्टर, लोकल वौडीज को कर सकता है। और डायरैक्टर इस मामले को देखता है। अध्यक्ष महोदय, इन्होने जो फार्मूले वाली बात कही है तो मै इनको बताना चाहूंगी कि सरकार को बने हुए अढाई साल ही हुए है, और अब 11 मई को तीन साल हो जाएगे। इसकी असैसमैंट पांच साल के बाद होती है। अब हमने नियम बना लिए है और उन पर विचार किया जा रहा है। नगरपालिका के कर्मचारी जिसकी भी डयूटी तय होगी, जरूर देखेगा कि मकान की लागत क्या है, उस एरिया की जनसंख्या क्या है ज्यादा है कम है। वहा की बिल्डिंग को देखेगे कि उस बिल्डिंग मे ईट लगी हुई है या कच्चा बना हुआ है। बिल्डिग मे मार्बल लगा हुआ है या वह आर0सी0सी0 का बना है। जैसा उस मकान का स्ट्रक्चर बना हुआ होगा उस हिसाब से किराया तय कर हाउस टैक्स का निर्णय लिया जायेगा। इसके अलावा Purpose of Buildings को भी देखेगे कि वह औधोगिक है या व्यापारकि है या वह रहने के लिए बनायी गयी है। इन तीनो बातो का अदांजा करके फिर हम उसके ऊपर हाउस टैक्स लगाएगे और जो भी सुविधा या सहायता हम कर सकते है, वह करेगे। यह ठीक है कि स्टाफ को भी ईमानदार से काम करना चाहिए। इनकी यह बात ठीक है पिछली सरकारो के समय मे यह अनियमितता होती रही है। लेकिन अब हमारी कोि ा ा होगी कि आम आदमी को अननैसेसरी हास ने किया जाए तथा इसका सरलीकरण किया

जाए और सरलीकरण के माध्यम से उनसे टैक्स लिया जाए। साथ ही नागरिक को भी यह सोचना चाहिए कि उसका मकान कितनी किमत का है, या उसके लिए मकान का किरया कितना आ सकता है और इसी के अनुसार हम उस पर हाउस टैक्स लगाने का यथासंभव प्रयास करेगे।

ि ाक्षा मंत्री (श्री रामबिलास भार्मा): अध्यक्ष महोदय, इस बारे मे मेरी भी एक सबमि ान है। सर, हरियाणा विधान सभा के प्रक्रिया तथा कार्य संचालन सम्बन्धी नियमावाली के नियम 52 के खंड तीन मे यह प्रावधान है कि जिन सदस्यो के प्र ान आज के लिए लगे है यदि वह सदस्य अनुपस्थित हो और किसी व्यक्ति को उसके द्वारा प्र ान पूछने के लिए प्राधिकृत न किया गया तो अध्यक्ष किसी भी सदस्य के अनुरोध पर निदे ा कर सकती है कि उसका उतर दिया जाए। अध्यक्ष महोदय, आपकी इजाजत से उन प्र ानो को यहां पर कोई भी सदस्य पूछ सकता है।

श्री अध्यक्ष: भार्मा जी, जो मैम्बर्ज पहले ही सस्पैडिड है उनके प्र ान नही पूछ जा सकते है।

श्री रामबिलास भार्मा: सर, सस्पैडिड मैम्बर्ज के तो नही पूछे जा सकते है लेकिन जो दूसरे मैम्बर्ज है और जो यहां पर उपस्थित नही है उनके प्र ान तो आपकी इजाजत से पूछ जा सकते है। इस नियमावली के नियम 52 के खंड तीन मे यह प्रावधान है कि '' यदि पुकारे जाने पर कोई प्र ान पूछा न जाए

या जिस सदस्य के नाम पर प्र ान हो, वह अनुपस्थित हो और किसी व्यक्ति को उसके द्वारा प्र ान पूछने के लिए प्राधिकृत न किया गया हो, तो अध्यक्ष किसी भी सदस्य के अनुरोध पर निदे ा कर सकता है कि उसका उतर दिया जाए।''

श्री सोमबीर सिहः अध्यक्ष महोदय, मै आपके द्वारा मंत्री महोदय से जानना चाहूगा कि क्या सरकार का नगरपालिकाओ की सीमा बढाने का कोई विचार है तथा जिन नगरपालिकाओ की आमदनी कम है क्या उनको खत्म करने की सरकार की कोई योजना है?

डा0 कमला वर्माः अध्यक्ष महोदय, अगर कोई एरिया म्यूनिसिपल एरिया के अंदर आता है और यदि वहा के लोग अपने मकानो के नक्ा े पास करवाकर डिवैल्पमैन्टल चार्जिज देने के लिए तैयार है तो हम उनको नगरपालिका की सीमा के अंदर ले आएगे लेकिन पहले वे धन जमा कराए। इसके अलावा इनके दूसरे सवाल के बारे मे मै इनको बताना चाहूगी कि हमने यह विचार किया है कि जिन जिन कमेटीज की आमदनी कम है वहा के पार्शदो को, वहा के रहने वाले लोगो को और वहा के चुने हुए विधायको को, यानि सबकी सहमति लेने के बाद यदि वे कह देगे कि हमारी नगरपालिकाए तोड दी जाए तो हम तोड देगे।

श्री अध्यक्षः अभी जैसा रामबिलास भार्मा जी ने कहा था तो मै सदन को बताना चाहूगा कि जो माननीय सदस्य सस्पैडिड

है उनके क्वै चन तो पूछे नही जा सकते है लेकिन जो दूसरे सदस्यो के क्वै चन है यदि उन्होने अपने क्वै ंचंज के बारे मे लिखकर दिया हो या किसी दूसरे सदस्य को इनके पूछने के बारे मे अथोराइज किया हो तब तो वह क्वै ंचज चेयर की परमि ान से पूछा जा सकता है। लेकिन उन्होने किसी को ऐसा करने के लिए अथोराइज नही किया है।

श्री जगदी ा नेहराः अध्यक्ष महोदय, मै आपके माध्यम से मंत्री महोदय को बताना चाहूगा कि मेरे हल्के मे दो नगरपालिकाए है यानि हसनपुर और होडल की है। हमारी सरकार को बने हुए तीन सल होने के है लेकिन मेरे हल्के की इन नगरपालिकाओ को थोडी सी भी ग्रांट नही दी गयी है जबकि मै मंत्री महोदय से इस बारे मे तीन तीन बार मिल चुका हू। इसलिए मै आपके माध्यम से मंत्री महोदय से जानना चाहूगा कि मेरे हल्के की इन नगरपालिकाओ को ग्रांट देने से अब तक क्यों उपेक्षित किया गया है इसका क्या कारण है और किन किन तरीको से इनका महकमा नगरपालिकाओ को ग्रांट देता है, यह भी बताने का कश्ट करे।

डा0 कमला वर्माः अध्यक्ष महोदय, यह प्र ान तो सैपरेट है और इस प्र ान से संबधित नही है क्योकि इन्होने दो वि ोश नगरपालिकाओ के बारे मे पूछा है।

श्री अध्यक्षः लेकिन मेयर साहब ने तो आपसे निवेदन किया है।

डा0 कमला वर्माः नेयर साहब, आपने कौने कौन सी नगरपालिकाओ का नाम लिया है? कृपया दोबारा से बताएगे?

श्री अध्यक्षः नेयर साहब, आप अपना क्वै चन दोहरा दे।

श्री जगदी ा नेयरः अध्यक्ष महोदय, मै आपके माध्यम से बहन कमला वर्मा जी से पूछना चाहूंगा कि मेरे हल्के की दो नगरपालिकाओ होडल और हसनुपर है और इनके बारे मे मैने बहन जी से 3 बार प्रार्थना की थी कि मेरे हसनुपर और होडल की नगरपालिकाओ को किसी भी प्रकार की कोई ग्रांट नही दी गई है इसलिए उनको ग्रांट दी जानी चाहिए। होडल की हालत यह है कि वहा जाने मे भार्म लगती है।

श्री अध्यक्षः होडल हल्के के तो मंत्री भी है।

डा0 कमला वर्माः अध्यक्ष महोदय, ग्रांट सब नगरपालिकाओ को यथासंभव भेजी जाती है। सबसे पहले स्लम्ज के बारे मे जो ग्रांट भेजी है इनके हल्के मे वह मै बताती हू। स्लाम्ज के लिए होडल मे 2 लाख 24 हजार रूपये की व हसनपुर मे 32 हजार रूपये की ग्रांट भेजी है। इसी प्रकार से मै डिवैल्पमैट के बारे मे बता सकती हू। होडल मे डिवैल्पमैंट के लिए

पहली इंस्टालमैट 4 लाख 24 हजार 100 रूपये की भेजी और हसनपुर मे 65600 रूपये की भेजी।

श्री अध्यक्षः बहन जी, नेयर साहब हसनपुर नगरपालिका के बारे मे ज्याद चिंतित है।

डा0 कमला वर्माः अध्यक्ष महोदय, हसनपुर नगरपालिका को तीन लाख रूपये की सैन्ट्रल डिवैल्पमैंट ग्रांट दी गई है और होडल के लिए भी 6 लाख रूपये की ग्रांट दी गई है।

श्री जगदी ा नेयरः अध्यक्ष महोदय, यह ग्रांट गई थी और इसके बारे मे मुझे भी मालूम है लेकिन वह ग्रांट डी0सी0 फरीदाबाद से वापस चण्डीगढ आ गई। मैने इस बारे मे भी बहन जी को बताया था।

डा0 कमला वर्माः अध्यक्ष महोदय, अब वे मुझे लिखकर दे दे मै सारा पता कर लूगी और साथ ही नेयर साहब से भी कहना चाहूगी कि ये तो विधायक का कर्तव्य होता है कि वह पूरी जानकारी रखे। नगरपालिका मे जाकर सैक्रेटी, ई0ओ0 और एस0डी0 से भी सम्पर्क रखना चाहिए और जानना चाहिए कि कितना पैसा आया है और इसे कहा कहा खर्च किया जा रहा है क्योकि विधायक भी उस नगरपालिका का ऐक्स आफिसियो मैबर होता है।

श्री जगदी ा नेयरः अध्यक्ष महोदय, पूरी जानकारी लेने के बाद ही मैने प्र ान उठाया है मै बहन जी से मिला हू और कई

बार ग्रांट का जिकर भी किया है वैसे अब मै इस बारे मे फिर मिल लूगां।

डा0 कमला वर्माः ये मिलते तो रहते है पर इस विशय पर कभी चर्चा नही करते और न लिखित मे कूछ पूछते है।

श्री अध्यक्षः आपने कभी बहन जी को कहा नही है पहले आप इन्हे अलग से कहा करो फिर यहा कहा करो।

श्री जगदी ा नेयरः अध्यक्ष महोदय, अगर ये कहने से ग्रांट देती है ता फिर मै सबके सामने कह रहा हू।

डा0 कमला वर्माः अब कह तो रहे है पर जो पिछले ग्रांट दी है उसकी चर्चा नही करते।

श्री चन्द्र भाटियाः अध्यक्ष महोदय, मै आपके माध्यम से मंत्री महोदय से पूछना चाहता हू कि फरीदाबाद मे जो अनअथोराइजड कालोनीज है उनको रैगुलेराइज करने के लिए क्या कोई प्रावधान रखा हुआ है? इसके अलावा जैसे अनिल विज जी ने अपने हल्के के हाउस टैक्स के बारे मे कहा इसी तहर फरीदाबाद के बारे मे भी अखबारो मे काफी चर्चा रही है। पिछली सरकार ने 10 गुणा हाउस टैक्स बढाने का ऐक्ट लागू करने के लिए लिखा था। मै जानना चाहता हू कि हमारे फरीदाबाद मे अन्य हल्को की तरह टैक्स लगाया जाएगा या बढाया जाएगा ?

डा0 कमला वर्मा: अध्यक्ष महोदय, मै इनको बताना चाहती हू कि हमने एक मीटिग की थी जिसमे फरीदाबाद की डी0सी0 कापेरे ान के कमि ानर और स्थानिय तीनो विधायको उसमे उपस्थित थे, उसमे जो विचार किया गया है उसी के मुताबिक अब टैक्स तय किया जायेगा। कुछ बाते ऐसी होती है कि जब तक वे कार्यान्वित न हो, मै उन बातो का स्पश्टीकरण यहा पर नही दे सकती। जैसा कि माननीय सदस्य ने अन अथोराइज्ड कालेनियो को रेगूलेराइज करने के बारे मे पूछा है। अगर ये कालोनिया म्यूनिसिपल कमेटी की जमीन पर है और उनके डिवल्पमैटल चार्जिज दे दिए गए हो, नक ाा पास करवा लिया हो यानी यदि वे सब भार्ते पूरी करते है तो उन कालोनियो को अथोराइज्ड करने का विचार किया जा सकता है। अन्यथा यदि कोई भी आदमी बाहर से आकर फरीदाबाद मे किसी जगह पर झुग्गी झोपडी बना लेगा और थोडे दिन बाद उसको पक्का कर लेगा तो ऐसी कालोनी को सरकार अथोराइज नही करेगी। जमीन की कीमत, नक ाा पास, और डिवैल्पमैट चार्जिज वे अगर देते है तो उनकी कालोनी को अथोराइज कर दिया जायेगा।

श्री चन्द्र भाटियाा: अध्यक्ष महोदय, मै मंत्री महोदय से पूछना चाहता हू कि क्या जमीन की कीमत, नक ाा पास करवाने और डिवल्पमैट चार्जिज देने के बाद उनकी कालोनी को अथोराइज कर दिया जायेगा?

डा0 कमला वर्मा: अध्यक्ष महोदय, उसके बाद सरकार विचार कर सकती है।

डा0 अनिल विज: अध्यक्ष महोदय, मै आपके माध्यम से मंत्री महोदय से पूछना चाहता हू कि यह जो हाउस असैसमैंट के बारे मे नया फार्मूला सरकार बना रही है क्या वह भी कर्मचारियो के रहमोकरम पर छोड दिया जाएगा यहा कोई कंक्रीट फार्मूला बनाया जायेगा? लोकेलिटी के हिसाब से या एरिया के हिसाब से यह फार्मूला बनाया जाना चाहिए। कोई काम जल्दी किया जाएगा या फिर कर्मचारियो पर छोड दिया जायेगा कि कर्मचारियो की मर्जी कि वे किसी पर टैक्स लगाये या किस पर लगाये? जो फार्मूला बनाया है उसके बारे मे अंतिम निर्णय कब तक लिया जायेगा?

डा0 कमला वर्मा: अध्यक्ष महोदय, गृह कर के सरलीकरण के वास्ते एक समिति गठित की गई है जो इसके बारे मे डिटेलज वर्क आउट कर रही है। उसके बाद ही कोई कार्यवाही की जायेगी। समिति की दो तीन बैठके करके हम दो तीन महीनो मे यह निर्णय ले लेगे।

श्री चन्द्र भाटिया: अध्यक्ष महोदय, मै मंत्री महोदय को बताना चाहूगा कि फरीदाबाद मे ही नगर निगम है और वहा पर जो अधिकारी है उनमे से सिर्फ कमि ानर का ट्रासफंर ही सरकार कर सकती है लेकिन दूसरे जो अधिकारी है वे कई सालो से वहां

पर बैठे हुये है। उनका ट्रासफंर फरीदाबाद से बाहर नही होता। कभी कभी वे जरूर बल्लभगढ या ओल्ड फरीदाबाद मे ट्रासफंर हो जाते है लेनिक फिर वापिस वही पर आ जाते है। जब फरीदाबाद के लोग अपनी समस्याओ को लेकर उन अधिकारियो के पास जाते है तो वे जनता की समस्याओ को सुधारने की तरफ कोई ध्यान नही देते। उनको पता है कि यहां हमारा कोई कुछ नही बिगाड सकता। कमि ानर साहब तो इनको वही पर कहीं बल्लभगढ, ओल्ड फरीदाबाद या एन0आई0टी0 फरीदाबाद मे ही ट्रासफंर कर सकता है। अध्यक्ष महोदय, मै आपके माध्यम से मंत्री महोदय से पूछना चाहता हू कि क्या सरकार इन बारे मे कुछ विचार कर रही है कि जो अधिकारी कई सालो मे वहां बैठे हुये है उनका ट्रासफंर करके किसी और अधिकारी की वहां नियुक्ति करे ताकि वह जनता की समस्याओ का निदान कर सके।

डा0 कमला वर्मा: अध्यक्ष महोदय, पहले ऐसी समस्या नगर निगम मे होती थी कि वहां के अधिकारियो का ट्रासफंर नही हो सकता था। लेकिन अब हम ने नियम बना दिया है कि नगर निगम के अधिकारियो और कर्मचारियो का ट्रासफंर हरियाणा मे किसी भी नगरपरिशद मे हो सकता है।

श्री चन्द्र भाटिया: अध्यक्ष महोदय, इसके लिए मै सरकार का और मंत्री जी का धन्यवाद करता हू।

ताराकित प्र ान संख्या 907

(इस समय माननीय सदस्य श्री नफे सिह राठी चूकि हाउस मे उपस्थित नही थे इसलिए यह प्र ान पूछा नही गया।)

ताराकित प्र ान संख्या 909

(इस समय माननीय सदस्य श्री बलबीर सिंह चूकि हाउस मे उपस्थित नही थे इसलिए यह प्र ान पूछा नही गया।)

ताराकित प्र ान संख्या 914

(इस समय माननीय सदस्य श्री बलवन्त सिंह चूकि हाउस मे उपस्थित नही थे इसलिए यह प्र ान पूछा नही गया।)

ताराकित प्र ान संख्या 928

(इस समय माननीय सदस्य श्री रमे ा कुमार चूकि हाउस मे उपस्थित नही थे इसलिए यह प्र ान पूछा नही गया।)

ताराकित प्र ान संख्या 950

(इस समय माननीय सदस्य श्री नरेन्द्र सिंह चूकि हाउस मे उपस्थित नही थे इसलिए यह प्र ान पूछा नही गया।)

ताराकित प्र ान संख्या 813

(इस समय माननीय सदस्य श्री देवराज दीवान चूकि हाउस मे उपस्थित नही थे इसलिए यह प्र ान पूछा नही गया।)

ताराकित प्र ान संख्या 976

(इस समय माननीय सदस्य श्री बन्ता राम चूकि हाउस मे उपस्थित नही थे इसलिए यह प्र ान पूछा नही गया।

Laying of Sewerage in Virat Nagar

971* Shri Om Parkash Jain: Will the Minister for Public Health be pleased to state the time by which the laying of Sewerage system in Virat Nagar of Panipat City will bw started/completed?

जन स्वास्थय मंत्री श्री जगन्नाथः पानीपत भाहर के विराट नगर मे सीवेरज प्रणाली बिछाने का कार्य इस कालोनी की जल वितरण योजना जो प्रगति मे है, के पूर्ण होने पर विचार किया जायेगा।

श्री ओमप्रका ा जैनः अध्यक्ष महोदय, इसके लिए मै मंत्री जी का धन्यवाद करता हू तथा साथ साथ ही साथ आपके माध्यम से उनसे पूछना चाहता हू कि यह जल वितरण योजना जो प्रगति मे है इसको कब तक पूरा कर देगे तथा इसके बार सीवरेज प्रणाली को कितने दिनो मे पूरा कर देगे?

श्री जगन्नाथः अध्यक्ष महोदय, मै आपके माध्यम से माननीय सदस्य को बताना चाहूगा कि जो जल वितरण योजना है, उसकी पाईप लाईन हम 6 लाख रूपए मे बिछाने जा रहे है, वह दिसम्बर, 1999 तक पूरी हो जाएगी तथा ट्यूबवैल से पानी देने का कार्य अलग साल 31 मार्च तक भाुरू हो जाएगा। उसके बाद सीवरेज की लाईन बिछाएगे क्योकि सीवरेज देने के लिए कम से

कम सौ लीटर पानी प्रति व्यक्ति होना चाहिए, इसके कम पानी से काम नही चल सकता।

श्री अध्यक्षः मंत्री जी, क्या बडे बडे गावो मे सीवरेज सिस्टम लागू करने जा रहे है? इन बडे बडे गावो मे तो आपका ननिहाल भी है जंहा तक सीवरेज सिस्टम का कार्य रूका पडा है। क्या अपने ननिहाल की तरफ भी आप ध्यान देगे ?

श्री जगन्नाथः अध्यक्ष महोदय, ननिहाल की तरफ भी ध्यान देगे तथा इससे भी बडा आपका गांव बौंद है, उसकी तरफ भी ध्यान देगे। लेकिन मै आपको बताना चाहता हू कि इनते पैसे का प्रवाधान नही है कि हरे बडे गांव मे पानी का प्रावधान किया जाए ओर वहां पर सीवरेज की लाईन बिछाई जाए। यह तो असंभव सी बात है।

श्री अध्यक्षः बापौडा गांव मे तो है? क्या उसको दुरूस्त करेगे?

श्री जगन्नाथः अध्यक्ष महोदय, मै आपको माध्यम से मंत्री जी को बताना चाहूगा कि होडल और हसनपुर दो ऐसे कस्बे है, जंहा पर आबादी दिनो दिन बढती ही चली जा रही है परन्तु वहा पर पानी की निकासी की समस्या है। मै आपके माध्यम से जन स्वास्थय मंत्री से पूछना चाहूगा कि क्या हमारे इन भाहरो की समस्या का कोई विकल्प ढूंढने की कोि ा ा करेगे?

श्री बिजेन्द्र सिंह कादयानः अध्यक्ष महोदय, मै आपके माध्यम से मंत्री जी बताना चाहूगा कि मेरे हल्के मे कई कैनाल बेस्ड वाटर सप्लाई स्कीम बनी हुई है जिसके लिए टंकिया भी बनाई गई है जिनसे कई गावो मे पानी की सप्लाई होती है। इस पानी की सप्लाई के लिए जो नालियां बनाई गई है, वे ढकी हुई नही है जिसकी वजह से लोग उन पर कपडे धोते है, उन मे मिट्टी बगैरह डाल देते है परिणामस्वरूप लोगो को बडी असुविधा होती है। मै आपके माध्यम से मंत्री जी पूछना चाहूगा कि क्या इन नालियो को कवर करने का कोई मामला सरकार के विचाराधीन है?

श्री जगन्नाथः अध्यक्ष महोदय, मे आपके माध्यम से माननीय साथी कों बताना चाहूंगा कि जब इन नालियो मे मिट्टी वगैरहा आ जाती है, कूडा कर्कट आ जाता है या कोई रूकावट आ जाती है तो इनको साफ करने मे असुविधा होती है इसलिए इन को खुला रखना पडता है। हां, कही कही जरूरत पडने पर इनको कवर भी किया गया है लेनिक पूरी नालियों को कवर नही कर सकते है क्योंकि इनमे रूकावट वगैरहा आंने की स्थिति मे इनकी सफाई मे असुविधा होगी।

श्री बिजेन्द्र सिंह कादयानः अध्यक्ष महोदय, यह बहुत ही रिस्की मामला है, इसलिए सरकार को इसके लिए कुछ सोचना चाहिए। यदि खुली नालियो मे कोई जहर डाल देगा तो सारा गांव मर जाएगा।

श्री जगन्नाथः अध्यक्ष महोदय, जहर तो कुंओ और तलाबो मे भी डाल जा सकता है। कम से कम मेरे विधायक साथी को यह सोचना चाहिए कि वे अपने पडौसी गांव वालो को तो कह सकते है कि इन नालियो मे कपडे न धोऐ, उन मे मिट्टी व कूडा कर्कट न डाले। इनको उन्हे समझाने की कोि ा ा तो जरूर करनी चाहिए।

श्री कपूर चंद भार्माः अध्यक्ष महोदय, भााहबाद नगर मे सीवेरज बिछाने का काम आज से 25 साल पहले किया गया था। वह काम 60 प्रति ात हो गया है और 40 प्रति ात अभी भोश रहता है। इस बारे मे मै मंत्री महोदय से जानना चाहता हू कि वे इस काम को कब तक पूरा करवा देगे?

श्री जगन्नाथः अध्यक्ष महोदय, मै निर्धारित समय तो नही बता सकता कि यह काम कब तक पूरा होगा लेकिन इनको इतना आ वासन जरूर देता हू कि ज्यो ज्यो पैसा आयेगा यह काम पूरा करके दिया जायेगा। अध्यक्ष महोदय, सीवरेज बिछाने का कार्य 82 या 84 भाहरो व कस्बो मे भुरू किया हुआ है जैसे ही पैसा आयेगा सभी जगह का करवा दिया जायेगा। अध्यक्ष महोदय, जैसा कि आपको भी मालूम है कि हर भाहर और कस्बे की आबादी बढने के कारण वहां नई नई कालोनियां कटने से यह काम पूरा नही होता लेकिन फिर भी हम यह काम जल्दी करवाने की कोि ा ा करेगे।

श्री सतपाल सांगवानः अध्यक्ष महोदय, मै आपके माध्यम से मंत्री महोदय से जानना चाहता हू कि भिवानी मे जो सीवरेज डाले थे वे सीवरेज ज्यादातर खराब ही रहते है। कई जगहो पर सीवरेज दब गए है। उन सीवरेज को ठीक करवाने के लिए मंत्री महोदय क्या कार्यवाही कर रहे है?

श्री अध्यक्षः सांगवान साहब, आपने इस बारे मे मंत्री महोदय को कभी पहले भी कहा था या अभी कह रहे है?

श्री सतपाल सागंवानः अध्यक्ष महोदय, अभी एक महीने पहले मंत्री महोदय वहां पर कृश्णा कालोनी मे जा रहे थे। उस समय वहा पर सिरसौधा गढ्ढा खोद रखा था। उस समय मैने मंत्री महोदय को कहा था कि जो सीवरेज एक बार डाल दिया जाता है तो वह जल्दी ही खराब हो जाता है। जिसके कारण उसको बार बार खोदा जाता है। इससे सरकार का नुकसान भी बहुत होता है। भाायद इस बारे मे मंत्री महोदय को भी मालूम है।

श्री जगन्नाथः अध्यक्ष महोदय, जब कोई ट्रक या भारी व्हीकल सीवरेज पर चढ जाते है तब सीवरेज दब जाता है और खराब हो जाता है। अगर इस तरह से कोई सीवरेज खराब हुआ है तो हम उसको जल्दी ही ठीक करवा देगे और आगे से ध्यान रखेगे कि सीवरेज का काम अच्छी तरह से किया जाये।

श्री सोमवीर सिंहः अध्यक्ष महोदय, मै आपके माध्यम से मंत्री महोदय को बताना चाहता हू कि ढाणी भाखडा के अंदर एक

वाटर वर्क्स रखा है। उस वाटर वर्क्स का पानी माईनर के द्वारा गावो मे जाता है। अध्यक्ष महोदय, जब बरसात का मौसम होता है तब गावो का गंदा पानी और बरसात का पानी माईनर के अंदर से चला जाता है जिससे पीने का पानी खराब हो जाता है। जब लोग इस पानी का पीते है तो बीमार हो जाते है। इस बारे मै मंत्री महोदय से जानना चाहूंगा कि इस साल मई, जून और जुलाई के महीने मे भाुरू होने वाली बरसात से पहले उस माईनर मे बरसात का पानी न जाये, इस बारे मे मंत्री महोदय क्या पग उठा रहे है?

श्री जगन्नाथः अध्यक्ष महोदय, वह माईनर कौन सा है?

श्री सोमवीर सिंहः अध्यक्ष महोदय, जिस ढाणी भाखडा वाटर वर्क्स की बात मेरे माननीय साथी कर रहे है वह तो अभी भाुरू भी नही हुआ है। जंहा तक माईनर मे बरसात का पानी जाने का सवाल है, उस बारे मे हम भी वहां की जनता से अनुरोध करेगे तथा मेरे माननीय साथी भी लोगो से अनुरोध करे कि वे लोग बरसात के पानी को किसी दूसरी तरफ निकाल दे। अध्यक्ष महोदय, इसके साथ साथ मै यह भी बताना चाहता हू कि हम भी इस बारे मे सोचगे कि गांव का गंदा पानी माईनर मे न जाये।

श्री सतपाल सांगवानः अध्यक्ष महोदय, एक नया वाटर वर्क्स आसनवास दुधिया मे बना है और वहां मे मेरे हल्के के दो गांव को पानी आता है लेनिक इस वाटर वर्क्स के टैकं मे एक दो दिन से ज्यादा पानी नही रूकता है। इस सम्बन्ध मे मैने पहले भी

मंत्री जी से प्रार्थना की थी। अब मै आपके माध्यम से मंत्री महोदय से यह जानना चाहूगा कि क्या इसके बारे मे कोई एक ान लिया गया है ?

श्री जगन्नाथः अध्यक्ष महोदय, ऐसी कोई ि ाकायत मेरे नोटिस मे नही आई है। यदि विधायक जी नोटिस मे ला दे तो उसकी जांच पडताल भी करवा लेगे और यदि किसी ने गडबड की होगी तो उसके खिलाफ एक ान भी लेगे एवम इसकी मरम्मत का काम भी करवा देगे। बाकी जो सीवरेज की बात है यह काम तो दादरी और लोहारू मे हो चुका है।

श्री जगदी ा नेहराः अध्यक्ष महोदय, मै आपके माध्यम से मंत्री से जानना चाहूंगा कि जो वाटर वर्क्स बाढ अथवा सेम के कारण क्षतिग्रस्त हो गये थे, क्या उनको बनाने का कोई प्रावधान है?

श्री जगन्नाथः अध्यक्ष महोदय, बाढ की वजह से जी भी वाटर वर्क्स क्षतिग्रस्त हो गये थे उनको ठीक करा दिया गया है फिर भी यदि कोई रह गया हो तो विधायको जी नोटिस मे ला दे, उसे भी ठीक करा देगे।

ताराकित प्र ान संख्या 937

(इस समय माननीय सदस्य श्री राफफल कुडु सदन मे उपस्थित नही थे इसलिए यह प्र ान पूछा नही गया।

Traiff of Electricity

981. Shri Kapoor Chand Sharma: Will the Chief Minister be pleased to state-

(a) Whether is a fact that the power tariff being chaged @ Rs. 40/per H.P for supply of electricity to Agricultural Sector in Pehowa Sub division and @ Rs. 50/ Per H.P is being chaged in Thanesar Sub divison whether the water table of both these areas is same, if so, the reasons thereof; and

(b) whether it is alos a fact that if the payment of electricity bills is not made by due date then the Tariff of Power is being chaged @ of Rs. 65/per H.P instead of Rs. 50/& some additional penality is also charged; if so, the reasons thereof?

Minister of State for Public Relation (Shri Attar Singh Saini) A statement is laid on the table of the House.

Statement

(a) The erswhile HSEB (now Haryana Vidyut Prasaran Nigam) introduced the slab system on 1-5-1998 based on block wise average depth of tubewells as per the survey conducted by Department of Agriuclture. The Aaverage depth of tubwells in Pehowa Block and Thanesar Block as per the survey and tarriff applicable in respect of Flat Rate tubewell and metered supply tubewell is as under:-

Name of Block	**Average depth of**	**Normal tariff**	**Concessional**	**tariff**

	tubewell (in.ft.)				
		Flat Rate	**Metered tariff**	**Flate Rate**	**Metered tariff**
Pehowa	150'-200'	Rs. 65/ per BHP per month	50 Pasise Rs.	40 per BHP per month	31 Paise per unit
Thanear	101'-150'	do	do	Rs. 50/- per BHP per month	38 Paise per unit

Since the average depth of tubewells in Pehowa & Thanesar Block is different, the differential tariff is being chaged on that basis.

(b) The slab sustem of concessional tariff for agriuture tubewell introduced from 1-5-1998 was to be subject to the conditions listed below:

(i) The outstanding electricity bills as stood on 30-4-1998 would be paid in four quarterly instalments without delayed surcharges accured from 1-1-1994 to 30-4-1998.

(ii) Regular and timely payment of both quarterly instalments of the arrears and the current electricity bills would be paid.

(iii) In case, the consumers failed to discharge their dues both current as well as instalment of arrears,

concessional tariff based on slab system wil not be availbale to them and they will have to pay normal tariff @ 65/- per B.H.P per month (Flat rate) 50 paise per unit (Metered supply)

In case a consumer does not make timely payment of electricity bill, the consumer will also have to surcharge at the rate of 2% per month in addition to paying the bill at normal tariff.

Changes in Agriuculture tariff over the years.

(i) **In 1971,** the concession tariff for agriculture was introduced for the first time by **Shri Bansi Lal.**

(ii) **In, 1982 Shri Bhajan Lal** increased the agriculture tariff from 20 paise to 25 paise per unit and the flat rate tariff from Rs. 16/- to Rs. 20/- per BHP.

(iii) **In, 1988 Shri Devi Lal** raised the agriculture tariff from 25 paise to 30 paise per unit and the flat rate tariff from Rs. 20/- to Rs. 25/- per BHP.

(iv) **In, 1992 Shri Bhajan Lal** raised the agriculture tariff from 30 paise to 50 paise per unit and the flat rate tariff from Rs. 25/- to Rs. 35/- per BHP.

(v) **In, 1994 Shri Bhajan Lal** raised the flat rate tariff from Rs. 35/- to Rs. 35/- per BHP.

(iv) **In, 1998 Shri Bansi Lal** introduced the slab system for concessional tariff for tubewells in the whole of Hayana for the firs time.

अध्यक्ष महोदय, इसके अलावा भी मै इस बारे मे इनको बताना चाहता हू। माननीय सदस्य ने पूछा है कि पेहवा उपमण्डल मे कृशि क्षेत्र को बिजली की सप्लाई 40 रूपये प्रति हार्स पावर की दर से तथा थानेसर उपमण्डल मे 50 रूपये प्रति हार्स पावर की दर से बिजली भाुल्क दर वसूल की जा रही है जबकि इन दोनो क्षेत्रो मे अन्तभौम जल स्तर/वाटर टेबल एक समान है। इस सम्बन्ध मे, मै आपके माध्यम से माननीय सदस्य को बताना चाहूगा कि पेहवा और थानेसर दोनो उपमण्डलो मे ट्यबवैलो के पानी का स्तर अलग अलग है यानी कि अन्तभौम जलस्तर एक सम्मान नही है, इसीलिये दोनो उपमण्डलो से अलग अलग बिजली भाुल्क चार्ज किया जाता है। इन दोनो उपमण्डलो मे ही रियायती टैरिफ लागू है। कृशि विभाग ने जो सर्वे हमे करके दिया है उसके मुताबिक 1.5.1998 से रियायती दरे लागू की गई है। पेहवा ब्लाक मे 40 रूपये प्रति वी.एच.पी. प्रति माह है और जिनमे मीटर है उनसे 31 पैसे प्रति बी.एच.पी. प्रति माह भाुल्क चार्ज किया जाता है। पेहवा ट्यूबवैल्ज की गहराई 150 से 200 फुट तक है जबकि थानेसर मे ट्यबवैल्ज की गहराई 101 से 150 फुट तक है, इसलिये थानेसर उपमण्डल मे 50 रूपये प्रति वी.एच.पी. प्रति मास बिजली भाुल्क चार्ज किया जाता है। और जिनके मीटर है उनसे 38 पैसे प्रति वी.एच.सी. प्रति माह भाुल्क चार्ज किया जाता है।

इसी प्रकार से माननीय सदस्य ने अपने सवाल पार्ट ''ख'' मे पूछा है कि यदि बिजली के बिलो की अदायगी देय तिथि

को नही की जाती है। तो बिजली भाुल्क दर 50 रूपये प्रति हार्स पवार की बजाय 65 रूपये प्रति हार्स पावर की दर से तथा कुछ अतिरिक्त जुर्माना भी वसूल किया जाता है, यदि हां तो उसके क्या कारण है? अध्यक्ष महोदय, मै आपमे माध्यम से माननीय सदस्य को बताना चाहूंगा कि यह बात ठीक है और इसका जवाब हां मे है। जब रियासतीद दरे लागू की गई तो उसकी कुछ भार्ते भी लगाई गई थी और एक स्लैब प्रणाली लागू गई थी। इस स्लैब प्रणाली की 1.5.1998 से ही यह भार्ते थी कि 30.4.1998 तक जो बकाया रा ि ा थी उसे चार त्रैमासिक कि तो मे यानी 1.1.1994 से 30.4. 1998 तक का बकाया सरचार्ज के बिना ही लिया जायेगा और दूसरी भार्त यह थी कि बकाया की दोनो त्रैमासिक कि ते तथा चालू बिजली के बिलो का नियमित तथा समय पर भुगतान किया जायेगा। यदि उपभोक्ता दोनो चालू तथा बकाया कि तो के बिलो की कि ते देने मे असफल होता है तो उनको स्लैब प्रणाली पर रियायती टैरिफ उपलब्ध नही होगा। ऐसी स्थिति मे उन पर सामान्य टैरिफ 65 रूपय प्रति बी.एच.पी. प्रति माह की दर से तथा फलैट रेट 50 पैसे प्रति यूनिट/मीटर की सप्लाई के लिए देनी पडेगी। यदि उपभोक्ता बिजली का बिल सयम पर भुगतान नही करता है तो सामान्य दर पर टैरिफ अदा करने के अलावा उपभोक्ता को 2 प्रति ात प्रतिमास के हिसाब से सामान्य दर के अतिरिक्त सरचार्ज भी देना होगा। जो किसान बिलो की अदायगी समय पर नही कर पाए उनको 28 फरवरी 1999 तक बिजली के बिल भरने की सुविधा दी गई है अब वे इस सुविधा का लाभ उठा

सकते है। अध्यक्ष महोदय, कन्सै ानल टैरिफ की प्रणाली हमारे आदरणी मुख्यमंत्री चौधरी बंसी लाल जी ने 1971 मे भाुरू की थी वर्श 1982 मे जब श्री भजन लाल मुख्यमंत्री थे उस समय उन्होने कृशि टैरिफ को 20 पैसे से 25 पैसे प्रति यूनिट बढा दिया। चौधरी बसी लाल जी ने अब फिर हरियाणा प्रदे ा की सत्ता सम्भाली है इन्होने एक पैसा भी नही बढाया है। अध्यक्ष महोदय, पहले 63 हजार किसानो को फायदा हुआ करता था लेकिन अब स्लैब प्रणाली सारे हरियाणा प्रदे ा मे लागू कर दी गई है जिससे 1.25 लाख किसानो को लाभ हो रहा है यानि पहले से दो गुणा किसानो को फायदा हुआ है।

श्री कपूर चन्द भार्मा: अध्यक्ष महोदय, पेहवा ब्लाक और भााहबाद ब्लाक मे केवल 5 या 7 किलोमीटर का फासला है इसलिए इतने कम फासले मे जमीन के नीचे के पानी के स्तर मे कोई ज्यादा फर्क नही होता, बहुत कम फर्क होता है। इन दोनो ब्लाक्स मे जमीन के नीचे का जल स्तर एक जैसा ही है फिर भी इन दोनो ब्लाक्स के किसानो से प्रति हार्स पावर के हिसाब से बिजली के अलग अलग रेट लिय जा रहे है, यह उन किसानो के साथ अन्याय है। उन दोनो ब्लाक्स के किसानो को यह सुविधा एक समान्य मिलनी चाहिए। क्या सरकार इस बारे मे विचार करेगी?

श्री अतर सिंह: अध्यक्ष महोदय, मै आपके माध्यम से माननीय सदस्य को बताना चाहता हू कि इस तरह का प्रतिवेदन

किसानो से हमे प्राप्त हुआ था जिसके बारे मे सरकार ने हरियाणा विधुत प्रसारण निगम के साथ विचार विम र्ा किया और यह निर्णय लिया हुआ है तो उसको घटा कर हमने पटवार सर्कल पर कर दिया। पटवार सर्कल के हिसाब से कृशि विभाग से जो सर्वेक्षण हमारे पास आएगा उसको उसके मुताबिक लागू कर दिया जायेगा। हमने यह निर्णय लिया है। इस बात की 21.1.1999 को नई हिदायते जारी की गई है। जो टैरिफ की सुविधा है वह 1.5. 1998 मे दी जाएगी। किसी उपभोक्ता के अगर बिजली के फालतू पैसे जमा करवा दिए होगे उनको अगले बिल मे एडजैस्ट कर लिया जाएगा।

मुख्यमंत्री (श्री बंसी लाल): अध्यक्ष महोदय, एग्रीकल्चर डिपार्टमैंट इस बारे मे सर्वे करता है वैध जी जिन गावो की लिस्ट देगे उन गावो मे नए सिरे से सर्वे करवा देगे।

श्री कपूर चन्द भार्मा: स्पीकर साहब, मै मुख्यमंत्री जी का इस बात के लिए धन्यवाद करता हू।

श्री जगदी ा नेयर: अध्यक्ष महोदय, मेरे हल्के मे कुछ बहुत बडे बडे गांव है और वे गांव हल्के मे ही नही हमारे जिले मे सबसे बडे गांव है। घोडी, चांदक और राजुपुर आदि ये ऐसे गांव है जिनका भूमि के नीचे का जल स्तर बहुत नीचे जा चुका है। जब हमने उन गावो मे जाते है तो लोग कहते है कि जब बिजली की रियासती स्लैब प्रणोली पूरे हरियाणा प्रदे ा मे लागू की जा रही

है तो क्या यह हमारे गावो मे भी लागू की जाएगी? मै मंत्री जी से जानना चाहता हू कि क्या वहां पर यह स्लैब प्रणाली लागू की जाएगी?

श्री अत्तर सिंह सैनी: अध्यक्ष महोदय, मै आपके माध्यम से माननीय सदस्य को बताना चाहता हू कि माननीय सदस्य के पास जिस किसी गांव से ऐसी कोई ि ाकायत आती है तो वह हमारे पास भेज दे हम उसका दोबारा से सर्वे करवा देगे।

श्री अध्यक्ष: मंत्री जी, आप सर्वे निवेदन करने पर करवाएगे या यह सरकार की पालिसी है कि सारे हरियाणा का सर्वे कराया जाएगा?

श्री अत्तर सिंह सैनी: अध्यक्ष महोदय, गवर्नमैंट ने तो सर्वे करवा लिया फिर भी अगर किसी को इस बारे मे कोई ि ाकायत हो तो वहां का सर्वे हम दोबारा से करवा देगे।

ि ाक्षा मंत्री (श्री राम बिलास भार्मा): स्पीकर साहब, इस बारे मे आदरणीय मुख्यमंत्री चौधरी बंसी लाल जी ने हरियाणा के किसानो को बहुत बडी राहत दी है। बिजली के चार स्लैब बनाए है। हरियाणा प्रदे ा मे किसानो से कृशि के लिए बिजली का खर्चा हम 50 पैसे प्रति यूनिट लेते है जबकि बिजली की कौस्ट औफ जनरे ान 2 रूपए 88 पैसे प्रति यूनिट आती है। इस तरह हम किसानो का सबसिडी देते हुए उनको 50 पैसे यूनिट बिजली सप्लाई करते है। सरकार का 50 पैसे यूनिट के हिसाब से जो

बिजली किसानो को देती है उसमे भी हमने उनको राहत दी है। इसके लिए सरकार ने 4 स्लैब बना रखे है जिनके ट्यूबवैल 500 फुट तक की गहराई पर है उनको हम 50 पैसे प्रति यूनिट के हिसाब से बिजली देते है। दूसरा स्लैब है कि जिनके ट्यूबवैल्ज 101 फुट से 150 फुट की गहराई तक लगे है उनसे हम 50 पैसे प्रति यूनिट बिजली के लेने की बजाये 38 पैसे प्रति यूनिट लेते है। तीसरे स्लैब के तहत जिनके टयूबवैल्ज 151 फुट से लेकर 200 फुट की गहराई तक है उनसे 31 पैसे प्रति यूनिट के हिसाब से लेते है। चौथे स्लैब के तहत यह है कि जिनके ट्यबवैल्ज 201 फुट मे लेकर इससे अधिक गहराई तक के है उनसे हम 23 पैसे प्रति यूनिट चार्ज करते है। इससे आप देख सकते है कि हमने कितनी राहत दी हुई है।

श्री अत्तर सिंह सैनीः अध्यक्ष महोदय, भार्मा जी ने मीटर के रेट बताए है। फलैट रेट प्रति वर्श हार्स पावर जो हम लेते है वे भी मै आपको बता देता हू। जिनके टयूबवैल 100 फुट की गहराई तक के है उनसे हम 50 रूपये प्रति हार्स पावर, जिनके ट्यूबवैल 150 से 200 फुट की गहराई तक के है उनसे 40 रूपयें प्रति हार्स पवार और जिनके ट्यूबवैल 200 फुट से अधिक गहराई पर लगे हैं उनसे हम 30 रूपये प्रति हार्स पावर चार्ज करते है।

श्री बिजेन्द्र सिह कादयानः अध्यक्ष महोदय, मै मंत्री महोदय से पूछना चाहूगा कि जिन पटवार सर्कल का सर्वे हो गया है वहां पर यह छूट कब तक लागू कर दी जायेगी?

श्री अत्तर सिंह सैनीःअध्यक्ष महोदय, मै माननीय साथी को बताना चाहूंगा कि यह छूट लागू कर दी गई है। इस सबध मे 21.1.1999 को हिदायते जारी कर दी गई और ये हिदायते 1.5. 1998 से लागू होगी। अगर किसी न ज्यादा पैसा जमा करा दिया है तो उसके अगले बिल मे एडजैस्ट कर दिया जायेगा और इस प्रकार से सरकार की तरफ से उनको रिलीफ मिलेगा।

श्री बिजेन्द्र सिह कादयानः अध्यक्ष महोदय, मै मंत्री महोदय से पूछना चाहूगा कि 4 इन्स्टालमेंट की जो सुविधा दी गई है क्या उसमे भाामिल होगा या नही?

श्री अत्तर सिंह सैनीः अध्यक्ष महोदय, जिनके ड्यूज बाकी थे वे सभी इसमे कवर होगे। जिनके सरचार्ज माफ किए गए है और अगर कोई नही दे पाया होगा तो उसकी तारीख बढाकर फरवरी 99 कर दी गई है। वे अब भी दे सकते है।

श्री नृपेन्द्र सिहः अध्यक्ष महोदय, जैसा बिजली राज्य मंत्री महोदय ने बताया कि 28 फरवरी की तारीख निि चत कर दी गई है, मै मंत्री महोदय से जानना चाहूंगा कि जिन लोगो ने नवम्बर मे अपनी प्रथम कि त जका करा दी, क्या उनको दूसरी कि त के लिए अगले तीन महीने यानी फरवरी के बाद मई तक का समय मिलेगा। मै यह भी जानना चाहता हू कि जिन लोगो ने नवम्बर मे बिल जमा करा दिए है उनकी दूसरी कि त का समय

फरवरी हो गया लेकिन उनके बिल अभी तक बिजली बोर्ड की तरफ से इ ू नही किए गए ।

श्री अत्तर सिंह सैनीः अध्यक्ष महोदय, चाहे पहली कि त हो या दूसरी कि त डयू हो, दोनो कि त भरने की डेट 28 फरवरी 99 रखी है, चाहे किसी ने से भरी है या न भरी है।

श्री नृपेन्द्र सिंहः मेरे दूसरे सवाल का जवाब नही आया। मैने यह पूछा था कि जिन लोगो की फरवरी मे दूसरी कि त डयू है उनके बिल बिजली बोर्ड से अभी तक इ ू नही हुए है।

श्री अत्तर सिंह सैनीः : अध्यक्ष महोदय, अगर बिल इ ू नही किए गए है तो हम इसकी जांच करवा लेगे। हमारी तरफ से 21.1.1999 को हिदायते जारी कर दी गई है। हम इसको और ज्यादा एडवर्टाइेज कर देगे। माननीय सदस्यो से अनुरोध है कि वे भी लोगो को अधिक से अधिक इस बारे मे जानकारी अपने अपने हल्के मे जाकर बताए।

श्री अध्यक्षः आप इसकी वाईड पब्लिसिटी करा दे कि 28 फरवरी तक बिल जमा करा दे।

श्री अत्तर सिंह सैनीः ठीक है जी, हम वाईड पब्लिसिटी करवा देगे। साथ ही मेम्बरान साहब से भी निवेदन है कि वे अपने अपने हल्के मे जाकर लोगो को इस बारे मे जानकारी दे दे।

श्री जगदी ा नेयरः अध्यक्ष महोदय, मेरे हल्के मे जहां पर 100 फुट की गहराई से अधिक ट्यूबवैल लगे हुए है और जिसकी सर्वे रिपोर्ट कृशि विभाग की तरफ से आ चुकी है वहां पर इसे कब से लागू किया जायेगा?

श्री अत्तर सिंह सैनीः स्पीकर साहब, सरकार की तरफ से इसको लागू कर दिया गया है। इस संबंध मे 21.1.1999 को हिदायते जारी कर दी गई है। फिर भी अगर माननीय सदस्य को कही का भाक हो तो हमारे नोटिस मे लाये, उसका दुबारा सर्वे करवा लेगे।

Providing of Sewerage System in Ambala Cantt.

858. Shri Anil Vij: Will the Minister for Public Health be pleased to state-

(a) whether there is any proposal under consideration of the Government to provided sewerage system to the remaining part of the Ambala Cantt; and

(b) if so, the time by which the aforesaid proposal is likely to be materialized?

जन स्वास्थय (श्री जगन्नाथ):

(क) जी हां,

(ख) भोश क्षेत्र की मल निकास योजना की लागत लगभग 5.50 करोड रूपये होगी तथा बडी सीवर लाईन सैनिक

क्षेत्र मे से गुजारने की स्वीकृति की आव यकता होगी। योजना का पूर्ण करने का समय निर्धोरित करना थल सेना की स्वीकृति तथा धन रा ि ा की उपलब्धता पर निर्भर करता है।

श्री अनिल विजः अध्यक्ष महोदय, माननीय मंत्री जी के उतर मे जो धनरा ि ा की उपलब्धता वाला पार्ट है उस पर ही मै अपना प्र ान पूछना चाहता हू। अध्यक्ष महोदय, क्या मंत्री महोदय बताएंगे कि 1999–2000 के फाईनै ि ायल ईयर मे इस सीवरेज को डालने के लिए खर्च करने के लिए धन उपलब्ध करवा कर कार्य करवाने की कृपा करेगे?

श्री जगन्नाथः अध्यक्ष महोदय, पैसे की बात तो बाद मे आएगी। लगभग साढे पांच करोड रूपये की रकम इस पर खर्च होगीं। महे ा नगर और दूसरे नगर तथा कालोनियों मे सीवर डालने मे सबसे बडी दिक्कत यह आ रही है। कि सीवरेज की लाईन मिलिट्री एरिया मे जाएगी। मिलिट्री वाले जब तक उसकी मन्जूरी नही देते या जब तक उनके दिल्ली हैडक्वार्टर से मन्जूरी नही आ जाती है तक तक पैसा जमा करवाने की कोई वि ोश जरूरत नही पडेगी।

श्री अनिल विजः अध्यक्ष महोदय, मंत्री महोदय ने अभी बताया है कि सीवरेज लाईन मिलिट्री एरिया से सब्जैक्ट टू अप्रूवल आफ दि आर्मी गुजारी जाएगी। मै मंत्री महोदय से यह जानना चाहूंगाप कि मिलिट्री एरिया से सीवरेज लाईन न निकालनी पडे तो

क्या इसका कोई आल्ट्रनेटिव निकाला जाएगा और वाटर टेंक बनाया जाएगा ?

श्री जगन्नाथः अध्यक्ष महोदय, जहा तक वाटर टैक बनाने की बात है इस बारे मै इन्हे यह बताना चाहूंगा कि अम्बाला सदर का जो एरिया है वहां पर अम्बाला कैंट से पानी जाता था। अम्बाला सदर का एरिया सदर कमेटी को गया था और वहां पर पीने के पानी की दिक्कत थी वहां पर 24 ट्यूबवैल्ज लगवाए गएं। अब 180 लीटर पानी उस एरिये को मिल रहे है जब कि 104 लिटर मिलना चाहिए। उसके बाद बडा टैक बनाने का सवाल आता है। अध्यक्ष महोदय, अम्बाला कैंट के तारो तरफ से मिलिट्री एरिया पडता है। इस काम के लिए 47 एकड जमीन मिलिट्री से लेनी है। 1992–93 से यह मामला चल रहा है। डिप्टी कमि ानर कमि ानर और दूसरे आफिसर्ज समय समय पर मिलिट्री आफिसर्ज से बातचीत करते रहे है लेकिन अभी तक वह मामला सिरे नही चढ सका है। मै अपने साथी विधायक से कहना चाहूगा कि कि अगर कोई आल्ट्रनेटिव उनकी नजर मे है तो वे बताए। (विध्न) अगर माननीय साथी जगह बताए तो वहा पर टैक बनवा दिया जाएगा। जहां तक मिलिट्री एरिया से सीवरेज लाईन निकालने की परमि ान का सम्बन्ध है, हम अपनी तरफ से पूरी कोि ा ा कर रहे है लेकिन जो मिलिट्री एरिया द्वारा परमि ान दी जानी है उस पर हमारा कोई बस नही है।

श्री अनिल विंजः अध्यक्ष महोदय, मै मंत्री महोदय से यह जानकारी चाहूंगा कि जिस क्षेत्र मे सीवरेज बिछी हुई है लोग अभी तक उसका फायदा नही उठा सके है क्या उन ब्रान्च लाईनो के काम के लिए इस बजट मे प्रावधान किया गया है?

श्री जगन्नाथः अध्यक्ष महोदय, मै इनको बताना चाहूंगा कि बाकी एरिये मे 25 किलोमीटर की लाईन है। वह बिछानी है।

श्री अनिल विंजः अध्यक्ष महोदय, जो आल रेडी चल रही है और लोग उससे कनैक ान ले सके तो उसमे ब्रांच डालने के लिए कहा है।

श्री जगन्नाथः अध्यक्ष महोदय, अगर ऐसी कोई इनकी जरूरत है तो हमे ये बता दे, हम उसको करवा देगे।

श्री अनिल विजः अध्यक्ष महोदय, ये वंहा पर पैसे का प्रावधान करवा दे।

श्री अध्यक्षः आरनेबल मैम्बर्ज, अब प्र ान काल समाप्त होता है।

नियम 45(1) के अधीन सदन की मेज पर रखे गए तारांकित प्र नों के लिखित उत्तर

Baby Killer Kand of Bahadugarh

11.00 hrs.

908. Shri Nafe Singh Rathee: Will the Minister Home be pleased to state whether the baby killer arrested by the police has confessed the murder of minor girls in Bahadurgarh? City, if so, the number thereof?

गृह मंत्री (श्री मनीराम गोदारा): जी हां, सती ा पुत्र वृज पाल निवासी नेताजी नगर, लाईन पार, बहादुरगढ जिसे दिनांक 20.11.1998 को बहादुरगढ जिसे दिनांक 20.11.1998 को बहादुरगढ पुलिस द्वारा गिरफतार किया गया था, ज्यूडि ायल मैजिस्ट्रेट बहादुरगढ के सामने बहादुरगढ भाहर मे 10 अव यक लडकियो की हत्या मे भाामिल होना कबूल कर चुका है।

सदस्यो को निलम्बित करने के सदन के निर्णय पर पुनर्विचार सम्बन्धी मामले पर चर्चा

श्री धर्मबीर गाबा: स्पीकर साहब, कल भी हमने आपसे रिक्वैस्ट की थी कि जो मैम्बर्ज सदन से बाहर निकाले गए है उनको वापिस सदन मे बुला लिया जाए। तक आपने प्रैस्टीज बना ली थी कि इस विशय मे प्र ान काल के बाद बात करेगे। अब मै फिर इस बारे मे बोलने के लिए खडा हुआ हू। अध्यक्ष महोदय, अगर सदन मे विपक्ष नही होगा तो इसमे आपकी भी और हमारी भी भाान नही है। अगर आप चाहे तो सदन सही ढंग से चल सकता है और हम अपनी बाते भी गवर्नमैंट से मनवा सकते है। यहां पर कोई मिनिस्टर साहेबान ने कह दिया कि वे चुन हुए नुमायदे है तो मै आपके माध्यम से उनको यह बताना चाहूगा कि

हम भी नोमिनेटिड नही है हमे भी जनता ने चुन कर भेजा है। अध्यक्ष महोदय, जो कुछ भी हाउस मे हुआ है उस बारे मे आप सोचे, स्टेट के लिए क्या क्या भलाई के काम है उस बारे मे सोचे। अगर आप उनको सदन मे बुला लेते है तो इससे स्टेट का भला हो सकता है। मै आपसे रिक्वैस्ट करता हू कि आप उन मैम्बर्ज के हाउस के अन्दर बुला ले ताकि हम सरकार के प्र ान कर सके और सरकार उसका जवाब दे सके। धन्यवाद।

कैप्टन अजय सिंह यादवः अध्यक्ष महोदय, गाबा साहब ने जो रिक्वैस्ट की है मै भी आपसे वही रिक्वैस्ट कंरूगा। मै पिछले 10 सालो से इस सदन का मैम्बर हू। अध्यक्ष महोदय, बजट सै ान एक अहम सै ान होता है। अगर सदन मे विपक्ष के मैम्बर्ज न हो तो सदन का क्या फायदा ? अध्यक्ष महोदय, सदन के जो राईट्स है, जो जिम्मेदारियां है वे सब आपके जिम्मे है। आप हमारे राईट्स के कस्टोडियन है इसलिए हमारे राईट्स का आपने ही ध्यान रखना है। यह आपकी और लीडर आफ दि हाउस की जिम्मेवारी है कि अगर विपक्ष के जिन भाईयो को हाउस से बाहर निकाला गया है उनको वापिस बुला लिया जाए। अगर आप उनको हाउस मे वापस नही बुलाएगे तो बिना डिवेट किए ही बजट पास हो जाएगा और यह एक इतिहास बन जाएगा कि बिना विपक्ष के बजट पास हो गया। मेरी आपसे प्रार्थना है कि आप उन सबको हाउस मे वापिस बुला ले और यह बजट है इस पर प्रोपर डिस्क ान हो। अध्यक्ष महोदय, सत्तापक्ष के सदस्य जो मंत्रियो को

सैक्रेटेरियट मे मिल लेते होगे लेकिन हमे तो अपनी बात यही पर कहनी है। अध्यक्ष महोदय, बजट पर जो नुक्ताचीनी है और विपक्ष ने अपनी जो बात कहनी है वे यही पर खुलेतौर पर कह सकते है। अध्यक्ष महोदय, मै यह कहना चाहता हू कि हमारी पार्टी का जो सबसे बडा रोश है वह यह है कि जब आपने रण्दीप सुरजेवाला को नेम कर दिया था तो वे सदन से बाहर जा रहे थे लेकिन उसके बाद उनके पीछे से पूरे सै ान से स्सपैड करने का मो ान आपने पढ दिया। इसी बात को लेकन लोकदल ने भी विरोध किया है। मेरा अपासे निवदेन है कि उन सब भाईयो को हाउस मे वापिस बुलाले ताकि वे भी बजट पर डिस्क ान मे हिस्सा ले सके।

श्रीमती करतार देवीः अध्यक्ष महोदय, वैसे तो हम उसी दिन से आपसे प्रार्थना कर रहे है कि विपक्ष के सभी भाईयो को हाउस मे वापिस बुला लिया जाए। बजट सै ान बहुत ही महत्वपूर्ण सै ान है इस सदन मे हर दल, हम मैम्बर अपने अपने हल्केकी बातो को प्रकट करना चाहता है और अगर वे अपने हल्के की बाते यहा पर नही कहेगा तो कहा पर कहेगा? मेरी आपसे रिक्वैस्ट है कि उनको वापिस हाउस मे बुला लिया जाए। अध्यक्ष महोदय, क्वै चन आवर तभी सजता है जब क्वै चन पूछने वाले यहां बैइे हो, सप्लीमैट्री करने वाले यहा बैठे हो इसलिए मै आपसे रिक्वैस्ट करूंगी कि उनको वापस हाउस मे बुला लिया जाए। कल भी हम आपसे इस बारे मे रिक्वैस्ट करते रहे लेकिन कल आपसे यह प्रैस्टीज बना रखी थी कि इससे क्वै चन आवर डिस्टर्ब होता है।

अध्यक्ष महोदय, लोकतंत्र मे ऐसी भााति के कोई मायने नही है क्योकि ऐसी भाांति तो बुरे दिनो मे ही होती है। जब कोई बोलता ही नही है या कोई सरकार की आलोचना ही नही करता है। तो फिर क्या फायदा? मै आपसे अनुरोध करूंगी कि लोकतान्त्रिक परम्पराओ को देखते हुए आप उनको वापस हाउस मे बुला ले क्योकि सदन पक्ष और विपक्ष दोनो से मिलकर बनता है उस दिन रण्दीप सुरजेवाला का कोई इतना बडा कसूर भी नही था कि उनको हाउस से बाहर चले जाने के लिए कहना पडा। उस दिन तो उसकी भाशा भी सब दिनो से नम्र ही थी लेकिन न जाने क्यो आपने फिर भी उसको नेम कर दिया। हमारा यह दायित्व है कि अगर हमारे एक साथी के साथ इस तरह की कोई बात हो तो हम उसके बारे मे आपसे कहे इसलिए हमने आपसे उनके बारे मे तो आग्राह करना ही था। यह हमारा अधिकार भी है। कि हम अपनी बात आपके सामने रखे। आप हमारी बात को माने या न माने यह आप का अधिकार है। यह कोई अच्छी बात नही है कि सरकार ही सवाल करे और सरकार ही उसका उतर दे। यह तो इन्होने कर लिया। लेकिन अब जो जीरो आवर है और कल यहां पर बजट पर चर्चा भी भुरू हो चुकी है आज इसका दूसरा दिन है। इस चर्चा मे हमारी सभी दूसरे साथी भी पार्टीसिपेट करना चाहते है इसलिए मेरा आपसे अनुरोध है कि इसको आप व्यक्तिगत प्रतिश्ठा का प्र ान न बनाए और लोकतंत्र की मर्यादाओ को ध्यान मे रखते हुए उन साथियो को सदन मे वापस बुला ले जिनाके आपने पूरे सै ान के लिए निलम्बित कर रखा है। यही मेरी अपसे प्रार्थना है।

श्री खु र्शीद अहमदः अध्यक्ष महोदय, मेरे साथ जो भी हो रहा है वह आपका पता ही है। हुजूर आपके बारे मे जो बात कहनी थी वह तो कह ली और अब तो केवल दिल की ही बात रह गयीं। सदन के हिसाब किताब को देखकर अगर आपने दिल मे कोई फेसला करना है तक तो कुछ होगा वरना तो अब आपको समझाने की तो कोई बात रह नही गयी है। या यंहा पर कहने की तो कोई बात नही गयी है। इस सिचुए ान को देखकर मुझे तो यही याद आता है कि गालिब का कोई बहुत ही अजीज था उसने उसको बहुत ही समझाया लेकिन वह नही माना उसके बाद गालिब बिल्कुल उलझ गया था और उसने फिर यही कहा ''न समझे है न समझेगे वो मेरे दिल की बात, या रब है उनके दिल को जुबा और,''

स्पीकर साहब, आप पहले दिल से फैसला कर दीजिए जो आपका दिल मानता हो। मै अब इस बारे मे कुछ नही कहता।

श्री दिलू रामः अध्यक्ष महोदय, मैने भी यही कहना है जो अभी खु र्शीद साहब ने कहा है। अध्यक्ष महोदय, मैने तो एक टांग पर खडे होकर आपके सामने अपने हाथ जोड लिए कि आप हमारे दूसरे साथियो को भी हाउस मे बुला ले।

श्री अध्यक्षः मैने भी कल आपके सामने हाथ जोडे थे और कहा था कि क्वै चन आवंर को चलने दे तथा जीरो आवर मे चाहे कितना ही बोल लेना लेकिन आपने मेरी बात नही मानी। यह

ठीक है कि आपका बोलने का राईट है। You are duly elected Hon'ble Member of this House. I am only to regulate it. मैने कल भी सिर्फ आपसे यही कहा था कि आप पहले प्र ान काल को चलने दे और अपनी बात जीरो तथा उसके बाद बजट पर कह लेना। उस समय आप चाहे कितना ही बोल लेना लेकिन आपने मेरी बात को नही माना।

श्री दिलू रामः अध्यक्ष महोदय, आप हमारे कस्टोडियन है, इसलिए आप हमारे बारे मे थोडी फ्राखदिली दिखाए। क्योकि वइप्पन उसी मे होता है जिसका दिल भी बडा होता है। और उसी व्यक्ति को बडा भी कहा जाता है। अगर इधर से कोई गलत बात भी हो गयी हो तो हम उसके लिये आपसे क्षमा मांगते है। हम चाहते है कि हाउस ठीक तरह से चले। हम भी बजट पर बोलना चाहते है और अपने हल्के की बात कहना चाहते है। इसलिए आप हमारे उन साथियो को भी यहां पर बुला ले। अगर आप हमारी प्रार्थना माल लेगे तो आपकी बडी मेहरबानी होगी। धन्यवाद।

श्री देवराज दीवानः अध्यक्ष महोदय, मै भी आपसे यही अपील करना चाहता हू कि आप एक ऐसा फेसला लीजिए जिससे हरियाणा की जनता मे एक अच्छा सदे ा जाए और जनता यह सोचे कि हरियाणा के स्पीकर ने उन सभी बातो को भूलाकर बहुत ही अच्छा फेसला किया है। आप सभी विपक्षी साथियो को यहा हाउस मे बुला ले यही अपील करने मे यहा पर आया हू।

श्री कुलदीप सिह बि नोई: अध्यक्ष महोदय, अन्य सदस्यो की तरह मै भी आपसे अनुरोध करने आया हू। इस महान सदन से मेरी यह पहली रिक्वैस्ट है और मुझे उम्मीद है कि आप मेरी पहली रिक्वैस्ट को नजरअदाज नही करेगे। यह जो अपोजी ान के बगैर सदन चल रहा है यह सदन की गरिमा और मर्यादा के खिलाफ है। मेरी आपसे हाथ जोडकर बिनती है कि आप मेरी पहली रिक्वैस्ट को नजरअदांज न करे।

श्री अध्यक्ष: चौधरी खु ीिद अहमद, बहर करतार देवी, गाबा साहब और कैप्टन अजय सिंह इन सबका मेरे से ज्यादा पार्लियामैन्ट्री अनुभव है। आप सब जानते है कि जो सदस्य हाउस से गए है उन्हे वापस बुलाना मेरे बस की बात नही है। It is only the sweet will of the House. यह तो आप लोगो का सदन का फेसला है। जहां तक मेरा सबंध है कल भी मैने आपसे निवेदन किया था कि आप जीरो आवर मे, बजट पर चाहे जितना मर्जी बोले और मेरी आज भी आपसे हस्तबद्ध प्रार्थना है कि जीरो आवर मे और बजट पर जितना मर्जी बोले।

लोक निर्माण मंत्री (भवन एवम सडके) श्री कर्ण सिंह दलाल: अध्यक्ष महोदय, अभी विपक्ष के माननीय सदस्यो ने जो सदन के सामने निश्कासित सदस्यो को वापस लाने की बात कही है। अध्यक्ष महोदय, यह फेसला बडे भारी मन से लिया गया था। हमारी यह मं ाा नही थी कि सम्मानित विपक्ष के सदस्य कार्यवाही मे हिस्सा न ले। अध्यक्ष महोदय, मै आपको जी मुबारिकवाद देता

हू कि आप विपक्ष के सभी सदस्यो को बोलने के लिए पूरा समय देते है। लेकिन जो ये सदन की कार्यवाही मे मिलीभग्त की कोि ा ा पिछले कई दिन से करते रहे है क्या वह ठीक थी? हमने, हमारे साथी मंत्रियो ने और सदन के नेता मुख्यमंत्री जी ने कई दफा इनसे अनुरोध यिका कि आप सकारात्मक रवैया यहा अपनांए। अगर चर्चा मे आपने हिस्सा लेना है आप ले, जो सुझाव देने है आप यहां पर दे। लेकिन अध्यक्ष महोदय, आप जानते है कि न इनके पास अच्छे सुझाव है न कोई ऐसा मुद्दा है जिसे ये सदन मे रख सके। इनकी एक बात समझ मे नही आती। (विघ्न)

श्रीमती करतार देवीः अध्यक्ष महोदय, अगर इनका यही रवैया रहा अगर यही तरीका रहा कि जो कर दिया, सो कर दिय तो फिर यह जो सै ान है ऐसा अनडैमोक्रेटिक सै ान संसार मे कही भी देखने को नही मिलेगा। हमने काफी नम्रता बरती है लेकिन हम स्वाभिमान भी रखते है। सदन की गरिमा को ध्यान मे रखते हुए हम यहां आए थे। (विघ्न)

श्री कर्ण सिंह दलालः अध्यक्ष महोदय, यही तो दिक्कत है कि ये जो कुछ सुनना नही चाहते। थे। (विघ्न)

श्री अध्यक्षः चौधरी खु ीिद अहमद जी, आप आए आपका बडप्पन। आप अपनी बात तो कह कर जाएं।

श्री कर्ण सिंह दलालः अध्यक्ष महोदय, बिहार मे इनका समझौता लालू यादव के साथ है और हरियाणा मे इनका समझौता

ओमप्रका ा चौटाला के साथ है इनकी रोज सयुक्त मीटिंग होती है।

Mr. Speaker: No vontrovesy please.

श्री कर्ण सिंह दलालः अध्यक्ष महोदय, हमने तो आज अखबारो मे पढा है कि इनकी सयुक्त मीटिंग होती है और उसके बाद ये यहां अपनी बात कहते है। अध्यक्ष महोदय, इनको आपने सत्ता पक्ष से तीन गुना ज्यादा समय बोलने के लिए दिया है।

वाक आउट

श्रीमती करतार देवीः अध्यक्ष महोदय, अगर आप हमारे निलंबित सदस्यो को वापस नही बुलाते है तो हम ऐज ए प्रोटैस्ट सदन से वाक आउट करते है वे रैस्ट आफ दि सिटिग के लिए कार्यवाही का बहिश्कार करते है।

श्री देवराज दीवानः अध्यक्ष महोदय, अगर आप निलम्बित सदस्यो को वापस सदन मे नही बुलाते है तो मै भी इसके विरोध मे वाक आउट करता हू।

(इस समय भारतीय राश्ट्रीय कांग्रेस के सदन मे उपस्थित सभी माननीय सदस्य (श्री धर्मबीर गाबा को छोडकर) तथा एक निर्दलीय सदस्य श्री देवराज दीवान, लोक निर्माण (भवन तथा सडके) मंत्री द्वारा उनके विरूद्ध की गई कतिपय टिप्पणियों

तथा सदस्यो की निलम्बित करने के सदन के निर्णय पर पुनर्विचार न करने के विरूद्ध के रूप मे वाक आउट कर गए।)

सदस्यो को निलम्बित करने के सदन के निर्णय पर पुनर्विचार सम्बन्धी मामले पर चर्चा (पुनरारम्भ)

श्री अध्यक्षः गाबा साहब, आप तो समझदार आदमी है आप अपनी बात कहिये।

श्री धर्मबीर गाबाः अध्यक्ष महोदय, मेरी आपसे सबमि ान यह है कि हम तो मामले को सुलझाने के लिए आये थे दलाल साहब से हम यह सुनने नही आये थे कि फंला सरकार ने यह सुझाव दिये या यह सरकार अच्छे सुझाव दे सकती है। About the use of this derogatory language, I am very sorry to say that. ऐसा दूसरो के बारे मे नही कहना चाहिये। यह नही होना चाहिए कि अगर आप ट्रेजरी बैचिज पर बैठे है तो आप ज्यादा भयाने है। दलाल साहब क्या इतने ज्यादा भयाने है कि बहन करताद देवी, चौधरी खु ीिद अहमद जी, धीरपाल सिंह जी ज्यादा अच्छे बोल सकते है ? हमारी कोि ा तो यह थी कि यह मामला सुलझ जाये। आप हमसे साफ कह देते कि आपको बोलने नही दिया जायेगा लेकिन ऐसी भाशा का इस्तेमाल नही करना चाहिये।

मुख्यमंत्री (श्री ओमप्रका ा चौटाला): अध्यक्ष महोदय, पिछली विधाान सभा मे हम और आप विपक्ष मे बैठते थे अगर दूसरे विपक्ष के साथी वाक आउट करते थे तो हम, आप और

रामबिलास भार्मा जी को कोि ा ा होती थी कि हम सरकार को सुझाव दे और सुझाव दिया भी करते थे। उसी सरकार मे गाबा साहब मंत्री थे। यह इसी सदन की बात है उस समय मुझे मेरे पर्सनल एक्सप्लेने ान पर भी उस तीन दिन तक समय नही दिया गया था और सदन को अनिि चतकाल के लिए स्थगित कर दिया गया था। उस समय की सरकार सदन मे जब हमारे अन्य साथियो को सस्पैड करती थी तो बाकी के सदस्य सदन मे बैठे रह कर सदन मे अपनी बात कहते थे। जो सदस्य सस्पैड हो चुके, उनको छोडकर विपक्ष के बाकी सदस्य तो अपने हल्के की बात कहे। ये साहेबान उन सदस्यो की बात कहने आये है या अपने हल्के की बात कहने आया है। ये माननीय सदस्य अपनी बात कहे इनको कौन रोकता है। इन विपक्ष के सदस्यो को पिछली बार सदन से सस्पैड किया गया था लेकिन उस बात से इन्होने कोई सबक नही सीखा। वे वही के वही खडे है। अगर ये ठीक ढंग से बिहेब करते तो हम भी सोचते But they have forfeited their right to reconsider this matter गवर्नर साहब के अभिभाशण पर बोलने के लिए आपने विपक्ष को नौ घण्टे आठ मिनट कासमय दिया सत्ता पक्ष के सदस्यो को तीन घण्टे का समय दिया फिर भी हम कुछ नही बोले हमने सोचा ठीक है बजट पर जब चर्चा होगी उस वक्त बोले लेगे। अध्यक्ष महोदय, आपने यह भी कह दिया था कि जो सदस्य बोलने के बगैर रह गये है उनको बजट पर चर्चा के सयम बोलने दिया जायेगा। उसके बाद भी इनका वही रवैया है। कहा तक इनका रवैया बर्दा त किया जायेगा। पिछली बार के सबक से

कुछ सीखकर अगर ये इस बार सुधार जाते या कुछ सोच लेते तक कोई बात बनती लेकिन ये नये सिरे से भी वही काम कर रहे है। आप अब बुला लो फिर वही काम भुरू कर देगे। इनको कोई फर्क नही पडता। चौधरी सम्पत सिंह जी को आपने 84 मिनट बोलने का समय दिया और कांग्रेस पार्टी के सदस्य चौधरी बीरेन्द्र सिंह को आपने 64 मिनट का बोलने का समय दिया। उस समय हमने तो कुछ नही कहा। अगर वे सदस्य बोलना चाहते थे तो और बोल लेते। अब बजट पर जो चर्चा हो रही है उस पर जिनता चाहे बोल लें।

श्री धर्मबीर गाबाः अध्यक्ष महोदय, हमे इस बात से इकांन नही है। कि हमे बोलने का समय दिया। मुख्यमंत्री महोदय का हम से ज्यादा पोलिटिकल तजुबी है हमारे बुजुर्ग है उम्र मे हमारे से बडे है। लेकिन मै एक बात बताना चाहता हू कि गन्दगी से नही धोया जाता गन्दगी को तो पानी से ही धोया जायेगा। मेरी तो आपसे रिक्वैस्ट है कि आप ऐसा काम कीजिए जिससे लोगो को यह महसूस हो कि ठीक हो रहा है। आप हर बार उसी बात को लेकर बैठ जाते है। मै कंट्रोबर्सी मे नही पडना चाहता इसलिए मेरी आपसे हाथ जोड कर प्रार्थना है कि आप जैसा उचित समझे वैसा ही करे।

श्री अध्यक्षः गाबा साहब, एक तो आपका इस बात के लिए मै धन्यवाद करता हू। कि आप अपने साथियो सहित सदन मे आए है। आपको सदन मे बोलने का पूरा अधिकार है। (विघ्न) जैसे

कि माननीय मुख्यमंत्री महोदय ने अभी कहा कि पिछले समय मे जब हमारा कोई सदस्य निलम्बित कर दिया जाता था तो भी हम बैठकर सदन की कार्यवाही सुनते थे। निलेबन के ऊपर रिक्वैस्ट करना ठीक बात नही है। मेरी आपसे तो यही प्रार्थना है तथा मै अपका बडप्पन भी समझूगा कि आप जितने लोग आए है, आप सभी बजट मे हिस्स ले। बजट पर बोलने के लिए आपको पूरो समय दिया जाएगा। माननीय मुख्यमंत्री जी ने आपको अप्रत्यक्ष रूप से आ वासन भी दिया है कि उससे अच्छा रैप्पर्ट स्थापित होगा, आगे क्या होगा और क्यो नही होगा, यह बात तो अलग है। लेकिन जंहा तक सदस्यो के निलंबन की बात है, उनको वापस बुलाने मेरे व ा की बात नही ह। It depends upon the House. यह मेरा निर्णय नही है। I cannot do anything in this. मै आपसे अनुरोध करता हू कि आप अपने साथियो को बुलाकर के बजट पर चर्चा मे हिस्सा ले, कही ऐसा न हो कि यह बजट विपक्षहीन न रहे जाए। (विघ्न)

श्री रामबिलास भार्मा ि ाक्षा मंत्रीः अध्यक्ष महोदय, प्रजातंत्र की जो प्रणाली है, वह बडी श्रेश्ठ प्रणाली है कि क्योकि उसमे डेलीब्रे ांज से सरकार चलती है तथा समस्याओ का समाधान विचारविर्म ा से होता है। उस मे विपक्ष की भूमिका बडी अहम होती है। किसी तरह से उसकी भूमिका कम महत्वपूर्ण नही होती है। अध्यक्ष महोदय, 11 मई, 1996 को यह सरकार चौधरी बंसी लाल जी के नेतृत्व मे बनी थी तब से लेकर आज तक जितने

भी विधान सभा के सत्र हुए है, उन का विवरण आपके पास है। चौथी योजना से हम इस महान् सदन के सदस्य है तथा जहां तक विपक्ष को बोलने के लिए समय देने की बात है, मेरे ख्याल से अढाई साल के इस पीरियड मे सबसे अधिक समय इन को बोलने के लिए मिला है। अध्यक्ष महोदय, गाबा साहब इस सदन के एक वरिश्ठ सदस्य है। ये बडी संजीदगी से निवेदन करते है और एक बडी पार्टी का ये प्रतिनिधित्व भी करते है। कांग्रेस के मित्रो के स्वास्थय के लिए ये ''नई दोस्ती, न्यौता खाके'' ठीक नही है। अध्यक्ष महोदय, दूसरी बात यह है कि जैसे कुछ बाते हम ने कांग्रेस से सीखी है, कुछ बाते इन को भी हम से सीखनी चाहिए। हम ने पचास साल तक इस दे ा मे विपक्ष की भूमिका निभाई है। आप जानते है किस तरह की कठिन परिस्थिति का विपक्ष को सामना करना पडता है। एक तलावार की पैनीधार पर चलने का यह काम होता है। (विघ्न) पहलवान और विधायक मे बडा फर्क होता है। (विघ्न)

श्री अध्यक्षः गाबा साहब, मै आपसे उम्मीद करूंगा कि आप इस बजट सै ान को सरल बनाने मे मेरी मदद करेगे तथा अपने साथियो को बुलाकर आज बजट की चर्चा मे हिस्सा लेगे।

श्री धर्मबीर गाबाः अध्यक्ष महोदय, मै इसके लिए पूरी कोि ा ा करूंगा। मै इसीलिए तो बाहर जाना चाह रहा था, कि कही वे बाहर निकल न जाए।

(इस समय श्री धर्मबीर गाबा अपने सदस्य साथियो को बुलाने हेतू सदन से चले गए।)

श्री रामबिलास भार्मा: अध्यक्ष महोदय, इनकी लाचारी देखिए। ये इस सदन के एक वरिश्ठ सदस्य है। इनकी इटै ांज कुछ और है, वजह कुछ और है और इनकी अदायगी कुछ और नही है। यह सब इस महान सदन के सामने है आप भी इनको आग्रह कर रहे है, सदन के माननीय नेता भी आग्रह कर रहे है और हम सभी सदस्य भी आग्रह कर रहे है परन्तु स्पीकर साहब, इन लोगो की लाचारी देखिए, एम भ्राति यात्रा हो रही है, वे लोग हाउस मे नही आ रहे। अध्यक्ष महोदय, मेरे विपक्ष के भाईयो को डर है कि अगर ये यहां आयेगे तो आप उनके खिलाफ डिसिप्लिनरी एक ान लेगे। अध्यक्ष महोदय, जो लोग इस महान सदन मे चुनकर आए है उनकी भी अपनी एक सवैधानिक जिम्मेवारी होती है, उसको इनको भी निभाना चाहिए। लेकिन मेरे विपक्ष के भाईयो को तो सत्ता के अलाव कुछ नजर नही आता, उन्हे तो सिर्फ सत्ता चाहिए। अध्यक्ष महोदय, मेरे विपक्ष के भाई हमे ाा नबंर बनाने मे लगे रहते है। एक बात हमने कही थी India is not going to accept second East India Company उस बात को उन्होने कोई जवाब नही दिया। अध्यक्ष महोदय, मेरे विपक्ष के भाई यहां हाउस की बैल मे आ जाते है और धरना देते है। ये यह सब इसलिए कर रहे है कि अखबार मे आये कि विपक्ष के सदस्यो ने हाउस मे धरना दिया और इनके नबंर जनता के सामने

बन जाये। अध्यक्ष महोदय, मेरी पार्टी के विधायको ने संसद सदस्यो ने वर्शो तक विपक्ष की भूमिका बडी अच्छी तरह निभाई है। ऐसा कभी नही हुआ है कि हमारे विधायक या संसद सदस्य कभी हाउस की बैल मे आ गये या माननीय अध्यक्ष महोदय, की अवमानना की हो लेकिन मेरे विपक्ष के भाई ऐसा करने मे बिल्कुल भी नही चुकते। अध्यक्ष महोदय, मेरे विपक्ष के भाई कभी भी माननीय अध्यक्ष महोदय, के खिलाफ भाब्दो मे बाण व्यंग करने से नही चूकते उन्हे सिर्फ कोई न कोई बहाना चाहिए। मेरे विपक्ष के भाई बात पर हिंसा पर उतारू हो जाते है, इनका यह व्यवहार यह द ार्ाता है कि ये भाई सिर्फ सत्ता के लिए ही राजनीति करते है।

ध्यानाकर्शण सूचना

सिरसा जिले मे पीलिया से हुई मौतो सबंधी

Mr. Speaker: Hon'ble Members, I have received an adjorunment motion given notice of by Shri Om Parkash Chautala 4 other M.L.As. regarding the death due to spead of Jaudice in the district of Sirsa in Haryana. Hon'ble Members, as I announced in the House on 2nd February, 1999 that I have converted this adjournment motion into the Calling Attention and have admitte if for today. Shri Om Parkash Chautala may read notice.

(Shri Om Parkash Chatuala was not present in the House, therefore the notice was not read out.

सदन की मेज पर रखे गए कागज पत्र

Mr. Speaker: Now a Minister will lay the papers on the Table of the House.

Minister of State for Public Rlations (Sh. Attar Singh Saini) Sir. I beg to lay on the Table-

The Mines and Geology Department Notification No. G.S.R 11/C.A 67/57/S. 15/98 dated the 9th January, 1998 regarding the Punjab Minor Mineral Concession (Haryana First Amendment) Rules, 1998 as required under section 28 (3) of the Mines and Minerals (Regulation and Development) Act, 1957.

The Mines and Geology Department Notification No. G.S.R 148/C.A 67/57/S. 15/98 dated the 29th December, 1998 regarding the Punjab Minor Mineral Concession (Haryana Second Amendment) Rules, 1998 as required under section 28 (3) of the Mines and Minerals (Regulation and Development) Act, 1957.

Tha Annual Statement of Accounts of Housing Board Haryana for the Year 1993-94 as required under sub-section (3) of Section 19-A of the Comptroller and Auditor General's (Duites, Power and Conditions of Service) Act, 1971.

The Audit Reports of the Haryana Labour Welfare Board for the years 1994-95 to 1996-97 as required under section 19-A (3) of the Comptroller and Auditor Generals's (Duites, Power and Conditions of Service) Act, 1971.

The 24th Annual Report of the Haryana Seeds Development Corporation Limited for the year, 1997-98 as required under section 619-A (3) of the Compnies Act, 1956.

Tha Annual Report of the Haryana Seeds Development Corporation Limited for the year, 1997-98 as required under section 619-A (3) of the Compnies Act, 1956.

The Report of the Comptroller and Auditor General of India for the year ended 31st March, 1998 No. 1 (Revenue Receipts) of the Government of Haryana in pursuance of the provisions of Clause (2) of Articel 151 of the Contitution of India.

वर्श 1999–2000 के बजट पर सामान्य चर्चा (पुनरारम्भ)

Mr. Speaker: Hon'ble Members, now General Discussion on Budjet for the year 1999-2000 will be resumed. Now, Sh. Jagdish Nayar may please speak.

कि उनकी सरकार ने एक बहुत ही अच्छा बजट हरियाणा की जनता के लिए प्रस्तुत किया है। अध्यक्ष महोदय, जो बजट वित्त मंत्री महोदय ने प्रस्तुत किया है इससे किसी भी वर्ग की जनता को तकलीफ नही होगी। इस बजट से किसान, व्यापारी और उधोग यानी हर क्षेत्र मे उन्नति होगी क्योकि जो बजट वित्त मंत्री महोदय ने प्रस्तुत किया है वह एक कर रहित बजट है। अध्यक्ष महोदय, इस साल के बजट मे माननीय मुख्यमंत्री महोदय ने बडा ही लचीलापन दिखाया है, अध्यक्ष महोदय, जैसा कि आप जानते है कि हरियाणा प्रदे ा एक कृशि प्रधान राज्य है। **(इस समय उपाध्यक्ष महोदय, पदासीन हुए)** इस बजट मे इस प्रदे ा के किसानो के हित का जो जिकर हुआ है उसके बारे मे, मै माननीय मुख्यमंत्री जी का दिल से स्वागत करता हू और उनका धन्यवाद

करता हू। हमारे विपक्ष के साथी तीन दिन पहले सदन मे हंगाामा कर रहे थे कि हम किसानो के भाुभ चिनतक है। लेकिन आज हरियाणा का किसान और हरियाणा की जनता इतनी जागरूक हो चुकी है कि वह इनको पहचान चुकी है। ये सफेद डाकू है इसलिए वह इन से दूर रहना चाहती है। उपाध्यक्ष महोदय, इन्होने हरियाणा की जो द ाा की है, वह आज देखी नही जाती। मेरा जिस समय जन्म भी नही हुआ था तक के सीनियर माननीय सदस्यगण यहा सदन मे बैठे हुए है। आपको याद होगा कि हरियाणा को एक भूड स्टेट कहा जाता था, यहां पर रेत उडा करती थी और यहां बिजली नाम की कोई चीज नही थी। आज मुझे उस दिनो का इतिहास याद आता है जब सर्वप्रथम चौधरी बंसी लाल जी ने हरियाणा प्रदे ा मे हुये, वे चौधरी बंसी लाल जी ने ही करवाये है और आज भी वे हमारे सरकार चला रहे है। उपाध्यक्ष महोदय, हरियाणा काग्रेंस का राज भी रहा और श्री चौटाला जी की भी सरकार रही लेकिन वे विकास के काम नही करवा पाए। आदरणीय चौटाला जी के पिता चौधरी देवी लाल जी जो सैन्टर की सरकार मे पहुचे गये थे ने भी कोई काम नही करवाया। जब वे दिल्ली की सरकार मे पहुचे गये थे तो टेलीविजनो पर उनका फोटो आया करता था उस समय किसान उनका फोटो देखकर खु ा होते थे कि अब हमारा नेता दिल्ली की सरकार मे पहुचे चुका है, इसलिए अब हमारे हित के काम होगे। उपाध्यक्ष महोदय, किसानो के साथ धोखा हुआ और किसानो की आत्माओ को मारा गया क्योकि किसी ने भी उस वक्त उनका ख्याल नही किया। उपाध्यक्ष महोदय,

चौधरी देवी लाल जी दिल्ली मे जाकर केवल कुर्सी के इधर उधर ही घूमते रहे। उन्होने कोई कानून या नीतिया नही बनाई और न ही हरियाणा प्रदे ा के हितो के प्रति उनको कोई चिन्ता हुई। उपाध्यक्ष महोदय, हमारे आदरणाीय श्री बंसी लाल जी ने बिजली के उत्पादन के लिये फरीदाबाद मे इतना बडा काम किया है लेकिन विपक्ष का अखबार मे एक बयान आया कि यह तो सैन्टर गवर्नमैंट का काम है। उपाध्यक्ष महोदय, आज हरियाणा प्रदे ा का बच्चा बच्चा जानता है कि केन्द्र सरकार मे पहुचकर भी चौधरी देवी लाल ने हरियाणा प्रान्त के लिये क्या किया ? उन्होने वहां जाकर केवल अपना तालमेल बढाया और अपनी जानकारी बढाई। उपाध्यक्ष महोदय, लोग कहते है कि वे तो भांग का न ाा करते है। आदरणीय चौधरी बसी लाल जी इस बीच मे अगर मुख्यमंत्री न बनते तो आज हरियाणा प्रदे ा के नौजवानो, वृद्धिजीवियो, समझदार लोगो और भोले भाले किसानो का इतना नुकसान हो जाता कि आज हरियाणा 20 साल नही बल्कि 40 साल पीछे चला गया होता। उपाध्यक्ष महोदय, यहां किलकारी मारने से, भाोर भाराब मचाने मे हरियाणा का विकास नही होता। विकास होता है नीतियो बनाने से, सुझाव लेने से और अच्छे कदम रखने से। अब हरियाणा के विकास के लिये ये नीतियो चौधरी बंसी लाल जी ने बनाई है। हम सोच भी नही सकते थे कि बिजली कैसे आ जायेगी और आज जो हम इस हाउस मे उजाले मे बैठे है, यह चौधरी बंसी लाल जी को ही देन है। पिछले साल हम सोचते थे कि पूरी बिजली कैसे आ जायेगी जबकि जनसंख्या इनती बढती जा रही है।

पूरी बिजली का इंतजाम बडा मु कल होगा। लेकिन मै आदरणीय बंसी लाल जी का आज धन्यवाद करता हू कि वे नीतिवान व्यक्ति है, गुणवान व्यक्ति है, विद्वान है और एक आद र्ा पुरूश है। इन्होने इतनी बढिया नीति बनाई इतना बढिया रास्ता निकाला कि विदे ाो से इंजीनियसर्म बुलाए और हरियाणा प्रदे ा के लोगो के लिए बिजली का पूरा इन्ताजाम कर दिया। उपाध्यक्ष महोदय, मै आपके माध्यम से हरियाणा प्रदे ा के लोगो से भी कहना चाहता हू और विपक्ष के साथियो से भी कहना चाहता हू कि जिस दिन हरियाणा प्रदे ा के अन्दर 24 घंटे बिजली मिलने लग जाएगी उस दिन ये लोग यह यहाद करने लग जाएगे कि किसी नेता ने इनको कोई देन दी है। उपाध्यक्ष महोदय, हरियाणा प्रदे ा के लोग याद किया करेगे कि हमारे आदरणीय मुख्यमंत्री चौधरी बंसी लाल जी ने अपने प्रदे ा के लोगो को 24 घंटे बिजली देने का वायदा पूरा किया है। मेरे विरोधी पक्ष के भाई तो केवल अपना नाम अखबारो मे छपवाने के लिए यहा पर भाोर मचाते है। उपाध्यक्ष महोदय, कोई भी आदमी हमे यह उदाहरण दे दे कि ओम प्रका ा चौटाला ने अपने समय मे इतनी नहरो की सफाई का काम किया था। क्या उन्होने कोई बिजली का थर्मल पावर प्लांट लगाया था? लेकिन हमारे आदरणीय मुख्यमंत्री चौधरी बसी लाल जी ने हरियाणा प्रदे ा के अन्दर टूरिज्म का, बिजली का, नहरो का जाल बिछाया था। क्या काग्रेंस पार्टी वालो ने ओर ओमप्रका ा चौटाला ने यह काम किए थे? कोई भी आदमी इसका उदाहरण हमे दे। उपाध्यक्ष महोदय, अगर भगवान की दुआंए रही तो फरीदाबाद के 432

मैगावाट के गैस बेस्ड थर्मल पावर प्लांट से हमे मार्च या जून तक 24 घंटे बिजली मिलनी भ्रारू हो जाएगी। उपाध्यक्ष महोदय, पिछले दिनो चौधरी भजन लाल जी हसनपुर मे गए थे। उपाध्यक्ष महोदय, बडे भार्म की बात है कि उनकी मीटिंग मे केवल 800 आदमी आए थे और वे 800 आदमी भी इसलिए आए क्योकि उनमे से काफी आदमी फरीदाबाद से किराए पर लाए गए थे। उपाध्यक्ष महोदय, आज कल कांग्रेस पार्टी के एक नये नेता हुडा साहब बने हुए हैं। वे पिछले दिनो होडल मे गए थे उनकी मीटिग मे भीड दिखाने के लिए यू0पी0 से झुग्गी झौपडियो मे रहने वाले हरिजन लोगो को लाया गया था क्यो यू0पी0 होडल के निकट है। वहां के गरीब हरिजनो को उस समय टैम्पो मे भर कर ले आए और भीड दिखा दी। उपाध्यक्ष महोदय, जो पब्लिक मीटिंग होता है वह वहा के लोकल आदमियों की होती है, लेकिन उस पब्लिक मीटिंग मे वहां का एक भी लोकल आदमी नही था। इसी तरह से उपाध्यक्ष महोदय, पिछली 21 तारीख को श्री ओमप्रका ा चौटाला हसनपुर से गए थे। अब तो उन्होने जलसे करने छोड दिए है। अब तो वे मीटिंग करते है और उस मीटिंग को वे कहते है कार्यकर्ता मीटिंग। वे कार्यकर्ता की मीटिंग करने के लिए हसनपुर गए थे। मै अपने हल्के मे दो चार उद्घाटन करके जब रैस्ट हाउस मे आया तो मुझे पता लगा कि श्री ओम प्रका ा चौटाला यहा पर आए हुए है। मैने अपने किसी आदमी से पता किया कि इनकी मीटिंग मे कितने आदमी आए थे तो उसने बताया कि आए होगो कोई 8 या 7 आदमी लेकिन मुझे वि वास नही हुआ और मैने उस आदमी से

कहा कि आप अच्छी तरह से पता करके मुझे बताए कि उनकी मीटिंग मे कितने आदमी आए थे तो उस आदमी ने मुझे वि वास दिलाया कि जब श्री ओमप्रका ा चौटाला आए तो उनके साथ 8 या 7 आदमी ही थे और उन्होने 8 या 7 आदमियों के साथ ही मीटिंग की थी। मेरे कहने का मतलब यह है कि आज कल इन लोगो का इतना स्तर गिर चुका है कि इनकी मीटिंग मे 8–10 लोगो की ही सख्या होती है। उपाध्यक्ष महोदय, हाउस के अन्दर इस बात की विधायको मे चिन्ता थी कि जब हरियाणा प्रदे ा के खजाने मे पैसा नही है तो फिर आदरणीय मुख्यमंत्री चौधरी बसी लाल जी विकास के काम कैसे करेगे और हरियाणा प्रदे ा कैसे तरक्की कर पाएगा। लेकिन मुख्यमंत्री जी की कार्य भौली को देख कर हमे वि वा ा हो चुका है कि हरियाणा प्रदे ा डे वार्ड डे तरक्की कर रहा है और विकास के कार्य व्रीव गति के साथ हो रहे है। उपाध्यक्ष महोदय, आज सब देख रहे है कि हथनी कुण्ड बैराज बनाया जा रहा है और इसको हरियाणा के लोग भी वहा जा कर देख रहे है। यमुना नदी के पानी को रोक कर वह हथनी कुण्ड वैराज बनाया जाएगा। एक दिन चौधरी सम्पत सिंह ने कहा था कि हथनी कुण्ड बैराज बनाने से हरियाणा को कोई लाभ नही होगा। उपाध्यक्ष महोदय, हम सभी जानते है और हरियाणा के किसान भी जानते है कि उनके कम्पलीट होने पर क्या लाभ होगा। गवर्नर साहब के अभिभाशण मे बताया गया है कि यमुना नदी के पानी को रोक कर हथनी कुण्ड बैराज मे डालेगे और उससे पूरे हरियाणा प्रदे ा को फायदा होगा। मेवात के लोग जिनका कांग्रेस

पार्टी वालो से खून तक चूस लिया, वे बहुत भोल भाले है, वे बहुत गरीब आदमी है उन्होने हमे ाा कांग्रेस पार्टी को साथ दिया है लेकिन मेवात का किसान आज तक नहरी पानी से वचिंत है। उपाध्यक्ष महोदय, आदरणीय चौधरी बंसी लाल जी ने हरियाणा को सिचाई की अनेक सुविधाए दी है। चौधरी बंसी लाल जी ने हथनीकुण्ड बैराज को पूरा करवाने का बीडा उठाया हुआ है और हम उम्मीद है कि यह जल्द ही पूरा हो जायेगा जिससे हरियाणा को और अधिक पानी मिलने लगेगा। इसके लिए हमारी सरकार ने 22 करोड रूपये का प्रावधान किया हुआ है। अब इस से बहुत सारे एरिया सिंचित होगे। मेरे हल्के मे मेवात कैनाल निकाली गई है। मै बताना चाहूगा कि मेरे हल्के मे आदरणीय मुख्यमंत्री जी के आदे ा पर हमारे एक मंत्री श्री राजकुमार जी ने बहुत सारे उद्घाटन किए है। वहां पर इतने उद्घाटन आज तक नही हुए थे।

चौधरी बसी लाल जी नई नई टैक्नालाजी हरियाणा प्रान्त के लिए लेकर आये है जिसके तहत हमे अधिक से अधिक पानी मिलेगा। मै अपने विपक्ष के साथियो से पूछना चाहूंगा कि इतना काम क्या कभी उनकी तरफ से किया गया था? अगर उन्होने कोई बिल्डिंग बनाई हो या और कुछ कार्य किया हो, वह हमे बताए तो सही। उनके राज मे तो लूटमार हुआ करती थी। वे लोग आज भी रात को सपने मे सोचते है कि हम दिन मे अपनी सरकार बना लेगे। इनका अखबारो मे रोज ब्यान आता है कि हम

सरकार तोड देगे। 7 दिन के अन्दर सरकार को तोड कर इनकी गद्दी ले लेगे। मै बताना चाहूगा कि हरियाणा के लोगो ने नए आदमियों को चुन कर भेजा है। विधायको ने बंसी लाल जी को सोच समझ कर मुख्यमंत्री चुना है मै यह चाहूंगा कि बंसी लाल जी को जो भी ि ाश्य है वह कोई मामूली आदमी नही है। हमारा कोई विधायक कही जाने वाला नही है। हमारी सरकार पूरे 5 साल चलेगी। भगवान ने चाहा तो अगले 5 साल बाद भी हमारी सरकार आयेगी क्योकि यह सरकार किसानो, गरीबो व हर तबके के लोगो के लिए काम कर रही है।

उपाध्यक्ष महोदय, अब मै कृशि के बारे मे कुछ कहना चाहूगा। हमारे प्रदे ा ने कृशि के क्षेत्र मे बहुत अधिक उन्नित की है। हमारे वैज्ञानिको ने अच्छे बीजो का सर्जन किया है और अनेक प्रकार की आधुनिकतम नई नई प्रयोग ाालाए स्थापित की है। बहुत सारे कृशि यंत्र बाहर से मंगवाये गए है ताकि किसानो को अधिक से अधिक कृशि से सबंधित जानकारी दी जा सके। हमारे विरोधी पक्ष के नेता किसानो को बहका रहे है और किसानो के हमदर्द बनने की कोि ा ा कर रहे है। कभी वे किसानो को उनके घरो पर जा कर बहकाते है तो कभी कभी जाकर बहकाते है कि यह सरकार किसान विरोध सरकार है उपाध्यक्ष महोदय, किसान लोग 20 साल पहले से यह बात अपने दिमाग से निकाल चुके थे कि उनके हित की कोई सरकार आयेगी जो उनका भला कर सकेगी। यह बात लोग अपने दिमाग से पूरी तरह से निकाल

चुके थे। लेकिन हमारी सरकार ने गन्ने का रेट 95 रूपंये प्रति क्विंटल किया है जो भाायद हिन्दुस्तान मे सबसे अधिक है। उपाध्यक्ष महोदय, वे अपोजी ान के भाई मेरे फरीदाबाद जिले मे चुनावो के समय जाया करते थे तो उस वक्त जलसो मे और रैलियों मे जाकर लोगो को बहकाया करते थे कि हम यह करेगे वह करेगे। इन्होने आज तक कभी कुछ नही किया। हमारी सरकार ने आगर कैनाल के 11 रजबाहो का नियंत्रण अपने हाथ मे लिया है। हमारे वहां पर पिछले 20 साल से किसान लोग भूल चुके थे कि हमारी जो रजबाहे है, उनमे कभी पानी भी आयेगा और क्या हम अपने खेतो की सिचाई भी कर पायेगे? फरीदाबाद, हसनगढ, पलवल, होडल और हथीन के लोग चौधरी बंसी लाल जी का इस आगरा कैनाल के पानी को लाने के लिए अहसान कभी नही भुला पायेगे। उपाध्यक्ष महोदय, जो पानी हमारे हल्के मे आगरा नहर से आया है उसका हमारे किसानो को बहुत फायदा हुआ है। हमारे उस जमीन की पहले कभी सिचाई नही हुआ करती थी लेकिन अब उसके साथ ही मेवात मे भी सिचाई होने लगी है। उपाध्यक्ष महोदय, एक बात हमने एक छोटा सा फक ांन तुगलाना मे किया था। वहां पर आदरणीय चौधरी कर्ण सिह दलाल तथा भाई हर्श कुमार जी आए थे। वहां पर एक जनसभा को हम सम्बोधित किया था तथा लोगो को कहा था कि हम आपको जल्दी ही पानी उपलब्ध करवा देगे लेकिन लोगो को वि वास नही था। उस समय वहां पर यह घोशणा की गई थी कि दोबारा हम तभी आएगे जब पानी उनको दे देगे। उपाध्यक्ष महोदय, भगवान की करनी हुई और

आदरणीय मुख्यमंत्री जी ने नहरो का काम जितने तूफान से उठाया है उससे आज मेवात के एरिया के लोगो को भी पानी मिलने लगा है। आज मै वहा पर जाता हू तो लोग कहते है कि आप बडे सच्चे है तथा आपने जो वायदा यिका था उसके अनुसार 2–3 महीने के अन्दर ही हमारे यहां के इलाके मे पानी आ गया है। उपाध्यक्ष महोदय, बेचारे मेवात के लोगो को तो कोई पूछता ही नही था। केवल उनसे वोट ले ली और उस समय तो उनको थोडा खु ा कर लिया लेकिन उसके बाद उनकी कोई परवाह नही किया करता था। लेकिन आज की सरकार से वहां के लोग बहुत खु ा है कि उनको पूरा पानी मिल रहा है। उपाध्यक्ष महोदय, इसके साथ ही मै यह भी कहना चाहूंगा कि हमारी सरकार के उधोगो के क्षेत्र मे जो उन्नित की है वह सराहनीय है। मै आदरणीय मुख्यमंत्री जी से एक प्रार्थना भी करना चाहूगा और अपनी तरफ से सरकार को एक सलाह भी देना चाहूंगा। फरीदाबाद मे जो उधोग लगे हुए है उनमे काम करने के लिए जो आदमी लगाए जाते है वह आमतौर पर हमारी स्टेट के नही लगाये जाते है। राजस्थान, यू0पी0 और बिहार के लोगो को ही इन उधोगो मे लगाया जाता है। अगर सरकार अपनी यह सोच बना ले कि जो भी व्यक्ति इन उधोगो मे लगाना है चाहे वह क्लास फोर का कर्मचारी हो या टैक्नीकल हो तो वह हरियाणा से ही लगाया जाएगा या जो भी उधोग यहा पर लगेगे उनके हरियाणा के आई0टी0आई0 किए हुए लडको को लगाया जाएगा तो ज्यादा ठीक होगा। अगर ऐसा कानून सरकार बना दे तो हमारी बेरोजगारी की समस्या हल हो

जाएगी और हमारे फरीदाबाद के लोगो के बच्चे ही अधिकतर इन उधोगो मे लग सकेगे। इससे वहां के लोग और अधिक खु ाहाल हो सकेगे। उपाध्यक्ष महोदय, हमारी सरकार ने स्वास्थय के लिए बहुत नये नये कदम उठाए है। इस बारे मे हमारी आदरणीय स्वास्थय मंत्री जी ने काफी कुछ बताया भी है। इस बजट मे स्वास्थय के लिए काफी पैसे का प्रावधान भी किया है लेकिन मै आपके माध्यम से सरकार के सामने यह बात लाना चाहूगा कि इन्सान की तीन मूलभूत आव यकताए है। मेरे दिमाग के अनुसार ऐजके ान, स्वास्थय और निवास आज के इन्सान के लिए एक सम्सया बनी हुई है। यह किसी का कोई राजनैतिक मोटिव नही है मै कहना चाहूगा कि स्वास्थय सबसे पहले मूलभूत आव यकता है जिस पर वि ोश ध्यान दिये जाने की आव यकता है सरकार को स्वास्थय के सम्बन्ध मे कोई नया तरीका निकालना चाहिए। हम लोग आज जब भी किसी को देखने के लिए किसी अस्पताल मे जाते है तो वहां पर होस्पीटल मे इतनी संडाध और गंध आती है कि वहा जा कर स्वस्थ आदमी भी बीमार हो जाता हैं। मै आपके माध्यम से सरकार से यह अनुरोध करना चाहूगा कि इन अस्पतालो का सुधार किया जाए क्योकि यह हमारी मूलभूत समस्या है। अगर हम इसमे सुधार करेगे तो लोगो को ज्यादा सुविधा मिलेगी और हरियाणा प्रान्त के लोगो का स्वास्थय अच्छा होगा तथा हमारे प्रदे ा की बहुत उन्नति और प्रगति भी होगी और हमारा प्रदे ा और भी ज्यादा खु ाहाल और प्रगति ील होगा। उपाध्यक्ष महोदय, अस्पतालो मे पानी की व्यवस्था नही है उसका भी प्रबन्ध

होना चाहिए। अस्पतालो की गन्दगी पर तो वि ोश ध्यान देना चाहिएं। इस बारे मे सरकार की कोई नई स्कीम बनानी चाहिए ताकी अस्पतालो मे सुधार हो सके। यह मेरी मुख्यमंत्री जी से प्रार्थना है। उपाध्यक्ष महोदय, विपक्ष के भाईयो ने एक मुद्दा उठाया था कि यह सरकार गरीब भाईयो, एस0सीज0 और बी0सीज0 के लिए कुछ नही कर रही है। आज ये उनकी बात किस मुंह से करते है। अपने समय से ये लोग गरीब भाईयो के नाम पर वोट मांगते थे और सरकार बनाते थे। उनसे चुनाव से पहले वायदे किया करते थे कि हम आपके लिए यह करेगे और वह करेगे। लेकिन जब जीत कर आते थे तो उनके लिए कुछ नही करते थे। आज अगर उन लोगो की किसी ने सुनी है तो वह चौधरी बंसी लाल जी ने सुनी है। उपाध्यक्ष महोदय, जब से सृश्टि बनी है तक से गरीबो का भाोशण होता रहा है अभी हरियाणा मे पुलिस की भर्ती हुई तो मुख्यमंत्री जी ने एस0सीज0 और बी0सीज0 के लोगो को उनका हक दिया लेकिन जब पिछली सरकारो के वक्त भर्ती होती थी तो उस वक्त उनका हम दूसरो को दे दिया जाता था। उपाध्यक्ष महोदय, आज अगर असल मे गरीबो का कोई हमदर्द है तो वे चौधरी बंसी लाल जी है। भजन लाल जी और चौटाला गरीबो की बात करते है लेकिन इनके वक्त मे जब किसी गरीब का पैसा जाता था तो वह उसके पास पूरा नही पहुचाता था। अगर एक रूपया उसके लिए जाता था तो उसके पास 25 पैसे ही पहुचते थे जबकि आज ये गरीबो की बात करते है। आज हमारी सरकार के वक्त मे उनका पूरा पैसा उनके पास पहुचता है।

अब मै समाज कल्याण विभाग के बारे मे कहना चाहूंगा। हमारे समाज मे कुछ ऐसे व्यक्ति होते है जिनका कोई सहारा नही होता है, उनको सहारा देने का काम हमारी सरकार ने बसी लाल जी के नेतृत्व मे किया है। विकलागों को सहायता देने और बुढापा पैं ान देने का काम भी चौधरी बंसी लाल जी की सरकार ने ही किया है। इसके अलावा और भी बडे कदम इस सरकार ने उठाए है। मै मुख्यमंत्री जी से यह कहना चाहता हू कि पिछडे वर्ग के लोगो को और आगे लाया जाए, उनको और सहायता दी जाए। यह मेरा सरकार से विनम्र निवदेन है। राज्यपाल महोदय के अभिभाशण और बजट मे खिलाउियो के लिए बहुत बडा प्रवाधान किया गया है। उपाध्यक्ष महोदय, पहले भी और आज भी हरियाणा की भूमि को वीरो की भूमि कहा जाता है। आज अगर किसी चीज की कमी है तो वह सोच की कमी है। आज हमे अपनी सोच के बारे मे और सस्कृति के बारे मे सोचना चाहिए। कर्ण सिंह दलाल जी ने कहा था। आज हमे अपनी सोच के बारे मे और सस्कृति के बारे मे सोचना चाहिए। कर्ण सिंह दलाल जी ने कहा था कि जब हम बोलते हो तो हमे अपनी सोच और संस्कृति के हिसाब से बोलना चाहिए। हम इस सदन मे मैम्बर बनकर आ गए इससे ही काम खत्म नही होता है। मेरी आपके द्वारा सरकार से और सभी मैम्बर्ज से प्रार्थना है कि हम यहां पर दिखावा करने नही आते है। हमे नीतियो पर ध्यान देना चाहिए और जिन भोले भाले लोगो ने चुनकर भेजा है उनका ध्याना रखना चाहिए। आज जो हमारे भोले भाले किसान है, वे पैदावार बढाकर हमारी

समस्याओ को सुलझाने है। आज उन लोगो की वजह से दे ा चल रहा है इसलिए हमे उनकी तरफ ध्यान देना चाहिए। उपाध्यक्ष महोदय, पहले हमारे दे ा से दुनिया की राजनीति चला करती थी और बडे बडे लोग बाहर से यंहा पर राजनीति के उदाहरण लेने के लिए आते थे। मेरा आपके माध्यम से अनुरोध है कि हमे आज अपनी संस्कृति को जीवित रखना चाहिए। मुख्यमंत्री चौधरी बंसी लाल जी ने भाहीदो के लिए एक छुट्टी रखी थी, उनको याद करने के लिए हरियाणा दिवस मनाया जाता है। उपाध्यक्ष महोदय, यह हमे सबको कर्तव्य है कि हम उन बुद्धिजीवी इसांनो की बातो को याद रखे जिन्होने इस दे ा के लिए अपनी कुर्बानियां दी है। मेरा सरकार से अनुरोध है कि हमारी संस्कृति को बचाए रखने के लिए इस पर गहर विचार विम र्ा होना चाहिए और सभी पार्टीज को यहां पर कोई एक ऐसा रैजोल्यू ान पास करके भारत सरकार को भेजना चाहिए कि आज जो हमारी संस्कृति मे दिन प्रतिदिन गिरावट आती जा रही है उनको रोका जाए। आज लोग विदे ाी संस्कृति के दिखावे मे फसते चले जा रहे है इस कारण उनका पहनावा बदलता जा रहा है, खान पान बदलता जा रहा है और उनके चलने फिरने करा ढंग बदलता जा रहा है इसलिए मै चाहता हू कि इन बातो को अव य कंट्रोल किया जाना चाहिए। आज हमारे लडके लडकियां कहा जा रहे है? अगर अपनी इस संस्कृति को नही बचाया गया तो फिर हमारा किसान कहां जाएगा, हमारी स्टेट कहां जाएगी और हमारा दे ा कहां जाएगा? आज जो भोला भाला किसान कमीज कुर्ता पहनकर अपना गुजारा करता है वह

कहां जाएगा? उपाध्यक्ष महोदय, समाज मे कुछ तत्व ऐसे होते है जो ठीक नही होते है बल्कि यह मेरे दिमाग की सोच है इसलिए अगर इन बातो पर कंट्रोल नही किया गया तो हमारे दे ा की मान मर्यादा इस दुनिया से चली जाएगी। उपाध्यक्ष महोदय, मै खेल विभाग के बारे मे बात कर रहा था। खेल एक कला है। पिछली सरकारो ने खेलो को बढाव देने के लिए कुछ नही किया। मेरा इस बारे मे मुख्यमंत्री जी को एक सुझाव है। मुझे उम्मीद है कि वे इसको मानेगे क्योकि वे बहुत ही अच्छे आदमी है और अच्छी बातो को हमे ाा मानते है। मेरा कहना है कि खिलाडियो को पूरा मान सम्मान दिया जाना चाहिए क्योकि वे हमारी स्टेट का नाम विदे ाो मे ऊंचा करके आते है इसलिए उनको नौकरियो मे रिजर्वे ान दी जानी चाहिए। खिलाडी अपने खेल के माध्यम से अपनी सारी जिदगी ऐसे ही तालियो के बीच गुजार देता है लेकिन जब उसकी अवस्था आधी हो जाती है तो वह सोचता है कि अब वह अपने बच्चो का जीवन यापन कैसे करेगा। इसलिए सरकार से मेरा अनुरोध है कि खिलाडियो को नौकरियों मे रिजर्वे ान देकर प्रोत्साहित किया जाना चाहिए। वैसे तो सरकार इस दि ाा मे पहले से ही काफी अच्छे कदम उठा रही है लेकिन अभी भी इस बारे मे काफी ध्यान देने की जरूरत है। उपाध्यक्ष महोदय, इसके अलावा मै प ाुपालन के बारे मे भी कहना चाहूंगा। सरकार ने हांलाकि इस क्षेत्र मे काफी कदम उठाए है। उपाध्यक्ष महोदय, हमारा प्रदे ा एक कृशि प्रधान प्रदे ा है। यहा पर अधिकतर किसान रहते है। उनका मुख्य धंधा कृशि के साथ साथ

प ाुपालन भी है। आज जब हम अपने गावों मे या अपने हल्के मे जाते है तो देखते है कि वहा एक भैंस की कीमत दस या पन्द्रह हजार रूपये तक है लेकिन हमारा किसान दिन रात मेहनत करके भी इतना पैसा भैसं खरीदने के लिए जुटा नही पाता है वह जैसे तैसे करके अपनी फसल को बेचकर भैंस खरीद भी ले और वह बिमार हो कर मर न जाए, प ाुओ की देखभाल के लिए गावो मे कोई भी वैटरनी होस्पीटल नही होता है। मेरा मुख्यमंत्री जी से प्रार्थना है कि सरकार पु ापालना के लिए वि ोश कदम उठाए और गावों मे वैटरनरी होस्पटील्ज खोले जाए। मेरे हल्के मे एक बडोली गांव है। जिसमे लगभग सात हजार वोट है यह एक गुज्जरो का गांव है वहा के लोगो का केवल प ाु पालना का ही काम है, क्योकि वे कृशि के साथ ही पु ा पालन का भी काम करते है। लेकिन इतने बडे गांव मे कोई वैटरनरी होस्पीटल नही है इसलिए सरकार को इतने बडे गावों मे तो इस तरह के होस्पीटल खोलने ही चाहिए ताकि वहां के गरीब किसानो के प ाुओ की रक्षा की जा सके।

अब मै कानून व्यस्था की बात करूंगा। 28 तारीख से कानून व्यवस्था की बात चल रही है। सम्पत सिंह जी जो पहले होम मिनिस्टर भी रह चुके है उन्होने भी इसका जिकर किया। उपाध्यक्ष महोदय, वे केवल भाोर भाराबा ही मचाते रहे है जबकि उनकी कोई नीति नही है।, कोई तरीका नही है। उनके समय मे

मेहम कांड हुआ था। क्या इस कांड को किसान लोग एवम हरियाणा की जनता की भूल जाएगी?

12.00 बजे

इसी तरह से रेणुका कांड को क्या लोग भूल जाएगे? उपाध्यक्ष महोदय, इन बातो को सब लोग याद रखेगे और वे सारी बाते समय आने पर पब्लिक बता देगी। मेरे विपक्ष के साथी कह गए कि इस सरकार के भाासन काल मे मे कोई ला एण्ड आर्डर नाम की चीज नही है। उपाध्यक्ष महोदय, मै उनको बताना चाहता हू कि एक तो जनसख्ंया बहुत बढती जा रही हैं इसके अलावा ये बाते भगवान राम के समय मे भी थी। भगवान राम के समय मे भी कानून व्यवस्था इसी तरह की थी। किसी भी राजा महाराजा के भाासन काल की बात आप उठा लीजिए, हिस्ट्री उठा लीजिए ये बाते उस समय भी थी। उपाध्यक्ष महोदय, क्राइम पहले भी होता रहा है, क्राइम आगे भी होता रहेगा चाहे कितनी सरकारे बदल जांए। हां इतना अव य हो सकता है कि क्राइम पर कंट्रोल थोडा बहुत ज्यादा कम हो सकता है लेकिन क्राइम खत्म नही हो सकता। भगवान राम के समय मे भी रावण व खरदूशण जैसे लोग हुआ करते थे वे क्राइम करते थे आज उनकी भाक्ल गुडे व बदमा ाो ने ले ली है। लेकिन फिर भी हमारी सरकार ने क्राइम रोकने के बहुत सारे इंतजाम किए हुए है। गुण्डे बदमा ाो के लिए हमारी सरकार ने, हमारी पुलिस ने ऐसे इंतजाम किए हुए है कि कोई भी भारीफ आदमी अमन चैन से अपनी यात्रा कर सकता है कही भी जा

सकता है, खुला धूम सकता है। उपाध्यक्ष महोदय, मेहम कांड के बारे मे जैसे कल लाठर साहब ने विस्तार से जिकर किया, मै भी हरियाणा के लोगो से कहना चाहूंगा कि संभल जाओ। मेरी आप लोगो से अर्ज है कि आप ऐसे लोगो के हाथ मे सत्ता मत दे जो आपके ऊपर अत्याचार के समय सरी बाते भूल जाते है, वे आपका दिया हुआ वोट भूल जाते है। अगर कोई याद रखता है तो वह केवल चौधरी बसी लाल जी ही याद रखते है। उपाध्यक्ष महोदय, हरियाणा की यह सरकार बनने के बाद बाद उप चुनाव हो लिए। उन चुनावो के समय हम लोग इकट्ठे होकर सोचा करते थे कि हम अपने विधायक साथी को जिता सकते है लेकिन मुख्यमंत्री जी ने आदे ा दिया कि जो ज्यादा वोट लेगा वही जीतेगा। अगर मुख्यमंत्री जी हमे थोडी सी ढील दे देते तो हम अपने साथी को जिता सकते थे लेकिन जो कानून को चलाने वाले है, जो कानून की रक्षा करने वाले है वह चौधरी बसी लाल जी ही है। आदमपुर मे जो उप चुनाव हुआ था उसने हम पूरे दल बल के साथ गए थे और हमने कसम खायी थी कि देखे कैसे हमसे वह चुनाव जीतकर ले जाते है, लेकिन हमे हमारो नेता का जवाब मिला कि अपनी मर्यादा मे रहना और पब्लिक को वोट ढंग से डालने देना तथा किसी प्रकार का आंतक न मचाना। उन्होने कहा कि जिसके ज्यादा वोट होगे वह जीत जाएगा। जबकि आज कुलदीप बि नोई कहते है कि मै सब की छाती पर पैर धरकर जीत कर आया हू। उपाध्यक्ष महोदय, ये लोग हरियाणा का सारा पैसा, हरियाणा की सारी नौकरिया हिसार के अंदर ले गए। उपाध्यक्ष महोदय, हिसार के

अंदर क्या है, हिसार मे रेत के टीले है, रेत उडा करता है और आप हमारे फरीदाबाद मे चलकर देखिये कि वह कितना खु ाहाल है कितनी हरियाली है। उपाध्यक्ष महोदय, मै चैलेज के साथ कहता हू कि आज मुझे 100 नौकरियां दे दीजिए फिर मै देखता हू कि कैसे मेरे मुकाबले हसनपुर हल्के मे कुलदीप बि नोई जीतकर आते है। मै देख लूंगा कि वह कैसे जीतेगे? हमारे हल्के के हिस्से की नौकरिया, हमारे हल्के के हिस्से की ग्रांट ये लोग आदमपुर ले जाते थे तो फिर वोट तो लोग इन्हे ही देगे, हमे नही देगे। इसलिए मै आप लोगो को समझाता हू कि कैसे हमारे हल्के के नौकरियो के कोटे को इन्होने खाया है। इन्होने 27 हजार कर्मचारी लगाए। इसलिए हरियाणा के लोगो के मै कहता हू कि अपनी सोच बदल दो। अगर इन्हे मौका दोगे तो ये करोडपति लखपति बनते जाएगे। इन्होने हरियाणा की जनता का हमे ाा भाोशण किया, हरियाणा की जनता को हमे ाा चूसा।

उपाध्यक्ष महोदय, पुलिस की भर्ती को ले लीजिए। हमारे हल्के हसनपुर, पलवल और फरीदाबाद मे भी हिसार के मुकाबले मे अच्छे खूबसूरत जवान है परन्तु चौधरी भजन लाल जी ने पुलिस मे ऐसे ऐसे लडके भर्ती कर रखे है जो कही किसी भी तरह से ठीक नही है। आज जब हम आदमपुर हलके के 27000 कर्मचारी वर्ग को देखते है तो हम मे रोश पैदा होता है। चौधरी भजन लाल जी ने सारे हरियाणा की नौकरियों को काटकर सिर्फ अपने हल्के मे ही दे दी। अगर इस बात का चिन्तन हरियाणा की

जनता करे तो वह चौधरी भजन लाल जी को जिन्दगी मे भी राजनीति मे नही आने दे। वे सारे हरियाणा का पैसा काटकर अपने जिले मे ले गये। मै उनको बताना चाहता हू कि मेरे हल्के के 100 लडको को भी नौकरी दे दो फिर वे अपने लडके को मेरे मुकाबले मे चुनाव लडने के लिए भेज दे। हम इसांन का दिल जीतते है। जो हरियाणा की बर्बादी उनके समय मे हुई है उसका नतीजा तो उनको भुगतान पडेगा उसमे चाहे कोई भी पार्टी हो। मै चौधरी बंसी लाल जी का धन्यवाद करता हू कि उन्होने नौकरियो मे ऐसी लूटमार नही मचाई। नौकरी तो दी लेकिन जिनके हिस्से की थी उनको दी। आज जनसंख्या बढती जा रही है और जिस तरीके से जनंसख्या बढती जा रही है उसी तरीके से भ्रश्टाचार भी बढता जा रहा है। मै जब बी0ए0 पार्ट टू मे पढता था तब हमारी कक्षा मे इंग्लि ा मे एक पाठ होता था करप् ान उसमे हमारे प्रोफैसर साहब पढाया करते थे कि क्रप् ान क्या है। आज हरियाणा मे भ्रश्टाचार इतना बढ गया है कि वह नस नस मे बस चुका है और उसको रोकने का कोई इंतजाम नही हुआ है। खून मे भ्रश्टाचार रम चुका है। जिसको बाहर निकाल फेंका नही जा सकता। लेकिन चौधरी बंसीलाल जी का मै भाुक्रगुजार हू और उनका धन्यवाद करता हू कि उन्होने भ्रश्टाचार को खत्म करने के लिए कोई नया तरीका अपनाया और लोकपाल बिल इस सदन मे पास करवाया तथा लोकपाल की नियुक्ति की। लोकपाल के तहत अपनाया और लोकपाल बिल इस सदन मे पास करवाया तथा लोकपाल की नियुक्ति की। लोकपाल के तहत चाहे प्रदे ा का

मुख्यमंत्री हो, चाहे मंत्री हो, चाहे विधायक हो, चाहे आई0ए0एस0 अधिकारी हो, और चाहे फोर्थ क्लास कर्मचारी हो, अगर कोई भ्रश्टाचार करेगा तो उसके खिलाफ इंक्वायरी की जायेगी और जमीन जायदाद के बारे मे छानबीन की जायेगी। अगर दोशी पाया जाता है तो उसके खिलाफ केस दर्ज किया जायेगा। उपाध्यक्ष महोदय, यह काम पिछली सरकारे भी कर सकती थी लेकिन उनकी आदत खराब थी वे लोग भ्रश्टाचार को बढावा दे सकते थे उसको कम नही कर सकते थे। उपाध्यक्ष महोदय, अब मै अपने हल्के की कुछ मांगो के बारे मे कहना चाहूंगा । मेरा हल्का हसनपुर हमे ाा उपेक्षित रहा है। जिन विधायको ने इस हल्के मे काम नही किया वे दोबारा अपना खता नही खोल सके। मै पढने के बाद गांव का सरपंच बन गया। मैने और काम नही सीखा, कुछ काम धाम नही किया, बस सीधा राजनीति मे ही आ गया। मै जब लोगो मे जाता हू तो उनके लिए तो मै नया आदमी हू। लोगो के बीच मे जाने से मुझे उनकी समस्याओ के बारे पता चलता है और बडा चिन्तन होता है। यह देख कर मुझे बडा रोश होता है कि मेरे हल्के की तरफ किसी भी सरकार ने आज तक कोई ध्यान नही दिया चाहे वह किसी भी पार्टी की सरकार रही हो। होडल एक बहुत बडा भाहर है। उसमे पीने के पानी की बहुत कमी है। जब हम चुनाव के दौरान उस भाहर मे जाते थे तो उस समय पीने के पानी की बडी दिक्कत महसूस होती थी। उपाध्यक्ष महोदय, बीस साल से वह भाहर खारा पानी पी रहा था। 20 हजार की आबादी वाला भाहर खारा पानी पीकर अपना गुजारा कर रहा थां। लेकिन जब हमारी

सरकार आई तो मैने चौधरी बंसी लाल जी से इस बारे मे प्रार्थना की जिस पर उन्होने गौर फरमाया। मै उनका धन्यवाद करता हू तथा जिंदगी भर के लिए उनका अहसानमंद हू कि मेरी एक छोटी सी प्रार्थना पर उन्हौने 5 करोड रूपए की रा ि ा देकर होडल को मीठा पानी देने की एक स्कीम बनाई तथा यह काम चालू किया। उपाध्यक्ष महोदय, मेरे हल्के मे बडे बडे गांव है जैसे खाम्बी, भिडकी, बठौली, गढीपटी, होडल, चांदहड, छोडी, पेगलव, गौजेता, लिखी, भैडोली। मुख्यमंत्री जी ने सारे हरियाणा के अंदर घर घर पानी के कनैक ान देने की स्कीम चलाई हुई है। इसलिए मेरी उनसे करबद्ध प्रार्थना है कि इन बडे बडे गावो मे भी घर घर पानी के कनैक ान मुहैया करवाए जाए। भाई दलाल जी सदन मे बैठे है, इनको भी पता है कि हमारे जिले के ये बडे बडे गांव है। खाम्बी गांव तो हिन्दुस्तान मे सबसे बडा गांव है। यह ब्राहमणो का गांव है। इसके बारे हमारे बुजुर्ग भी कहा करते था कि हिन्दुस्तान का सबसे बडा गांव है। उपाध्यक्ष महोदय, बिजली की स्लैब प्रणाली की बात भी यहां पर चली। मेरी मुख्यमंत्री व बिजली मंत्री महोदय से भी प्रार्थना है कि चांदहट, छोडी, सिहांल, पेलक, राजपुर खादर एवम दोस्तपुर गावो मे स्लैब प्रणाली का प्रबन्ध किया जाए क्योकि इस क्षेत्र का जल स्तर सौ फुट नीचे चला गया है। उपाध्यक्ष महोदय, अब मै सडको के निर्माण की बात रखूगा। अब तो यह महकमा हमारे अपने जिले के ही विधायको भाई कर्ण दलाल के पास ही है। मै उनको बताना चाहता हू कि पूरे हरियाणा मे अगर कही सडको का ज्यादा बुरा हाल है तो वह मेरे अपने हल्के

हसनपुर मे ही है। इसलिए मेरी मुख्यमंत्री महोदय एवम मंत्री जी से प्रार्थनास है कि मेरे हल्के मे सडको को ठीक करवाए। वैसे चौधरी बंसी लाल जी ने सडको के गड्डे तो खूब भरवाए है व रास्ता को चलने के काबिल तो किया है लेकिन यदि सडको के सुधार का कार्य और अच्छी एवम तेज गति से किया जाएगा तो अच्छा होगा। उपाध्यक्ष महोदय, मै कहना चाहता हू कि यमुना नदी मे गंदा पानी डाल दिया जाता है, जो कि आगे फिर आगरा नहर मे डाला जाता है। इस पानी को कही कही पीने के इस्तेमाल मे भी लिया जाता है तथा सिचाई के लिए भी काम मे लाया जाता है। जिससे भयानक बीमारियों फेलने जा रही है जिनको रोका जाना चाहिए व साथी ही साथ ही इस पवित्र नदियो को दूशित होने से बचाया जाए।

उपाध्यक्ष महोदय, मेरी एक और खांस मांग है। मेरे हल्के हसनपुर से इतने लबें समय से बनते आ रहे विधायको ने कभी वहा पर कालेज खोलने की मांग नही की। मेरी प्रार्थना है कि हसनपुर मे एक लडके व लडकियो का कालेज, होडल मे एक इंजीनियरिंग कालेज तथा हसनपुर मे एक बस स्टैड भी बनवाया जाए। इसके साथ साथ आजकल भाहरो मे आबादी बढती जा रही है एवम साथ साथ उन लोगो का स्तर भी बढ रहा है, इसलिए इन स्थानो पर यदि सार्वनजिक पार्को का निर्माण कर दिया जाएगा तो बहुत ही अच्छा रहेगा। (विघ्न)

उपाध्यक्ष महोदय, एक बात और मुझे मंत्री जी ने याद दिलाई है जिसको मै बडे जोरदार भाब्दो मे कहता हू कि आदरणीय चौधरी कंवल सिंह जी के विभाग का कार्य मेरे हल्के के अंदर टांप मे है। मै इनका हदय से धन्यवाद करता हू कि इन्होने हसनपुर हल्के के हर गांव मे अपने विभाग का कार्य फैलाया हुआ है। मै इनके कार्य से सतुश्ट हू। मै इनका वि ोश रूप से धन्यवाद करता हू। उपाध्यक्ष महोदय, मै एक और अर्ज करना चाहता हू कि हमारे वहा पलवल मे अलीगढ रोड पर एक ओवर ब्रिज बनवाने की बहुत जरूरत है। मै मुख्यमंत्री महोदय का बहुत आभारी दूंगा यदि वे इस को बनवाने की इजाजत दे दे वह एरिया 20000 की आबादी वाला है। अगर वहा पर एक ओवर ब्रिज बन जायेगा तो लोग और किसानो को आने जाने मे दिक्कत नही होगी।

उपाध्यक्ष महोदय, मै इन भाब्दो के साथ अपना स्थान ग्रहण करता हूं और एक बार फिर से इस हाउस मे सभी सदस्यो और वित्त मंत्री चौधरी चरण दास जी का धन्यवाद करता हू जिन्होने चौधरी बंसी लाल जी के नेतृत्व मे एक बहुत ही अच्छा और कर रहित बजट पे ा किया है। उपाध्यक्ष महोदय, मै आपका भी धन्यवाद करता हू क्योकि आपने मुझे बोलने के लिए पूरा टाईम दिया।

आयुर्वेद राज्य मंत्री (श्रीमती कांता): उपाध्यक्ष महोदय, आपने मुझे बोलने के लिए जो सयम दिया उसके लिए मै आपका

धन्यवाद करती हू और साथ ही वित्त मंत्री महोदय और मुख्यमंत्री महोदय को भी धन्यवाद देती हू कि वित्त मंत्री महोदय ने जो बजट पे ा किया है वह बिल्कुल कर रहित बजट है तथा हर वर्ग के लोगो को उससे फायदा होगा। उपाध्यक्ष महोदय, हमारी सरकार ने अपने इस साल के बजट से गरीब किसानो, हरिजनो भाईयो और पिछडी जाति के लोगो का वि ोश ध्यान रखा है। 1 नंवबर, 1966 को जब हरियाणा प्रदे ा बना था उस समय इस प्रदे ा के लोगो को यही चिंता थी कि इस प्रदे ा का विकास कैसे होगा और यहां के कर्मचारियो को तनख्वाह मिलेगी या नहीं। लेकिन उपाध्यक्ष महोदय, जब 1968 मे हरियाणा प्रदे ा की बागडोर चौधरी बंसीलाल जी ने सभांली तक उन्होनने यहा के हर क्षेत्र का विकास किया। उपाध्यक्ष महोदय, चौधरी बसी लाल जी ने उस समय इस प्रदे ा के हर गांव मे बिजली पहुचाई, हर गांव मे सडक का निर्माण करवाया और हर गांव मे नहरो का जाल बिछवाया, किसानो को सिंचाई के लिए पानी मुहैया कराया। उपाध्यक्ष महोदय, चौधरी बसी लाल जी के इन कामो के कारण ही उस समय जनता ने इन्हे हरियाणा का निर्माता और विकास पुरूश का नाम दिया। इस नाम से चौधरी बसी लाल जी आज भी जाने जाते है। आज भी चौधरी बंसी लाल जी अपने उसी नाम को आगे बढाते हुए हरियाणा के हर क्षेत्र का विकास कर रहे है। उपाध्यक्ष महोदय, हरिजन भाईयो और पिछडी जाति के लोगो की तरफ जितना ध्यान चौधरी बंसी लाल जी ने दिया उतना ध्यान किसी दूसरे मुख्यमंत्री ने नही दिया। चौधरी ओमप्रका ा चौटाला और

उनके दल के सदस्य कह रहे है कि हमने हरिजनों और पिछडी जाति के लोगो की तरफ बहुत ध्यान दिया है यह बात मेरी समझ मे नही आती कि वे यह कैसे कह रहे है।

उपाध्यक्ष महोदय, आपको और हरियाणा की जनता को याद होगा कि इन्होने किस तरह से हरियाणा प्रदे ा के पूर्व मंत्री कृपा राम पुनिया का मुंह काला किया था और एक भूतपूर्व गवर्नर तपासे की गर्दन पकडी थी। उपाध्यक्ष महोदय, इतना ही नही इन लोगो ने तो हरिजन लोगो के प्लाट ही छीन लिये थे और ये लोग आज कहते है कि ये हरिजनो के हितैशी है। उपाध्यक्ष महोदय, हरिजनो और पिछडी जाति के लोगो का जो कोटा नौकरी मे था यहा कही दूसरी जगह था, वह भी उनको इन लोगो ने नही दिया, उनकी जगह दूसरे लोग भर्ती कर लिये। लेकिन हमारी सरकार ने सभी हरिजनो और पिछडी जाति के लोगो को उनका पूरा हक दिया है। उपाध्यक्ष महोदय, अभ पीछे जो हरियाणा पुलिस मे भर्ती हुई थी उसमे मेरे हल्के के कुछ बच्चे भर्ती हुए है वे कभी सपने मे भी नही सोचा करते थे कि ऐसा होगा लेकिन हमारी सरकार ने ऐसा कर दिखाया है। उपाध्यक्ष महोदय, चौधरी ओमप्रका ा चौटाला जी ने हरिजनो के साथ बहुत बडा वि वासघात किया है। उन्होने लोकसभा चुनावो मे बहुजन समाज पार्टी के साथ समझौता किया था कि हम कां ीराम को प्रधान मंत्री बनायेगे। उपाध्यक्ष महोदय, हमारे कुछ हरिजन भाई उनके बहकावे मे आ गये और उनकी पार्टी के नेता को वोट दे दिया लेकिन चुनाव के बाद

चौधरी ओमप्रका ा चौटाला जी कहने लगे कि कौन का ाीराम? चौधरी ओमप्रका ा चौटाला जी कहने लगे कि हम किसी कां ाीराम को नही जानते। इस पर हमारे जिन हरिजन भाईयो ने उनको वोट दिये थे, वे दंग रह गये। वे यह जाने गये कि ये किस प्रकार के लोग है। उपाध्यक्ष महोदय, बाद मे मेरे हरिजन भाईयो ने चौटाला और उनकी पार्टी को बहुत गालिया दी। उपाध्यक्ष महोदय, जितना काम हरिजनो के लिए हमारे मुख्यमंत्री महोदय ने किया है उतना कोई दूसरा व्यक्ति नही कर सकता और न किया है। उपाध्यक्ष महोदय, मेरे आयुर्वेद विभाग ने इस समय चार नई डिसपैसरियां खोली है और जगह जगह कैम्प लगाकर आयुर्वेदिक चिकित्सा उपलब्ध करवाई है। इसके अलावा आने वाले समय मे दस नई और डिस्पैसरिया खोले जाने का बजट मे प्रावधान है। उपाध्यक्ष महोदय, अब मै कुछ बाते अपने हल्के के बारे मे सदन मे बताना चाहती हू। उपाध्यक्ष महोदय, जब झज्जजर हल्के के उप चुनाव हुये थे तो विपक्ष के हमारे भाई भी वहां गये थे और झज्जर को देखा था। वह झज्जर नही बल्कि जर्जर था। वहा न तो कोई सडके थी और न ही पीने का पानी अच्छा था। वहा के लोग खारा पानी पीते थे। किसी तरह की कोई सुविधा वहां पर नही थी।

माननीय मुख्यमंत्री चौधरी बसी लाल जी ने पिछले ढाई साल के दौरान वहा पर इतने काम करा दिये है कि अब जो जर्जर से वाकई झज्जर कहलाने के लायक हो गया है। वहां की जनता

जो न जाने किनते वर्शो से खारा पानी पी रही थी, उसे हमारे मुख्यमंत्री जी ने एक सप्ताह मे ही मीठा पानी उपलब्ध करवा दिया है। उपाध्यक्ष महोदय, माननीय मुख्यमंत्री चौधरी बसी लाल जी ने झज्जर को जिला बनाकर सबसे बडा काम किया है। उपाध्यक्ष महोदय, वहां पर लघु सचिवालय, बाल भवन, पचायत भवन, विकास भवन, रैड क्रास भवन और रैड क्रास भाांपिग कम्पलैक्स की आधार ि ाला भी रखी जा चुकी है और इन सब विकास कार्यो पर बडी तेजी से काम चल रहा है। उपाध्यक्ष महोदय, वहां पर यातयात की समस्या को देखते हुये बाई पास का भी निर्माण किया जा रहा है। इसके साथ साथ एक करोड रूपया खर्च करके झज्जर मे सडको का निर्माण किया जा रहा है। उपाध्यक्ष महोदय, अगर विपक्ष के मेरे भाई यहां हाउस मे उपस्थित होते तो मै आपके माध्यम से उनसे निवेदन करती कि अब वे झज्जर मे जाकर देखे तो उन्हे पता चलेगा कि विकास कार्य किस तरह से किये जाते है। उपाध्यक्ष महोदय, अगर पिछली सरकारो मे विपक्ष के भाई तो ये विकास कार्य वे भी करवा सकते थे लेकिन उन्होने किसी बात और किसी भी काम पर कोई ध्यान नही दिया। वे कहते है कि हम हरियाणा की जनता की भलाई करते है। उपाध्यक्ष महोदय, झज्जर मे कितने ही चौक सिमेन्टिड कर दिये गये है। मेरे हल्के की जनता चौधरी बंसी लाल की ऋणी है कि उन्होने झज्जर का इतना विकास कराया। हमारे मुख्यमंत्री चौधरी बंसी लाल जी का भी झज्जर से वि ोश लगाव है क्योकि पिछले मुख्यमंत्रियो ने वहा जाकर एक बात भी नही देखा कि वहा की जनता की क्या

सम्स्याये है। जबकि हमारे माननीय मुख्यमंत्री चौधरी बसी लाल जी समय समय पर जब भी उन्हे तीन महीने बाद या चार महीने बाद समय मिला है, वे वहां गये है और वहां के लोगो की समस्याओ को सुनते हुये उन्होने हर समस्या का समाधान किया है।

उपाध्यक्ष महोदय, एक और जहां झज्जर मे सडको के निर्माण पर तकरीबन एक करोड रूपया खर्च होगा तो दूसरी और वहां हरिजन चौपालो के निर्माण का काम और स्कूलो के कमरो के निर्माणप का काम किया है। उपाध्यक्ष महोदय, मै इस बात के लिये अपने विकास मंत्री जी का भी धन्यवाद करती हू और सबसे ज्यादा माननीय मुख्यमंत्री जी का वि ोश रूप से धन्यवाद करती हू।। उपाध्यक्ष महोदय, जहा तक विपक्ष के भाईयो का यह कहना है कि वहां सडके टूटी पडी है तो अगर वे यहां मौजूदा होते तो मै उनसे पूछना चाहती थी कि इसका जिम्मेवार कौन है? जब चौधरी बसी लाल जी पिछली बार मुख्यमंत्री थे तो उन्होने ही इन सडको का निर्माण करवाया था लेकिन पिछली सरकारो ने फिर कभी इन सडको का कोई ध्यान या रख रखाव नही किया और वहां सडको का काम चल रहा है। उपाध्यक्ष महोदय, मै यह मानती हू कि अभी भी कुछ सडके ऐसी है जो खराब हे लेकिन आने वाले छः महीने के अन्दर उन सडको का काम भी कराया जायेगा और एक तरह से ये सडके भी नई हो जायेगी।

उपाध्यक्ष महोदय, हमारे माननीय मुख्यमंत्री बंसी लाल जी ने जनता से जो 24 घण्टे बिजली देने का वायदा किया था,

उसको पूरा करने के लिए भी युद्ध स्तर पर कार्य चल रहा है। उपाध्यक्ष महोदय, 24 घण्टे बिजली जनता को देने के लिये जो वायदे उन्होने किया है उसके बारे मे हमारे मुख्यमंत्री जी ने बडे विस्तार से बताया कि कितनी तेजी से यही काम चल रहा है। हमारे विधायक साथियो ने भी बडे विस्तार से बताया है इसलिए मै इस बात पर बहुत ज्यादा डिटेल मे नही जानी चाहती। हमारे आदरणीय मुख्यमंत्री चौधरी बंसी लाल जी बिजली के बारे मे जितना काम कर रहे है उतना काम कोई अन्य आदमी नही कर सकता था। उपाध्यक्ष महोदय, जहा तक नहरो की सफाई की बात है उस बारे मे बहुत तेज गति से काम हुआ है। उपाध्यक्ष महोदय, जब हमारी सरकार आई उस समय हरियाणा प्रदे ा की सभी नहरे मिट्टी से अंटी पडी थी और उनमे झाड उग आई थी। हमारी सरकार के आदरणीय मुख्यमंत्री चौधरी बसी लाल जी ने सभी नहरो की सफाई करवाई और आज उन सभी नहरो की टेल एंड पर पानी पहुच रहा है। इसके अलावा उपाध्यक्ष महोदय, हमारे आदरणीय मुख्यमंत्री चौधरी बसी लाल जी रिवाडी गए थे वहां पर ये रिवाडी उठान सिचाई स्कीम का ि ालान्यास करके आए थे। उस स्कीम से मेरे हल्के के लोगो को भी फायदा होगा। इसके लिए मै आदरणीय मुख्यमंत्री चौधरी बसी लाल जी का धन्यवाद करना चाहती हू।

उपाध्यक्ष महोदय, एक बात मै यह कहना चाहती हू कि पिछली सरकारो के समय मे नौकरियो की बोली लगा करती थी

और जो कोई बोली मे ज्यादा पैसा देता था उसी को नौकरी दी जाती थी, उस समय मैरिट के आधार पर किसी को नौकरी नही मिलती थी। हमारी सरकार आने के बाद मैरिट के आधार पर और योग्यता के आधार पर नौकरियां दी जाती है। इतनी पारदर्शिता माननीय मुख्यमंत्री चौधरी बंसी लाल जी की सरकार आने के बाद ही हो सकी है किसी और सरकार मे नही हो सकती। हमारे विरोधी भाई चिल्लाते है कि हरियाणा प्रदेश मे कोई काम नही हुआ। उपाध्यक्ष महोदय, हमे भी पता है कि वे क्यो चिल्लाते है? चूंकि हमारी सरकार हरियाणा प्रदेश मे लोगो की भलाई के लिए इतने काम कर रही है इसलिए आने वाले इलैक्शन मे वे लोगो के सामने जा कर क्या कहेगे उनको इस बात की चिन्ता है। जब हमारी सरकार लोगो के भलाई के इतने ज्यादा काम कर रही है तो वे लोगो के सामने क्या बात कह कर वोट मागेगे और क्या उम्मीद ले कर जनता के सामने जाएगे इसलिए वे ज्यादा से ज्यादा कहते है कि कोई काम नही हो रहा है। ऐसा कह कर जनता के सामने जाएगे इसलिए वे ज्यादा से ज्यादा कहते है कि कोई काम नही हो रहा है। ऐसा कह कर वे हरियाणा की भोली भाली जनता को बहकाते है। लेकिन उपाध्यक्ष महोदय, हरियाणा की जनता मेरे विरोधी पक्ष के भाईयो की चाल समझ चुकी है इसलिए हरियाणा की जनता इनके बहकावे मे आने वाली नही हैं उपाध्यक्ष महोदय, एक बात मे यह भी कहना चाहूंगी कि हमारा पुशु पालन विभाग हमारे हरियाणा प्रदेश के पशु पालको का बहुत ध्यान रख रहा है। जगह जगह डिस्पैसरियां खोली जा रही है जिनके माध्यम से

प ुओ की सेवा कर रहे है। उपाध्यक्ष महोदय, पिछले दिनो हिसार मे एक प्रोग्राक हुआ था उस प्रोग्राम मे आदरणीय मुख्यमंत्री बंसी लाल जी ने कहा था कि जिन भैंस पालको को ज्यादा दुध के लिए ईनाम मिला है यानि जिन भैसों का 15 से 18 किलो दुध है उन भैसो का बीमा हरियाणा सरकार करवाएगी। यह सरकार की एक बहुत बडी उपलब्धि है।

उपाध्यक्ष महोदय, इसके लिए मै माननीय मुख्यमंत्री चौधरी बंसी लालजी का धन्यवाद करती हू। एक बात के बारे मे मै अपने आदरणीय मुख्यमंत्री बंसी लाल जी से निवेदन करना चाहूंगी कि जिस तरह से उन्होने झज्जर जिले पर ठण्डी नजरे रखी है उसी तरह से आगे भी झज्जर जिले पर ठण्डी निगाहे रखते रहेगे ताकि जिस तरह से वहां पर विकास के कार्य तेज गति से हुए है उसी तरह से आगे भी वहां पर विकास कार्य तेज गति से होते रहे। पिछली सरकारो ने वहा पर कोई कार्य नही किया था इसलिए वहां पर और अधिक काम करने की आव यकता है और वह काम पूरे होगे इसका हमे पूरा वि वास है। उपाध्यक्ष महोदय, अन्त मे मै वित्त मंत्री जी और मुख्यमंत्री का धन्यवाद करती हू कि उन्होने प्रदे ा की जनता को कर रहित बजट दिया है। मै एक बार फिर वित्त मंत्री जी को बधाई देती हू और आपका धन्यवाद करती हू। कि आपने मुझे बोलने का समय दिया। धन्यवाद।

श्री अकरम खां (छछरौली): उपाध्यक्ष महोदय, सबसे पहले मै आपका धन्यवाद करना चाहूंगा कि आपने मुझे कर रहित

बजट पर बोलने का समय दिया। साथ ही मै अपने वित्त मंत्री जी का धन्यवाद करना चाहूंगा कि उन्होने यह कर रहित बजट प्रदे ा की जनता को दिया है। वित्त मंत्री जी ने किसी पर कोई नया टैक्स नही लगाया इसके लिए ये बधाई पात्र है और इसलिये मै भी इस बजट का समर्थन करता हू।

उपाध्यक्ष महोदय, मेरे हल्के मे जो सबंधित बाते है अब मै उन बातो को कहना चाहूंगा। मै मुख्यमंत्री जी का आभारी हू कि हमारे यहा पर जो हथनीकुड वैराज बन रहा है उनका इन्होने खुद कई बार निरीक्षण किया है जिस कारण उसके कार्य मे काफी प्रगति हुई है और उसी का परिणाम है कि उसके पूर्ण होने की स्पीड काफी बढी है और वह जल्दी ही पूर्ण होने की स्टेज पर है।

उपाध्यक्ष महोदय, अब मेरी परिवहन मंत्री जी जो यहां पर बैठे है, से गुजारि ा है कि मेरे हल्के मे जो खिजराबाद गांव है वह छछरौली से भी ज्यादा तरक्की कर रहा है। अब पांबटा साहब वाला रोड ने ानल हाईवे हो गया है। यह गांव उस रोड पर पडता है। वहा पर सारी बसे बाहर खडी होती है जिससे यातायात प्रभावित होती है। इसलिए मेरी आपके माध्यम से सरकार से मांग है कि वहां पर एक बस स्टैड तुरंत मजूर करके उसे बनाया जाये।

उपाध्यक्ष महोदय, मुख्यमंत्री जी मेरे हल्के मे अक्तूबर, 1997 मे गए थे। उस समय उन्होने एक जनसभा मे एक माईनर

मंजूर की थी। उस पर अब तक कोई काम भुरू नही हुआ है। मेरी आपके माध्यम से मुख्यमंत्री जी से प्रार्थना है कि इस माईनर का निर्माण जल्दी से जल्दी भुरू करवाया जाये।

उपाध्यक्ष महोदय, वाईल्ड मंत्री जी भी यहां पर बैठे है। मेरे ऐरिया के लोगो को गन के लाईसैंस लेने के लिए पचकूलां आना पडता है। जिससे उनका समय भी और पैसा भी बर्बाद होता है। इस बारे मे मेरा आपके माध्यम से मंत्री जी अनुरोध है कि उनके लाईसैंस वही डिस्ट्रिक्ट हैडक्वार्टर पर जारी करने के निर्दे ा दिए जाए ताकि लोगो को परे ाानी का सामना न करना पडे। एक बात मै और मंत्री जी के नोटिस मे लाना चाहूगा कि वाईल्ड लाईफ को जो गार्ड या इन्सपैक्टर इब्राहिमपुर गांव मे रहते है वे वहां के लोकल लोग जो अपने खेतो मे काम करने के लिए जाते है, उनको नाययज परे ाान करते थे इसलिए मेरी मांग है कि उनको आदे ा दिए जाए कि उन द्वारा वहां के लोगो को परे ाान न किया जाये और यदि कोई ऐसा करता है उसके खिलाफ एक ान लिया जायेगा।

उपाध्यक्ष महोदय, मेरे हल्के मानकपुर गांव मे एक जे0बी0टी0 सेंटर मजूर हुआ है। पंचायत ने उसके लिए जमीन भी दी हुई है। इस मामले को अढाई साल हो चुके है। मेरी आपके माध्यम से सरकार से मांग है कि इस जे0बी0टी0 सेन्टर को तुरंत पूरा करवाया जाये।

उपाध्यक्ष महोदय, मै आपके माध्यम से सरकार के नोटिस मे लाना चाहूगा कि हथनीकुण्ड बैराज बनाने के लिए वहा से एक नहर निकालने के लिए कुछ लोगो की जमीन ली गई थी। जब 1997 मे मुख्यमंत्री जी वहा पर गए थे तो लोागो ने इस बारे मे मांग की थी। तब मुख्यमंत्री जी ने माना था कि जिन किसानो की जमीन वहा पर ऐक्वायर की गई थी उनके परिवार वालो को नौकरी दी जायेगी। मेरी मांग है कि सरकार उन गरीब परिवारो को नौकरी दे ताकि वे भी अपना जीवन सुधार सके।

उपाध्यक्ष महोदय, मेरे हल्के मे अक्तूबर के महीने मे वेमौसमी बरसात के कारण यमुना के पानी से प्रभावित होते हुए कई गावों की सडक बहुत बुरी तरह टूट गई थी और उनकी हालत बहुत खराब है। लोगो को अपना गन्ना भी लाने मे दिक्कत पे ा आ रही है। इसलिए मेरी आपके माध्यम से पी0डब्लयू0डी0 मंत्री से प्रार्थना है कि जो जो सडके मेरे हल्के मे टूटी हुई पडी है उनका निर्माण जल्दी से जल्दी करवाया जाये ताकि लोगो को सहूलियत हो सके। पांवटा साहब ने ानल हाईवे मेरे हल्के से हिमाचल के साथ लगता हुआ वहां से भाुरू होता है वहा पर लालडाग से खिजराबाद तक जो सडक है, वह टूटी पडी है। मै चाहता हू कि इसकी रिपेयर जल्दी कराई जाये। इस प्रकार से दो सडके बकरवाला से हाफिजपुर और याकुबपुर से कडकौली की नई बननी थी। इन पर काम भाुरू हुआ था और मिटटी डाल चुके थे

लेकिन बीच मे काम रोक दिया गया। मेरा मंत्री जी से अनुरोध है कि इन सडको पर जल्दी काम भ्रारू करवाये जाये।

उपाध्यक्ष महोदय, मेरे हल्के के 7–8 गावो मे सेम की वजह से तकरीबन 700–800 एकड खेती की जमीन खराब हो रही है जिस कारण अब वहां पर खेती नही हो रही। सेम की समस्या से वहां पर लोगो को राहत देने के लिए मुख्यमंत्री जी ने एक ड्रेन का काम भ्रारू करवाया था लेकिन उस पर आधे से कम काम करके उसकी बीच मे अधूरा छोड दिया गया है। मेरा अनुरोध है कि इस पुन जल्दी से काम भ्रारू करवा कर इसे पूरा करवाया जाये। उपाध्यक्ष महोदय, यमुना नदी के हरियाणा मे घुसते ही सबसे पहला गांव कलेसर लगात है जिसकी 50–55 एकड जमीन यमुना मे गिर गई थी यानि पानी मे बह गई थी। पिछली साल भी 30–35 एकड जमीन यमुना मे गिर गई और यमुना गांवो के साथ लगती जा रही है जिससे वहां पर कई गावों को खतरा हो गया है इसलिए जो 5–7 गांव इसके नजदीक आ रहे है उनकी सुरक्षा को ध्यान मे रखते हुए उन पर स्टड बगैरा लगाए जाए। डिप्टी स्पीकर साहब, वन मंत्री जी इस समय हाउस मे बैठे हुए है उनके नोटिस मे मै एक बात लाना चाहता हू। मेरे हल्के मे काफी जंगल लगता है लेकिन वन विभाग के आफिसर्ज लोगो को नायायज तंग करते है। गावो को लोग जंगल से जलाने के लिए सूखी लकडी ले कर आते है वे लकडी वही से पहले भी ला रहे थे, वे बकरी चराने के लिए भी वहा जाते है। उनको डर धमका कर और यह कह रक कि

उनका केस हिसार अदातल मे भेज दिया जाएगा, वे उनसे पैसे ले लेते है। ये गरीब लोग है और उनको पता नही है, वे इस बात को समझते नही है इसलिए जबरदस्ती उनसे अंगूठे लगवा कर वहा के आफिसर्ज कार्यवाही भ्रुरू कर देते है। मेरा आपके माध्यम से सरकार से निवेदन है कि उन आफिसर्ज को वहां से बदला जाए और उनकी जगह पर अच्छे आफिसर्ज लगाए जाए। हिसार मे जो इस विभाग की अदातल है उसको भी अम्बाला या पंचकूला मे बदला जाए क्योकि यहा पर जगल ज्यादा है। यहां पर अदालत नजीदक होने ये यहा के लोगो को राहत मिलेगी।

उपाध्यक्ष महोदय, कलसेर मे टूरिज्म कम्पलैक्स के लिए एक साईट देखी गई थी भ्रायद उसके लिए पैसा भी आ गया है। यह जगह हथनी कुण्ड बैराज के बहुत निकट है। वहां यमुना के किनारे पर टूरिज्म का बोर्ड तो लगवा दिया है लेकिन इस साईट पर अभी तक काम भ्रुरू नही हुआ है। इसलिए मेरा सरकार से निवेदन है कि उस पर काम भीघ्र करवाया जाए। उपाध्यक्ष महोदय, इसके साथ ही मै पहिवहन मंत्री जी से भी कुछ कहना चाहूंगा। परिवहन मंत्री जीह को मै खुद मिला भी था और उनकी लिख कर भी दिया था कि मेरे हल्के मे एक नगली गांव है जो कि हिमाचल प्रदे ा के साथ लगता है। यमुना नगर से नगली तक बस चलाने के लिए मैने परिवहन मंत्री से निवेदन किया था। वहां पर एक प्राईवेट बस जाती है लेकिन उसमे इतनी भीड होती है कि लोगो को छतो पर बैठना पडता है इसलिए मेरा अनुरोध है कि

नगली गांवो तक जल्दी से जल्दी हरियाणा रोडवेज की एक बस लगाई जाए। उपाध्यक्ष महोदय, इन भाब्दो के साथ ही मे वित्त मंत्री महोदय ने जो इतना अच्छा बजट पे ा किया है, उसका अनुमोदन करता हू तथा आपने मुझे बोलने के लिए जो समय दिया उसके लिए मै आपका धन्यवाद करते हुआ अपना स्थान ग्रहण करता हू।

मुद्रण एवम लेखन राज्य मंत्री (श्रीमती कृश्णा गहलावत): उपाध्यक्ष महोदय, आपका बहुत बहुत धन्यवाद। उपाध्यक्ष महोदय, 3 फरवरी को हमारे वित्त मंत्री श्री चरणदास भाोरेवाला जी ने जो करमुक्त बजट पे ा किया है उसके लिए मै वित्त मंत्री महोदय और हरियाणा के मुख्यमंत्री चौधरी बसी लाल जी का धन्यवाद करते हुए उन्हे बधाई देती हू। हरियाणा की जनता वि ोशकर गरीब मजदूर, किसान सभी वर्गो का ध्यान रख कर यह बजट तैयार किया गया है और हरियाणा की जनता पर और किस प्रकार का कर का बोझ नही डाला गया है। आज इस बजट की और हमारी सरकार की इस बात के लिए चारो तरफ तारीफ हो रही है कि बजट मे कोई कर नही लगया गया है। इसी बात को देख कर हमारे विपक्ष के सदस्य सदन मे नही बैठे है और जान बूझ कर इस तरह की बाते फेला रहे है क्योकि इस बजट को देख कर उनके पास कहने के लिए भाायद कोई भाब्द नही है। हमारी सरकार के बारे मे कहने की उनके पास कोई बात नही है जिस कि वे उछाल सके। डिप्टी स्पीकर साहब, वे अपने उस जिम्मेदारी

से जो जनता ने उनको दी थी, पीछे हट रहे है। लोगो ने अपने हल्के हल्के की बात कहने के लिए, अपनी समस्याओ को उठाने के लिए उन लोगो को यहां पर भेजा था लेकिन वे लोग अपनी जिम्मेदारी से पीछे हट रहे है। उपाध्यक्ष महोदय, इस बजट सिचाई, परिवहन और सडको की तरफ वि ोश ध्यान दिया है। जो सडके टूटी पडी है, उनके लिए साढे चौदह करोड रूपये के बजट का प्रवाधान रखा है। उपाध्यक्ष महोदय, इस बजट मे कृशि के लिए भी वि ोश ध्यान दिया गया है। हरियाणा राज्य कृशि प्रधान राज्य है, यहा ज्यादातर लोग खेती बाडी करते है। हमारे मुख्यमंत्री ने कृशि विभाग के लिए 118 करोड रूपये रखे है। अभी पिछले दिनो बेमौसमी बरसात की वजह से फसल खराब हो गई थी और बाढ का पानी खेतो मे भर गया था। उपाध्यक्ष महोदय, जो फसल पहले खडी थी वह तो खराब हो ही गई थी लेकिन किसान भाई तो यह सोच रहे थे कि आगे भी फसल की बिजाई नही हो पाएगी। हमारे मुख्यमंत्री महोदय ने पूरे प्र ाासनिक ढांचे को लगाकर 3 लाख एकड भूमि से पानी निकलवाया है। इस काम पर 25 करोड रूपये का खर्चा आया है।

उपाध्यक्ष महोदय, आप हैरान होगे कि इनते कम समय मे प्र ाासन ने बडी मुस्तैदी से खेतो मे से पानी बाहर निकाला और समय पर किसानो ने खेतो मे बिजाई कर ली। जो बिजाई दो अढाई महीने बाद होनी थी वह किसानो ने प्र ाासन के मुस्तैदी से काम करने के कारण जल्दी कर ली। हरियाणा मे डी0ए0पी0 की

खाद की कमी तो हुई लेकिन हमने पूरे राज्य मे डी0ए0सी0 देने मे कोई कमी नही छोडी। पहले हमारे यंहा पर जितनी बिजाई होती थी पिछले साल उससे ज्यादा एरिया मे बिजाईं हुई है। उपाध्यक्ष महोदय, 31.33 लाख हैक्टेयर भूमि पर बिजाई का काम हुआ है। यह काम हमारे मुख्यमंत्री जी की समझ बूझ की वजह से हुआ है। विरोधी पक्ष के भाई असत्य खबरे अखबबारो मे दिया करते थे कि हरियाणा मे डी0ए0पी0 की खाद की कमी हो रही है और किसानो को डी0ए0पी0 खाद नही मिल रही है। हमने लोगो की मांग को देखते हुए पहली बार डी0ए0पी0 खाद को एक जगह से दूसरी जगह पर ि ाफ्ट किया और उनकी मांग पूरी की है। जब उन्होने अखबारो मे यह खबर छपवाई थी तो हमने डिप्टी डायरेक्टर के माध्यम से इस बारे मे जांच करवाई और कही पर भी इसकी कमी नही रहने दी। हमारी सरकार ने किसानो को सस्ते दामो पर बिजली दी है। इस सरकार ने इसके लिए 412 करोड रूपए का प्रावधान किया है। सिंचाई पर भी मुख्यमंत्री जी ने वि ोश ध्यान दिया है। नहरो और ड्रैनो की सफाई का काम बडी जोरो से करवाया है। आज कोई भी ड्रैन ऐसी नही है जिसकी सफाई न हुई हो। आज किसानो को पानी की कमी कही पर भी नही है। किसानो का जो काम होता है, हमारे मुख्यमंत्री जी सबसे पहले उस पर ध्यान देते है। आज पूरे प्रदे ा मे 2–4 टेलो को छोडकर ऐसी कोई टेल नही हैजहा पर पानी न पहुचता हो। मेरे हल्के मे दो ड्रैन्ज थी जो कि अंटी पडी थी। हमारी सरकार ने आने के बाद उनकी सफाई हुई है। हमारी सरकार ने प्रदे ा के लोगो से

जो वायदे किए थे, वे पूरे किए है इसलिए विरोधी पक्ष के भाई बाौखला कर इधर उधर की बाते किया करते है। वे हमारी सरकार के बारे मे कुछ न कुछ कहते रहते है। मै आपके माध्यम से उनको बताना चाहूंगी कि हमारी सरकार पूरें पाच साल चलेगी और हरियाणा मे 24 घंटे बिजली देगी। आज पूरे प्रदे ा मे चौधरी बंसी लाल जी जैसा कोई नेता नही है और इसी कारण मे उनको परे ाानी हो रही है कि आने वाले समय मे हम जो किसानो को कम रेट पर बिजली देगे और 24 घंटे हरियाणा के लोगो को जब बिजली मिलेगी तो फिर इन लोगो के पास कहने के लिए कोई मुद्दा नही रह जाएगा। अभी जैसा कि मेरे से पहले बोलते हुए साथियो ने भी बताया कि हरियाणा मे आज भ्रश्टाचार मे कमी आयी है जबकि पहले हरियाणा मे सरकारी नौकरियों की बोलियां लगती थी। लेकिन हमारी सरकार आने के बाद साफ सुथरे तरीके से मैरिट के आधार पर नौकरी दी जा रही है और किसी से भी इसके बदले मे कोई पैसा नही लिया जा रहा है। इसी तरह से सडको पर भी हमारी सरकार मे बहुत ध्यान दिया है। हमारे मुख्यमंत्री जी ने चार सौ करोड रूपये 2520 किलो मीटर्ज की सडको की मुरम्मत एवम 65 किलोमीटर नयी सडके बनाने के लिए दिए है। पहले भी चौधरी बंसी लाल जब मुख्यमंत्री थे तो उस समय भी उन्होने हरियाणा मे गांव गांव को सडको से जोडा था। उस समय कोई गांव ऐसा नही था जो सडक से न जोडा गया हो लेकिन जब बंसी लाल जी बाद मे मुख्यमंत्री नही रहे तो बाद की सरकारो ने इन सडको की मुरम्मत पर कोई ध्यान ही नही दिया।

जब हमारी सरकार बनी तो हमने पाया कि सडको की बहुत ही बुरी हालत है। लेकिन हमारे मुख्यमंत्री जी ने पैसा कम होने के बावजूद भी सडको का काफीकाम करवाया है और काफी नयी सडके भी बनवायी है। इस बार भी बजट मे चार सौ करोड रूपये का प्रावधान इनके लिए किया गया है इसी तरह से पहले चौधरी बंसी लाल जी मुख्यमंत्री बनकर आए तो उनके समय मे मंडल आयोग की रिपोर्ट के विरोध मे हरियाणा मे उनके ही वर्कर्ज ने काफी बसिज जला दी थी जिसका खामियाजा हरियाणा की जनता आज तक भी भुगत रही है और आज हरियाणा रोडवेज की बसिज की हालत नही सुधारी जा सकी है। लेकिन हमारे मुख्यमंत्री जी ने इस दि ाा मे भी काम किया है और इस वर्श भी कई नई बसिज खरीदी जाएगी तथा उनके ऊपर पूरा ध्यान दिया जाएगा। हमारे मुख्यमंत्री जी ने अपने कर्मचारियो को केन्द्र सरकार ने पाचवे वेतन आयोग की सिफारि ाो के अनुसार ही नये वेतनमान दिए है जबकि हमारे पडौसी राज्यो ने अभी तक भी ऐसा नही किया है। इसके अलावा हमारी सरकार ने किसानो को पडौसी राज्यो के मुकाबले मे गन्ने के सबसे ज्यादा यानी 95 रूपये प्रति क्विटंल की दर से दाम दिए है जबकि हमारे पडौसी राज्य इससे दस रूपये कम दे रहे है। इसी प्रकार से हमारी सरकार ने लोकायुक्त की नियुक्ति भी की है। ऐसा करके हमारे मुख्यमंत्री जी ने एक बडा ही सराहनीय काम किया है। ऐसा होने से हमारे और जनता के बीच एक वि वास बना है। अगर हमारा कोई कर्मचारी छोटी सी भी गलती करता था तो उसको फौरन पकड लिया जाता

था लेकिन हमारे मुख्यमंत्री जी ने लोकायुक्त की नियुक्ति की है। उपाध्यक्ष महोदय, मै इस बजट के बारे मे इतना ही कहना चाहूगी कि हरियाणा की जनता के हितो को देखते हुए ही हमारे वित्त मंत्री जी ने यहां पर यह बजट पे ा किया है। यह बजट बडा सराहनीय है क्योंकि आज इसकी चारो तरफ सराहना हो रही है। हरियाणा विकास पार्टी और बे0जे0पी0 पार्टी ने चुनावो के दौरान जो वायदे किए थे उनमे से ज्यादातर तो मुख्यमंत्री जी ने पूरे कर दिए है अब केवल बिजली का वायदा ही पूरा होना बाकी है। इसी वजह से हमारे विपक्षी भाईयो को तकलीफ हो रही है क्योकि उनको पता है कि अगर यह वायदा पूरा हो गया तो उनके पास कहने के लिए कोई बात नही रह जाएग। आज हमारे पास 850 मेगावाट बिजली है लेकिन आने वाले समय मे 1200 मेगावाट बिजली का और उत्पादन हो जाएगा और तब हमारे नागरिको को पूरी बिजली मिलेगी।

उपाध्यक्ष महोदय, पहले भी बिजली के उत्पादन काम हमारे मुख्यमंत्री चौधरी बंसी लाल जी ने ही किया था। उसके बाद से कितने ही मुख्यमंत्री आए लेकिन उन्होने बिजली के उत्पादन की दि ाा मे कोई ध्यान नही दिया। बिजली की खपत दिन प्रति दिन बढती ही जा रही है। पहले गावों मे औरते सारे काम हाथ से करती थी लेकिन अब वे सारे काम बिजली से होते है। लेकिन इसके उत्पादन की और कोई ध्यान नही दिया गया। हमारे आदरणीय मुख्यमंत्री जी ने 1996 सत्ता सभांली और सत्ता

सभालने के तुरन्त बाद ही उन्होने इस दि ाा मे प्रयास भुरू कर दिए। उन्होने नये बिजली के प्लांटस लगाए जिसके परिणामस्वरूप अब 1200 मेगावाट बिजली बनकर तैयार हो जायेगी। अब लोगो को 24 घंटे बिजली मिलेगी और किसानो को सस्ती दर पर बिजली मिलेगी। यह काम जल्दी पूरा हो जाएगा। इसके अलावा अब मैरिट के आधार पर नौकरिया मिलती है। अब गरीबो का वि ोश ध्यान रखा जाता है। बुढापा, विधवा और विकलांग पे ान हर महीने की सात तारीख से पहले मिल जाती है। पिछली सरकारो के समय मे यह पें ान 9–9 महीने को इकट्ठी मिलती थी। गाव मे सब तरह के परिवार होते है कई बुजुर्गो से यह रा ि ा उनके घर वाले ले लेते थे और ये फिर से इतंजार करते थे कि अब कब पें ान मिलेगी? इस सरकार के आने के बाद से यह पें ान हर महीने दी जाती है। हमारे इस बजट मे हर किस्म की नागरिक सुविधाओ का ध्यान रखा गया है। मै इतना ही कहना चाहूगी कि यह कर रहित बजट है। और बहुत बढिया बजट है। इसको पे ा करने के लिए मे वित मंत्री जी का व मुख्यमंत्री जी का धन्यवाद करती हू। इसके अलावा आपने मुझे बोलने के लिए जो समय दिया, उसके लिए मै आपका धन्यवाद करते हुए अपना स्थान लेती हू।

नागरिक उड्डयन मंत्री (श्री जसवन्त सिंह): उपाध्यक्ष महोदय, आपने मुझे बोलने का समय दिया इसके लिए आपका धन्यवाद। उपाध्यक्ष महोदय, जैसकि आप जानते है कि आव वि व

मे आर्थिक मंदी के दौर है इसके बावजूद वित्त मंत्री ने जो कर रहित बजट पे ा करे तो यह कोई छोटी बात नही है। इसके लिए मै वित्त मंत्री जी को मुबारिकवाव व बधाई देताह हू। उपाध्यक्ष महोदय, जैसाकि आप जानते है कि चुनाव के दिनो मे हरियाणा विकास पार्टी व भारतीय जनता पार्टी जनता के कुछ चुनावी वायदे करके यहां आई था। मौजूदा सरकार व सरकार के मुखिया चौधरी बंसी लाल जी ने जो जनता से वायदे किए थे उन्हे इस सरकार ने ईमानदारी से पूरा करने की पूरी कोि ा ा की है, जैसाकि आप जानते है कि हरियाणा मे भ्रश्टाचार इतना बढ गया था कि उस पर कंट्रोल करना बडी मुि कल बात हो गई थी। नौकरियां सरेआम नीलाम होने लगी थी और अब कोई इलाज नही बचा उस समय चौधरी बंसी लाल जी ने लोकपाल की नियुक्ति की। हरियाणा लोकपाल अधिनियम 1997 की धारा–3 के अन्तर्गत लोकपाल की नियुक्ति करनी पडी। जो नीचे से ऊपर तक भ्रश्टाचार का बोलबाला था, उसको कंट्रोल करने के लिए यह नियुक्ति हुई।लोकपाल के दायरे मे मुख्यमंत्री जी, मंत्रीगण, विधायकगण, जिला परिशद, के सदस्य और अधिकारियो मे मुख्य सचिव से लेकर नीचे तक के सभी अधिकारी आते है। लोकपाल की स्थापना इसलिए हुई क्योकि सरकार की नीयत साफ थी, मुख्यमंत्री से लेकर सभी कर्मचारियो तक को इसके लाया गया यह इस सरकार की साफ नीयत का प्रतीक है। इसके साथ साथ सरकार ने हर क्षेत्र मे उन्नति की। मै बिजली के बारे मे थोडा बताना चाहूगा। मौजूदा सरकार हरियाणा मे 24 घंटे बिजली देगे।

आप जानते है कि बिजली एकदम से पैदा नही हो सकती। 24 घंटे बिजली के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए सरकार ने पूरी कोि ा ा की है और इस कोि ा ा का नतीजा यह है कि लक्ष्य नजदीक है।

उपाध्यक्ष महोदय, हमारे रिवाडी जिले मे कुछ उप केन्द्रो की स्थापना हुई है। 33 के0वी0ए0 का सब स्टे ान मांडल टाउन रिवाडी मे बनाया गया है, 132 के0वी0ए0 का सब स्टे ान लगाया गया है। उपाध्यक्ष महोदय, पहले रिवाडी जिले मे बिजली लाईन दादरी से आती थी। उस समय अगर कोई लाईन मे फाल्ट हो जाता था तो हमारे पूरे इलको को बिजली से महरूम रहना पडता था। लेकिन मौजूदा हरियाणा की सरकार ने आठ करोड रूपये लगाकर बाद ाहपुर रिवाडी लाईन बिछाई है जिसके कारण अब अगर दादरी लाईन मे फाल्ट होता भी है तो भी हमारा इलाका बिजली के महरूम नही रहेगा। बिजली की स्लैब प्रणाली से भी हमारे हल्के को बडा फायदा हुआ है। खासकर मेरे हल्के को और रिवाडी हल्के को जोकि मरूस्थल कहा जाता है। इस बात को लेकर मौजूदा सरकार की प्र ांसा कर रहे है। 1998–99 मे बिजली पर 825.75 करोड रूपये खर्च किये गये थे लेकिन वर्श 1999–2000 के साल के लिए इस पर खच्र को बढाकर 943 करोड रूपये कर दिया गया है जो सरकार की साफ नीयत को द ार्ाता है कि वह यह सरकार बिजली का काम बडी ईमानदारी के साथ करना चाहती है। इस वर्श बिजली के उत्पादन की क्षमता 1200

मैगावाट और बढाने की है। किसानो की सहायता के लिए दी जाने वाली रा ि ा जो 1998–99 मे 364 करोड रूपये थी, अब उसको बढाकर वर्श 1999–2000 के लिए 412 करोड रूपये कर दिया गया है मौजूदा सरकार ने किसानो की सबसिडी को बढाया है। हरियाणा के मुख्यमंत्री हाऊस के नेता चौधरी बंसी लाल जी ने 30 जून, 1999 तक हरियाणा के लोगो को 24 घण्टे बिजली देने का वायदा किया है और वे प्रदे ा के पहले मुख्यमंत्री है जिन्होने 24 घण्टे बिजली देने की डेट निर्धारित कर दी है। इसके पहले किसी भी सरकार ने ऐसी कोई घोशणा नही की थी। सिंचाई के मामले मे मौजूदा सरकार ने बहुत बडा काम किया है। उपाध्यक्ष महोदय, मै आपके माध्यम से इस हाउस को बताना चाहता हू कि अहीरवाल के लिए जे0एल0एन0 कैनाल पहुचाने की उस समय हरियाणा की सबसे बडी उपलब्धि थी। परन्तु पिछले 15–20 सालो के समय मे उस नहर की मरम्मत तक किसी सरकार ने नही करवाई, न उसकी गाद निकलवाई गई। मौजूदा सरकार ने आने के बाद उस नहर की गाद निकलवाई है और मरम्मत का काम किया है। आज उस नहर मे आखिरी टेल तक पानी पहुंचता है, मेरे हल्के मे और सारे अहीरवाल मे आज आखिरी टेल तक पानी पहुचंता है। अहीरवाल के क्षेत्र की और हमारे हल्के की पिछले कई सालो से एक मांग थी रिवाडी लिफ्ट इरीगे ान स्कीम की। लेकिन हमारी यह मांग किसी सरकार ने पूरी नही की। चौधरी बंसी लाल जी ने नाबार्ड के सहयोग से रिवाडी लिफ्ट इरीगे ान स्कीम के लिए 39.60 करोड रूपये की रा ि ा मंजूर करवाई है। इस स्कीम के तहत 99 गांवो

की 78790 एकड भूमि को सिंचित किया जायेगा जिससे हमारे इलाके को बडा फायदा होगा। जहां तक सडको की बात है उपाध्यक्ष महोदय, जब 1995 मे बाढ आई उस समय सारे हरियाणा की सडको की व्यवस्था खराब हो गई थी लेकिन उस समय की सरकार ने इसके लिए कुछ नही किया। मौजूदा सरकार ने सडको की मरम्म्त का बडा भारी काम किया है इस सरकार ने नवम्बर तक 1931 किलोमीटर सडको की मरम्मत का काम किया है,

13.00 बजे।

सुधार का काम किया है और 35.30 किलोमीटर नयी सडके बनाई गई है। इसके अलावा वर्श 1999–2000 के दौरान विभिन्न योजनागत तथा गैर योजनागत स्कीमो के अंतर्गत 400 करोड रूपये के प्रावधान से 65 किलोमीटर नई सडके और लगभग 2520 किलोमीटर की लम्बाई की सडको मे सुधार करने का प्रस्ताव है। राज्य सरकार के प्रयत्नो से कुल 448 किलोमीटर लम्बे पांच राज्य राजमार्गो को केन्द्र सराकर द्वारा राश्ट्रीय घोशित किया जा चुका है, इन मे हमारा बावल, झज्जर व रिवाडी का अहीरवाल को क्षेत्र भी सम्मिलित है। इससे हमे बहुत फायदा होगा क्योकि अभी हमे राजस्थान से इधर आते समय दिल्ली क्रांस करना पडता है लेकिन ये राश्ट्रीय राजमार्ग बनने के उपरांत हमे चण्डीगढ आने के लिए दिल्ली जाना नही पडेगा। इसके साथ साथ मौजूदा सरकार हर जिले के अंदर न्यायिक परिसर एवम लघु सचिवालय स्थापित

करने जा रही है तथा यह कार्य हर जिले मे पूरे जोरो पर है। रिवाडी के अंदर भी यह कार्य बडी त्रीव गति से चल रहा है।

उपाध्यक्ष महोदय, अब मै नागरिक उड्डयन विभाग के बारे मे कुछ कहना चाहूंगा। जब हरियाणा का गठन हुआ था तो उस समय हमे हिसार और करनाल के केवल दो क्लब ही मिले थे और बाद मे पंचकूला का क्लब भी बनाया गया है। लेकिन पिछली सरकारो ने जब इस बारे मे कोई रचानात्मक कार्य नही किया तो हिसार का क्लब जो कि बहुत बढिया क्लब माना जाता था, वह बदं हो गया था। अब उसे मौजूदा सरकार ने आकर चालू किया है। वर्श 1998–99 मे 4500 उड्डयन घंटे तथा 6000 ग्लाइडिंग लचिंज के लक्ष्य के समक्ष विधार्थियो ने 2759.50 घंटे का उड्डायन प्रि ाक्षण तथा 2567 ग्लाइडिंग लचिंज की तथा 2 ने प्राईवेट पायलट लाईसैस व 3 ने स्टूडैट पायलट लाईसैंस प्राप्त किए है। इस समय 13 हवाई जहाज तथा 10 ग्लाइड, उड्डयन तथा गलाईडिंग प्रि ाक्षण हेतु उपलब्ध है। तीनो विमानन क्लबो को मिलाकर एक हरियाणा इस्ंटीच्यूट आफ सिविल एविए ान बनाने की योजना सरकार द्वारा स्वीकृत कर दी गई है और वह इस्टीच्यूट भीघ्र ही कार्य करना भुरू कर देगा। हमारे विभाग ने राज्य मे प्रति जिले के अंदर एक हैलीपैड बनाने की योजना भी बनाई है।

उपाध्यक्ष महोदय, हरियाणा मे मत्स्य पालन पर वि ोश ध्यान दिया गया है। पहले ''हरित क्रांति'' फिर भवेत क्रांति पर

जोर दिया गया था। अब वह सरकार ''नीली क्रांति'' पर खास ध्यान दे रही है। इसके लिए हरियाणा मे 3 नई मत्स्य मंडियां फरीदाबाद, पानीपत और यमुनानगर मे भीघ्र ही बनने जा रही है।इनके लिए काम चालू है। मै आपके माध्यम से सदन को बताना चाहूंगा कि पहले हम मछली की बीज बाहर से मंगवाता थे, लेकिन हम अब इस हालत मे हो गए है कि अब हम बहुत की कम मछली का बीज बहार से मंगवा रहे है। इसके लिए हरियाणा मे लगभग 83 फार्मर्ज लगे हुए है जिन्होने इसके बीज उत्पादन का काम भुरू किया हुआ है। इस क्षेत्र मे प्राईवेट सैक्टर मे 5 हैचरी भी चल रही है तथा यह काम पूरे जोरो पर हरियाणा मे चल रहा है। हरियाणा राज्य ने 2187 किलोग्राम प्रति हैक्टेयर के राश्ट्रीय मत्स्य उत्पादन लक्ष्य के समक्ष 4193 रू0 कि0ग्रा0 प्रति हैक्टेयर मत्स्य उत्पादन कर के हिन्दुस्तान मे पहली बार प्रथन स्थान प्राप्त किया है। यह एक बहुत बडी उपलब्धि है।

उपाध्यक्ष महोदय, इसे अलावा ''फ्रै ा वाटर कल्चर'' पर भी राज्य मे कार्य हुआ है। इसमे हमारी बहुत ही अच्छी प्रोडक ान आई है। मै सदन को बताना चाहता हू कि जो 6 महीने की प्रोडक ान ऐवरेज है वह एक हजार हैक्टेयर आई है। In one of the ponds a farmer has produced 1000 kg/hectare of prawn in a period of 6 months. This production figure compares very well with the production figures achived in the State where prawn culture is being carried out for quite some time. उपाध्यक्ष महोदय, जो बहुत दिनो से यह काम कर रहे थे वे

इसको पूरा नही कर सके लेकिन हम एक साल की मेहनत और लगन से इस काम के बिल्कुल नजदीक पहुच गये है और जल्दी ही यह पूरा हो जायेगा। उपाध्यक्ष महोदय, अब मै आपके माध्यम से इस हाउस को कृशि के बारे मे भी कुछ बताना चाहूंगा। मेरे विपक्ष के भाई कहते है कि हरियाणा प्रदे ा के अंदर किसानो को समय पर बीज और खाद नही मिली। उपाध्यक्ष महोदय, मै आपको बताना चाहता हू कि हमारे किसानो को समय पर खाद और बीज ही नही बलिक उनको समय पर बिजली भी दी गई ताकि किसान समय पर अपनी फसल की सिचाई कर सके। इसके अतिरिक्त हरियाणा प्रदे ा से लगते राज्य राजस्थान के किसान भी हरियाणा प्रदे ा से खाद और बीज ले जाते थे क्योकि हरियाणा प्रदे ा के अंदर खाद और बीज समय पर मिलते थे।

.उपाध्यक्ष महोदय, मै आपको बताना चाहता हू कि वर्श 1999–2000 के दौरान योजनागत और गैर योजनागत स्कीमो के लिए राज्य सरकार के कृशि और इससे संबधित गतिविधियो के लिए 31607 करोड रूपये खर्च करने का प्रावधान किया है। इससे साफ जाहिर होता है कि हमारी सरकार कृशि क्षेत्र मे विकास करने के लिए कितनी चिंतित है और कितना काम करना चाहती है। इस तरह से कृशि के क्षेत्र मे हमारी सरकार ने बहुत उन्नति की है। उपाध्यक्ष महोदय, मौजूदा सरकार ने उधोग के क्षेत्र मे भी बहुत उन्नति की है। वर्श 1999–2000 के दौरान 2000 लघु उधोग इकाई तथा 40 बडी और मध्य उधोग इकाई स्थापित करने का

प्रस्ताव है। उपाध्यक्ष महोदय, मेरे हल्के बावल मे विकास केन्द्र फेस 1 पूरा कर लिया गया है और फेस 2 के तहत 500 एकड भूमि विकसित करने का काम भाुरू कर दिया गया है इस तरह से औधोगिक क्षेत्र मे बडी प्रगति हो रही है। यह मौजूदा सरकार की सही नीतियों को द ार्ाता है कि मौजूदा सरकार उधोग के क्षेत्र मे कितना विकास करना चाहती है। उपाध्यक्ष महोदय, इसके अतिरिक्त पब्लिक हैल्थ के क्षेत्र मे भी मौजूदा सरकार ने बहुत उन्नति की है और वर्श 1999–2000 के दौरान राज्य सरकार ने विभिन्न योजनागत और गैर योजनागत स्कीमो मे तहत स्वास्थय सेवाओ पर 309.28 करोड रूपये खर्च करने का प्रवाधान किया है। उपाध्यक्ष महोदय, ि ाक्षा के क्षेत्र मे भी सरकार ने बडी उन्नति की है। मौजूदा सरकार ने जिनते स्कूलो का दर्जा अपने कार्यकाल के दौरान बढाया है उतने स्कूलो का दर्जा पिछले 15–20 साल मे भी नही बढा था। मौजूदा सरकार ने बडे कालेज, छोटे स्कूल और ि ाक्षा से संबधित सुविधाये बढाई है। उपाध्यक्ष महोदय, मै आपको अपने हल्के बावल के बारे मे बताना चाहता हू कि बावल मे एक कालेज है, उसकी बिल्डिंग नही थी। वह कालेज नाभा के महाराजा के समय मे जो एक अनाज मण्डी बनी थी, उसमे लगता था कि लेकिन मौजूदा सरकार ने 45 लाख रूपये लगाकर एक साल के अंदर बावल कालेज की बिल्डिंग का निर्माण करवाया।

उपाध्यक्ष महोदय, यह कोई छोटी काम नही है, यह बहुत बडा काम है। उपाध्यक्ष महोदय, परिवहन के क्षेत्र मे भी

मौजूदा सरकार ने बहुत उन्नति की है। बेरोजगार युवको को मैक्सी कैब परमिट दिये गये है और 125 किलोमीटर तक बसो के परमिट देने का मामला भी सरकार के विचारधीन है। ऐसा करने से बेरोजगारी दूर होगी। हरियाणा प्रदे ा के बेरोजगार युवक इस काम के लिए हरियाणा सरकार का अहसान मानते है और वे इसके लिए हरियाणा सरकार की बडाई भी करते है। उपाध्यक्ष महोदय, मौजूदा सरकार ने पर्यटन के क्षेत्र मे भी काफी उन्नति की है। मौजूदा सरकार ने चालू वर्श के दौरान रिवाडी के पर्यटन केन्द्र मे अतिरिक्त कमरो का निर्माण किया है, इसके लोगो के काफी सुविधा होगी खासतौर से रिवाडी के रहने वालो को। उपाध्यक्ष महोदय, मै आपके माध्यम से कुछ बाते कानून व्यवस्था के बारे मे भी बताना चाहूंगा। कानून व्यवस्था की स्थिति भी हरियाणा प्रदे ा मे ठीक है। मेरे विपक्ष के भाई कह रहे थे कि हरियाणा प्रदे ा मे हैड बांडीज बहुत ज्यादा मिलती है। इस बारे मे मै आपको बताना चाहूंगा कि हरियाणा प्रदे ा का इलाका दिल्ली और राजस्थान से लगता है। दिल्ली और राजस्थान मे जो मर्डर होते है क्रिमिनल लोग उनमे से बहुत सी हैड बांडीज हमारे यहा फैक कर चले जाते है। इस बारे मे यह नही पता चला है कि कौन फैककर जाता है। ऐसे बहुत से केस आये भी है कि हैड बांडी कोई बाहर से फेंककर चला गया। लेकिन फिर भी हरियाणा पद्रे ा मे कानून व्यवस्था की स्थिति ठीक है।

उपाध्यक्ष महोदय, हरियाणा सरकार हरिजन, बैकवर्ड और समाज के गरीब वर्गो पर खास ध्यान दे रही है। इन्हे नौकरियों मे सही आरक्षण दिया जा रहा है जो कि पहली सरकारो ने नही दिया है। उपाध्यक्ष महोदय, हरियाणा के हरिजन और बैकवर्ड भाई आज चौधरी बंसी लाल जी के हाथो मे सुरक्षित है। उपाध्यक्ष महोदय, वित्त मंत्री जी ने 1999–2000 बजट मे 22667 करोड रूपये का घाटा हाने के बावजूद भी कोई नया कर नही लगाया है। बजट मे एक अच्छी बात यही भी है कि बजट घाटे को आर्थिक लचीलेपन व कर चोरी की रोकथाम तथा राजस्व की बकाया वसूली के जरिये पूरा किया जायेगां इसमे कोई भी नया टैक्स नही लगाया गया है। नये बजट मे सरकार ने बिजली, सिचाई, सडको और परिवहन क्षेत्रो को प्राथमिक दी है और अन्य प्राथमिकताओ मे कृशि एवम सबधित सेवाओ तथा व्यावसायिक ि ाक्षा मे विस्तार जैसे मुद्दे भाामिल किये है। किसानो के लिये बिजली, सिचाई, बीजो व उर्वरको आदि पर सबसिडी जारी रखने का प्रावधान किसानो के लिए उत्साहवर्धक है। हरियाणा कृशि प्रधान राज्य होने के कारण सरकार ने किसानो का खास बजट मे रखा है। यह बजट समाज के सभी वर्गो को ध्यान मे रखकर बनाया गया है इस बजट से किसान, व्यापारी, मजदूर, नौकरी पे ाा व्यक्ति, सामज के हर ऊंचे व निम्न वर्ग के व्यक्ति यानी सभी को फायदा होगा। इस कर रहित बजट से समाज के हर वर्ग को राहत मिलेगी। इसके लिये मै वित्त मंत्री जी को अपनी तरफ से और हरियाणा की जनता की तरफ से एक बात फिर बधाई देता

हू और मै फिर से माननीय मुख्यमंत्री जी को एवम वित्त मंत्री जी को, उन अधिकारियो और कर्मचारियो को जिन्होने इस बजट के बनाने मे सहयोग दिया, बधाई देता हू। उपाध्यक्ष महोदय, मै आपको भी धन्यवाद करता हू कि आपने मुझे बोलने का समय दिया।

श्री उपाध्यक्षः श्री जसवन्त सिंह जी, आपका धन्यवाद कि आपने कुछ नई बाते सदन मे रखी।

श्री कपूर चन्द भार्मा (ाहबाद): उपाध्यक्ष महोदय, आपके बजट पर चर्चा करने के लिये जो समय मुझे दिया है, उसके लिये मै आपका आभार प्रकट करता हू। धन्यवाद करता हू। उपाध्यक्ष महोदय, 3 फरवरी को यहां पर वर्श 1999–2000 के लिये जो बजट प्रस्तुत किया गया है उसको ध्यान से सुनने, पढने और मनन करने के प चात् मै इस नतीजे पर पहुचा हू कि हरियाणा का यह कर रहित बजट एक संतुलित समाज के सभी वर्गो को ध्यान मे रखते हुये और कमजोर बुनियादो ढांचे को मजबूत बनाने के लिये तैयार किया गया है। इसके लिये मै हरियाणा के वित्त मंत्री श्री चरणदास जी तथा हरियाणा के मुख्यमंत्री चौधरी बसी लाल जी एवम हरियणा विकास पार्टी तथा भाजपा की गठबन्धन सरकार को बधाई देना चाहता हू और उसका धन्यवाद करता हू। उपाध्यक्ष महोदय, इस सरकार से पहले जो भी सरकार आई उनमे से किसी ने भी बिजली की ओर ध्यान नही दिया जबकि बिजली की मांग दिन प्रतिदिन बढती जा रही थी और आज भी बढ रही है

लेकिन पिछली सरकारो ने सारे हरियाणा प्रदे ा के अन्दर एक भी नया संयत्र बिजली का नही लगाया। जो भी लाईने और जो भी बिजली गांव गांव, देहात देहात मे चौधरी बंसी लाल जी ने भेजी थी उसमे कोई भी विस्तार या विकास नही हुआ। बिजली का कोई भी नया संयत्र नही लगाया गया जबकि बिजली का हा हाकार मची हुई है। जब हम चुनावो के दौरान वोट मांगते थे तो हमारे सामने सबसे प्रमुख समस्या बिजली का मुद्दा था क्योकि आज दे ा मे बिजली का प्रधानता से सब काम हो रहा है। घर मे जो भी काम हो, सिचाई का काम हो, चारा काटने की म ाीन हो, टी0वी0, फ्रिज, कपडे धोने की म ाीन हो, सिलाई की म ाीन, दूध बिलौना, वे सब बिजली से हो रहे है और दिन प्रतिदिन इसकी मांग बढती जा रही है। इसलिये आज बिजली की समस्या अधिक है। आदरणीय चौधरी बंसी लाल जी ने 11 मई, 1996 को भापथ ग्रहण की थी उस दिन से इन्होने बिजली के काम को पूरा करने के लिए बीडा उठाया था। बिजली के बारे मे जो काम इन्होने किए है उनका परिणाम आज हमारे समाने आ रहा है। यह परिणाम सन्तोशजनक है और जनता उनसे सन्तुश्ट हैं। इससे पहले हरियाणा प्रदे ा मे बिजली उत्पादन, प्रसारण और वितरण प्रणाली अव्यवस्थित थी। आदरणीय चौधरी बंसी लाल जी के नेतृत्व वाली हविपा भाजपा गठबंधन सरकार ने प्रदे ा के बिजली उपभोक्ताओ को 24 घंटे बिजली देने की व्यवस्था को और प्रदे ा की जनता को 24 घंटे बिजली देने के अपने वायदे को पूरा किया है। बिजली उत्पादन क्षेत्र मे 1995–96 मे कुल 863 मैगावाट बिजली की

उत्पादन क्षमता थी लेकिन हमारी सरकार ने पिछले 32 महीनो मे लगभग 1200 मैगावाट और बिजली उत्पादन करने के लिए ठोस उपाय किए है। उपाध्यक्ष महोदय, 210 मैगावाट पानीपत तापीय बिजली सयंन्त्र यूनिट–6, राश्ट्रीय तापीय विधुत निगम का फरीदाबाद मे 432 मैगावाट पानीपत तापीय बिजली संयन्त्र, निजी क्षेत्र मे 300 मैगावाट की तरल ईधन क्षमता, पानीपत तापीय बिजलीघर मे 270 मैगावाट बिजली उत्पादन की बढौतरी और भाखडा बिजली घरो का नवीकरण कथा कार्यक्षमता की अवधि बढाना कुछेक ऐसी परियोजनाए हैं जिन पर कार्य किया जा रहा है। हमारी सरकार द्वारा यमुनानगर मे 500 मैगावाट वाले तापीय बिजली उत्पादन केन्द्र के लिए स्वतंत्र बिजली उत्पादक के चयन हेतु वि व निविदांए आमन्त्रित की गई है। उपाध्यक्ष महोदय, वर्श 1998–99 के दौरान पारेशण तथा वितरण प्रणाली को सुदृढ करने की प्रक्रिया मे और तेजी लाई गई। रोहतक मे एक नया 220 के0वी0 वाला उपकेन्द्र, अम्बाला छावनी के औधोगिक क्षेत्र मे 66 के0वी0 वाला उपकेन्द्र धर्मगढ, द्वारका ट्योन्था, माडल टाउन, रिवाडरी मे 33–33 के0वी0 वाले 8 नए बिजली उप केन्द्रो को भाुरू किया गया है। इनके अतिरिक्त 220 के0वी0 वाले 6 नए बिजली उप केन्द्रो को, 132 के0वी0 वाले 9 उप केन्द्रो, 66 के0वी0 वाले 4 उप केन्द्रो, 33 के0वी0 वाले 10 उप केन्द्रो, की क्षमता मे सवर्धन किया गया है। उपाध्यक्ष महोदय, इस दि ाा मे किए गए भरसक प्रयत्नो के परिणामो अब नजर आने लगे है। गत वर्श के दौरान प्रतिदिन 348 लाख यूनिअ की बिजली उपलभ्यता के मुकाबले मे

इस वर्श प्रतिदिन 371 लाख यूनिट बिजली की उपलभ्यता हुई, जो कि 6 प्रति ात से अधिक वृद्धि रही। उपाध्यक्ष महोदय, हम तो अपने चुनावी वायदे पूरे करने मे लगे हुए है। हमने चुनावो के दौरान लोगो से जो वायदे किए थे, उनमे से बहुत से वायदे पूरे भी कर दिए है और जो भोश वायदे है वे आने वाले दो वर्शो मे पूरे कर देगे। हमारी सरकार द्वारा जनता से किया गया कोई भी वायदा बाकी नही रहेगा। उपाध्यक्ष महोदय, मेरे क्षेत्र मे झांसा नगर मे 33 के0वी0 और डंगाली मे 32 के0वी0 सब स्टे ान स्वीकार हुए है जिन पर काम भाुरू हो रहा है। जंहा तक सिचाई का सवाल है हमारे से पहले वाली सरकारो के समय मे हरियाणा प्रदे ा के अन्दर सिंचाई की सुचारू व्यवस्था नही थी।

उपाध्यक्ष महोदय, जून के महीने मे आदरणीय मुख्यमंत्री बंसी लाल जी के साथ मै भी अम्बाला के पास जनसुई हैड से कैथल तक गया था और उस समय नहरो का निरीक्षण किया गया था उस समय पेहवा मे सरस्वती ड्रेन के अन्दर बहुत बडे बडे पेड खडे थे और वह ड्रेन मिट्टी से भरी पडी थी। उस समय इन्होने वहा एक ीयन और एस0डी0ओ0 को बुलाया और कहा कि किनते दिन के बाद इस ड्रेन की सफाई होती है तो उन्होने कहा कि हर पांच साल के बाद इसकी सफाई होती है। उस समय इन्होने जनता से पूछा कि इस ड्रेन मे जो पेड खडे है वे कितने सालो से है। कोई कहता है 10 सालो से कोई कहता है 15 सालो से। जब वे पेड 15 सालो से है तो फिर उस ड्रेन की सफाई पांच साल मे

कैसे होती है। और उसमे पानी कैसे जा सकता था? नहरो की सफाई की तरफ हमारी सरकार द्वारा पूरा ध्यान दिया गया और उनकी सफाई की गई जिसके कारण आज हर नहर की टेल एंड पानी पहुच रहा है। इस वर्श बिजली मे भी काफी अच्छा सुधार किया गया। मेरे क्षेत्र मे जमीदारो को बिजली ठीक ढंग से मिल रही है। सिंचाई का पानी भी अच्छा मिला है वहां पर फसले भी बहुत बढिया हुई है। बिजली मे पहले सुधार है पर्याप्त सुधार नही है। किन्तु सुधार है। आने वाले समय मे हम जमीदारो को पूरी बिजली देगे जिससे जमीदारों को पानी मिलेगा। जब किसानो के टयूबवैल्ज चलेगे तो किसान अपनी बिजाई और कटाई कर पायेगे। जमीदारो को काम मिलेगा और मजदूरो को मजदूरी मिलेगी। आढतियों को आढत मिलेगी जिससे दे ा का उत्थान होगा यानी हमारे किसान हर प्रकार से उन्नत होगे। हमारा यह कदम श्रेश्ठ है। हमारी सरकार हथनीकुण्ड बैराज का भी निर्माण कर रही है। ताजेवाला हैड वर्क्स बहुत पुराना हो चुका था, उसके किनारे जरजर हो चुके थे। वहा पर हर ज्यादा पानी इकट्ठा नही कर सकते थे, इसलिए अब हथनीकुण्ड बैराज का निर्माण किया जा रहा है। इससे हरियाणा प्रदे ा को और मेरे इलाके के लोगो का लाभ होगा। मुख्यमंत्री जब चुनाव से पहले मेरे क्षेत्र मे आए थे तो उस वक्त इन्होने दादूपुर नलवी नहर को बनाये जाने का आ वासन दिया था। उस नहर के बनने का जनता बहुत ही उत्सुकता से प्रतीक्षा कर रही है। मेरी मुख्यमंत्री जी से प्रार्थना है कि इस काम

को सिरे चढाये। **(इस समय सभापतियों की सूची मे से एक सदस्य श्री नृपेन्द्र सिंह पदासीन हुए)**

सभापति महोदय, मेरा कुरूक्षेत्र जिला सबसे ज्यादा पैदावार करने वाला जिला है। यदि जमीदारो को पूरा पानी मिले तो वे और अधिक फसल पैदा कर सकते है। इस वक्त भी हमारा जिला 3–3 फसल पैदा करता है। जीरो की फसल, कनक की फसल और सूरजमुखी की फसल पैदा करता है। इसके अलावा हमारे एरिया मे आलू की फसल और गन्ने की फसल भी बहुत अधिम मात्रा मे पैदा होती है। हमारी जमीन बहुत उपजाऊ है लेकिन वहां पानी की कमी है। हमारे यहां पर पानी की सतह काफी नीचे है। हमारे यहा भााहबाद के साथ मारकंडा नदी बह रही है। वहां पर जो पहले झील थी वह 5500 एकड जमीने मै फैल चुकी है। पिछले दिनो हमने वहा का दौरा किया था। वहां पर 3000 एकड जमीन ऐसी है जिसमे केवल एक ही फसल होती है। मेरा सुझाव है कि सरकार उस जमीन को ऐक्वायर कर के वहां पर एक टैंक बना दे। इस टेंक के बनने से वहां पर पानी रोक जा सकेगा और जो पानी मारकंडा नदी का पजांब से बेकार जा रहा था वह नदी जायेगा और जो पानी इकट्ठा होगा उससे हमारे कुरूक्षेत्र जिले को साल भर पानी मिलता रहेगा। **(इस समय श्री अध्यक्ष पदासीन हुए)**

अध्यक्ष महोदय, अब मै ि ाक्षा के बारे मे कुछ कहना चाहता हू। हमारे ि ाक्षा श्री रामबिलास भार्मा जी स्वंय प्रौफेसर है,

हमारे अध्यक्ष प्रौफेसर है और हमारे उपाध्यक्ष महोदय भी प्रौफेसर है। इसके अलावा हमारे और कई मंत्री व विधायक भी अध्यापक आदि रहे है। यह हमारे सौभाग्य है कि इन सभी का वि ोश ध्यान ि ाक्षा की तरफ है। पिछले साल हरियाणा मे 464 स्कूल अपग्रेड हुए थे। मेरे जिले मे भी 14 स्कूल अपग्रेड हुए थे। इस समय विपक्ष के भाई हमारे सामने नही है। अ ाोक कुमार गाबा, मायना जी व जसविन्द्र सिंह आदि कह रहे थे कि हमारे एरिया मे कोई स्कूल अपग्रेड नही हुए। मै आपके माध्यम से सदन मे बताना चाहूंगा कि पिछले साल पेहवा मे 3, कुरूक्षेत्र मे 5 और भााहबाद मे 7 स्कूल अपग्रेड हुए थे। विपक्ष के भाई एक और एक को दो नही कहेगे बल्कि तीन कहेगे। यह उनकी ठीक बात नही है।

अध्यक्ष महोदय, मई 1996 मे इस सरकार के भापथ ग्रहण करने के बाद काम भाुरू किया था तब से लेकर अब तक सडको की स्थिति को भी सुधारने का वि ोश प्रयास किया है। जून के महीने मे जनसुई हैड से मुख्यमंत्री बसी लाल जी, राजस्व मंत्री श्री सूरजपाल सिंह जी, और पेहवा रैस्ट हाउस मे गए। वहा पर जनता का खुला दरबार लगा। उस वक्त सभी की बाते सुनी गई है। वहा पर जनता ने मांग की कि पेहवा एक ऐसा स्थान है जहां पर हरियाणा और पजांब के कोने कोने से हजारो लोग प्रतिदिन आते है क्योकि यह एक धार्मिक तीर्थ स्थल है। पेहवा मे चैत की अमावस पर बहुत भारी मेला लगता है और लाखो की संख्या मे जनता यहां पर उपस्थित होती है। वहा पर लोगो ने

कहा कि कुरूक्षेत्र से पेहवा तक सडक बहुत खराब है, जर्जर है और उसमे गडढे पडे हुए है तथा किसी भी सरकार ने इस सडक की रिपेयर नही करवाई है। जसविन्द्र सिंह जी ने मांग की और चौधरी बंसी लाल जी ने उनकी मांग को स्वीकार किया और कुछ ही दिनो के बाद कुरूक्षेत्र से पेहवा तक की सडक को तैयार किया। उस सडक पर कुछ नुक्स है जो कि मै जानता हू। ज्योतिसर के पास घग्गर नदी का सैलाब सडक को रहने नही देता है, जोहरा माजरा के पास भी निचाई है इसलिए सडक वहां पर भी ठीक नही है। मुस्तापुर के पास भी सडक मे नुक्स है। वह सडक डेढ उसे दो साल से एक एक किलोमीटर तैयार हुई और आज इतनी बरसात हुई कि हमारे इलाके की कई सडके फिर से टूट गई है। इतना ही नही मेरी सरकार ने भााहबाद से लाडवा तक सडक को नये सिरे से बनवाया तथा बराडा मे भााहबाद तक भी नये सिरे से बनाया गया है। गांवो मे पहुचने के लिए जितने भी लिंक रोड्ज थे सब की रिपेयर की गई है और कुछ नयी सडके भी बनाई गई है। किन्तू इन बारि ाो मे बनी हुई सडको को खराब हुई है उन सब की रिपेयर हो जाएगी। पिछले दिनो हमारे पी0डब्ययू0डी0 मिनिस्टर चौधरी कर्ण सिह दलाल, नलवी मे एक प्रोग्राम मे गए थे और वहां की जनता ने तथा मैने वहा पर रैस्ट हाउस मे उनसे मिल कर यह मांग की थी कि मेरे हल्के की कुछ ऐसी सडके है जो कि बननी चाहिए। उन्होने सभी सडको को बनाना स्वीकार किया। मेरी सबसे पहली और वि ोश मांग है कि भााहबाद रेलवे फाटक से खोल इस्माईलाबाद जो सडक जाती है

उस पर रेलवे का फाट पडता है। यह डबल रेवले लाईन है और बिजली से चलने वाली गाडिया भी इस लाईन पर चलती है जिसके कारण फाटक आधा घण्टा तक बन्द रहता है। अध्यक्ष महोदय, देहात से आने वाले कई मरीज, कोई डिलवरी केस हो या किसी को चोट आदि लग जाए और खून बह रहा हो अगर उसको फाटक पर आधा घण्टा रूकना पडे तो उस पर क्या बीतेगी। सरकार से मांग है कि उस पुल के नीचे से पहले भी कच्चा रोड बना हुआ था अब भी वहां पर रोड बना दिया जाए जिससे कार, स्कूटर, साईकिल, रेहडा आदि वाहन वहा से जा सके और लोगो को किसी प्रकार की कोई असुविधा न हो ताकि वे बीमार या चोट लगे हुए व्यक्ति को अस्पताल मे ठीक ढग से पहुचा सके। मेरी यहं मांग है कि यह सडक तुरन्त बननी चाहिए। अध्यक्ष महोदय, ि ाक्षा विभाग मे मेरा सम्बन्ध है । हरियाणा मे ि ाक्षा के पाठ्यक्रम मे चरित्र निर्माण के लिए, दे ा भक्ति निर्माण के लिए, अपने कर्त्वय का पालन करने के लिए अपने ऋशिमुनियों और पूर्वजो के सस्कारो का हम ध्यान रखे। श्रीमद् भागवत् गीता, रामायण, सत्यार्थ प्रका ा, गुरू ग्रन्थ साहब और कुरान भारीफ जैसे ग्रन्थो को पाठ्यक्रम मे भाामिल किया जाना चाहिए। इससे जनता को लाभ होगा और आने वाली पीढियो को भी इससे लाभ होगा। चरित्र निर्माण के लिए कहा जाता था

विधा दधाति विनियम, विनय दधाति पात्रतम

पात्रता दधाति धनम धना धर्मसतया सुखम।

अर्थात विधा से नम्रता प्राप्त होती है, नम्रता से पात्रता प्राप्त होती है, पात्रता से धन प्राप्त होता है और धन से धर्म होता है। आज की विधा पा चात्य संस्कृति और पा चात्य सभयता आज हमे यह सब नही सिखाती है। यही कारण है कि आज हमारा चारित्र दिन प्रति दिन गिरता जा रहा है। जब तक चरित्र नही होगा तब तक दे ा दृढ नही होगा। चरित्र होगा तो दे ा दृढ होगा। अपने कर्त्वय का पालन और भारतीय भूमि के प्रति हमारी आस्था होनी चाहिए। आज हम स्वतन्त्र है, आजाद है और यहां पर विधान सभा मे बैठे हुए है, इस आजादी के लिए अनेको भाहीदो ने कुर्बोनियां दी और फांसी के फंदे को चूमा तब जा कर यह दिन हमे देखने को मिला है। आज मेरे विपक्ष के भाई यहां पर नही है। अध्यक्ष महोदय, इस विधान सभा मे बैठकर हमे अपने कर्तव्यो का पालन करना है। हमे सबा डेढ लाख लोगो ने चुनकर भेजा है। उन्होने हम मे कुछ गुण देख है और हमे उन गुणो को कायम रखना चाहिए। हमे न्याय की तरफ चलना चाहिए और सच्चाई का पालन करना चाहिए। असत्य बातो का यहा पर नही करना चाहिए। मुझे एक वृतान्त याद आया। आजकल सती का रिवाज तो नही है पहले समय मे जब राजा महाराजा होते थे जब उन पर आक्रमण होता था और कोई राजा या महाराजा मारा जाता था तो उसकी रानी अपनी इज्जत बचाने के लिए सती हो जाती थी। अध्यक्ष महोदय, उस समय एक स्त्री हुआ करती थी उसका नाम जलैला था। उसके घर के साथ अगर कभी किसी पडौसी मे कोई भाादी, कोई बैठ या दूसरा कोई फंक ान होता था तो वह अपने घर मे

बैठे बैठे जला करती थी दूसरो की खु ाी से ईर्श्या किया करती थी। इसी तरह हमारे विपक्ष के नेता हमारी तरक्की से, हमारी प्र ांसा से जलते है। आज बी0जे0पी0 और एच0वी0पी0 की जो छवि विकसित हो रही है उसको सहन नही कर सकते है इसलिए वहां पर वे इसी तरह की बाते करते है। अध्यक्ष महोदय, एक बार सती का मेला था और गांव के सब लोग वहा पर गए। जब से वहां से आ रहे थे तो सिकी के गले मे माला थी, किसी के पास बाजा था और दूसरी चीजे थी तो वह जलैला अपने घर के बाहर खडी थी। उसने पडोसन से पूछा की ये सब कहां से आ रहे है तो उस पडौसन ने बताया कि से सती के मेले से आ रहे है। उस जलैला ने कहा कि वह तो एक बार सती हुई मै तो रोज सती होती हू। हर रोज दूसरो की खु ाी से जलती हू। इसी तरह से विरोधी पक्ष के विचार भाव है। अध्यक्ष महोदय, गवर्नर साहब के अभिभाशण पर यहां पर तीन दिन चर्चा चली और व भाई घंटा घटा और सवा सवा घंटा यहा पर उस चर्चा पर बोले। अध्यक्ष महोदय, आपने भी उनके प्रति नर्म रूख रखते हुए उनको बोलने का मौका दिया लेकिन वे अपनी आदतो से नही माने। अध्यक्ष महोदय, एक और एक तीन नही हो सकते है। आज भी अध्यक्ष महोदय, उनको आपने बडी ही उदारता से सदन मे आने को कहा लेकिन वे यहा पर नही आए। अध्यक्ष महोदय, विपक्ष का कर्त्वया है कि सुनो और सुनाओ लेकिन वे विपक्ष वाले सुनाते है, सुनते नही। अध्यक्ष महोदय, अब मै स्वास्थय मंत्री महोदय का ध्यान आयुर्वेद की तरफ दिलाना चाहूगां। आज दे ा मे आयुर्वेद पद्धति की

अधिक मांग है, इच्छा है। इसकी इतनी दवाइयां तैयार नही होती जितनी की इनकी जनता मे मांग है।

'धर्म बचे और धन बचे, सहज सुलभ उपाय,

साथी सेवा दे ा की, दे ी औशध खाए।

अध्यक्ष महोदय, दे ी औशध जो है किसी भी प्रकार से रिएक ान नही करती है और समूल रोग को नश्ट करती है। हमारे यहा लिखा है:–

''क यधि रोगो रोगस्य, हेत्र भृतवः प्रसायमति,

न प्रसयमति चापयंतो हेतु अर्थम गुरदेवज्य।

अध्यक्ष महोदय, बहुत से एलोपैथिक औशधियां ऐसी है जो एक रोग को खत्म करती है और दूसरे रोग को पैदा करती है। डाक्टर जो मलेरिया मे गोली देते है उससे मलेरिया तो ठीक हो जाता है लेकिन फिर पीलिया हो जाएगा। जितनी भी ऐंटिसैप्टिक गोलिया देते है उससे टटियां लगा जाएगी। हमारी आयुर्वेदिक दवाई किसी तरह से भी रिएक ान नही करती है। मेरा सरकार से अनुरोध है कि आयुर्वेद की तरफ वि ोश ध्यान दे। सरकार को आयुर्वेद के कालेज खोलने चाहिए, आयुर्वेद की डिस्पैसरिंया भी खोलनी जरूरी है जो कि बहुत कम है। अध्यक्ष महोदय, आयुर्वेद की दवाइंया सबसे सस्ती पडती है और मार्किट मे सुलभ होती है। अध्यक्ष महोदय, इससे जनता को, गरीब आदमी

को बहुत ही लाभ पहुचां है। लेकिन जब हम यह औशधियां मगवाते है तो इसके लिए टैडर होते है और टैडर फ्लोट से माल सही मिल नही सकता। चूंकि आयुर्वेद से मेरा संबध है इसलिए मै आपको बताना चाहता हू कि सितोप्लादि औशधि 280 रूपये से कम नही पड सकती।

श्री अध्यक्षः वैध जी, इन औशधियो के बारे मे स्वास्थय मंत्री महोदय को भी आप बताया करो।

श्री कपूर चन्द भार्माः अध्यक्ष महोदय, मै बता रहा हू कि यह सितोप्लादि औशधि 280 रूपये से कम पर नही मिलती लेकिन हमारे मंत्री महोदय ने यह 129 रूपये किलो के हिसाब से खरीदी है। अगर ऐसा होगा तो ये क्या काम करेगे। इससे तो हमारी भी बदनामी होगी, आयुर्वेद की भी बदमानी होगी और सरकार की भी बदनामी होगी इसलिए मै सरकार से कहना चाहूंगा कि इन औशधियो को खरीदते समय अच्छी अच्छी कम्पनियों की दवाइयों का ध्यान रखना चाहिए और अच्छी दवाइंया ही लेनी चाहिए। स्वास्थय मंत्री श्री ओ0पी0 महाजन जी यहां पर बैठे हुए नही है लेकिन यह मेरा उनको सुझाव है। इसके अलावा ढाढसा गांव के प्राईमरी हैल्थ सैटंर की बिल्डिंग है, अध्यक्ष महोदय, वह बात पुरानी हो गयी है जिसके कारण वह लटक चुकी है इसलिए वहा पर बैठने के लिए भी जगह नही है। जब वहां पर बिल्डिंग का यह हाल है तो वहां लोगो को स्वास्थय क्या मिलेगा। वहा पर तो जान का खतरा है। इसलिए मै सरकार से मांग करूंगा कि उस बिल्डिंग

की रिपेयर होनी चाहिए उसका सुधार होना चाहिए। इसी तरह से झांसा गांव वालो ने एक बिल्डिंग तैयार की है वहां पर उसका फ र्ा लग चुका है, किवाड लग चुके है और वह बिल्डिंग कम्पलीट है इसलिए वहां, पर भी एक हैल्थ सैटर होना चाहिए यह मेरी सरकार से मांग है। इसके साथ ही अध्यक्ष महोदय, कुछ और प्र ान मै अपने क्षेत्र से सबंधित आपके सामने रखना चाहता हू। मेरा इलाका भी फल्ड से प्रभावित रहा है। भााहबाद विधान सभा क्षेत्र मे लगभग 23 गांव यानी रावा, लाण्डी, बसन्तपुर, अजरावर, रामनगर, गोरीपुर, नाहर माजरा, जैनपुर, सैनीमाजरा, मन्देहडी और बाबकपुर आदि ऐसे गांव है जो प्रति वर्श बाढ से प्रकोप से प्रभावित रहते है जिसके परिणामस्वरूप वहा पर फसलो का नुकसान होता है। यह बाढ से बचाने के लिए उस के पास क्या योजना है? मेरी सरकार से मांग भी है कि इस समस्या की तरफ अतिरिक्त ध्यान दिया जाए और इन गावों को बाढ से बचाया जाए। मै इस बार मे मुख्यमंत्री जी से मिला था इसलिए उनको इस बारे मे पता है। अतः सरकार इस और ध्यान देकर हर साल होने वाले नुकसान को खत्म करे और इन गावों की सुरक्षा करे। वहां पर जान और माल की रक्षा की जाए। अध्यक्ष महोदय, इसके साथ ही मै अधिक समय न लेता हुआ वित्त मंत्री जी का बहुत बहुत धन्यवाद करता हू कि उन्होने एक बहुत ही सुदंर, बहुत ही अच्छा बजट हरियाणा की जनता के हितो को देखते हुए इस सदन मे प्रस्तुत किया है। इसके साथ मै चौधरी बंसी लाल जी का भी धन्यवाद करता हू कि उनके नेतृत्व मे भारतीय जनता पार्टी और

हरियाणा विकास पार्टी ने यहां पर एक कर रहित बजट पे ा किया है। मै इस बजट का अनुमोदन करता हू समर्थन करता हू और पुनः सबका धन्यवाद करता हू। जय हिन्द।

परिवहन मंत्री (श्री कृश्ण पाल गुज्जर): धन्यवाद अध्यक्ष महोदय, सर्वप्रथन 3 फरवरी, 1999 को जो हरियाणा का बजट प्रस्तुत हुआ उसके लिए मै वित्तमंत्री जी को और खास तौर से चौधरी बंसी लाल जी को बधाई देता हू और उसका धन्यवाद करता हू कि उन्होने हरियाणा की जनता की भलाई के लिए एक अच्छा विकासोन्मुख बजट पे ा किया। अध्यक्ष महोदय, आप जानते है कि 11 मई, 1996 को अब चौधरी बसी लाल जी के नेतृत्व मे हविपा भाजपा सरकार ने हरियाणा का कार्यभार संभाला उस समय हमे विरासत मे जर्जर और टूटा फूटा हरियाणा मिला था। उस समय बिजली नाम की चीज प्रदे ा मे नही थी, कंही पर भी ट्रासफार्मर नही थे और यदि ट्रासफार्मर थे तो तार नही थी। इसी तरह से ि ाक्षा के क्षेत्र मे स्कूल थे तो ि ाक्षक नही थे, ि ाक्षक थे तो स्कूल नही थे, स्वास्थय के क्षेत्र मे डाक्टर थे तो दवाईया नही थी, अस्पताल नही थे। इसी तरह से कानून व्यवस्था की स्थिति खराब थी, महिलाओ की इज्जत के साथ सरे आम खिलवाड होता था और उनकी सुरक्षा का कोई उपाय नही था, कही पर भी किसी के जीवन पर कब आफत आ जाए कोई भरोसा नही था, जमीनो पर कब्जे होते थे। एक तरह से हरियाणा मे जंगल राज था लेकिन सत्ता सभांलने के बाद चौधरी बंसी लाल

जी के नेतृत्व मे इस सरकार ने हरियाणा के चहुमुखी विकास के लिए विभिन्न योजनांए बनाई और उन्ही योजनाओ के फलस्वरूप आज हरियाणा मे चारो तरफ विकास के कार्य चल रहे है। अध्यक्ष महोदय, आज जानते है कि हरियाणा के हर क्षेत्र मे बिजली की खपत बढी क्योकि आबादी बढी है, भाहर बढे है, कारखाने बढे है, कालोनियो बढी है। लेकिन उस अनुपात मे हरियाणा मे बिजली का उत्पादन नही बढा। आप जानते है कि जब बिजली की खपत बढेगी और उत्पादन नही बढेगा तो बिजली की हालत और बुरी हो सकती है और उसका खामियाजा हरियाणा की जनता को भी भुगतना पडेगा। हरियाणा मे पिछले 20–25 सालो मे बिजली के उत्पादन की और कोई ध्यान नही दिया गया जिसके फलस्वरूप हरियाणा मे बिजली का संकट गहराता चला गया लेकिन चौधरी बंसी लाल जी के सत्ता सभालते ही हरियाणा मे बिजली के सुधारीकरण के विभिन्न उपाय किए गए और आज उसी का नतीजा है कि फरीदाबाद मे 432 मेगावाट, पानीपत मे 110 मेगावाट की चार यूनिटो का सुधारीकरण, 210 मेगावाट की छठी यूनिट का काम चलना और हिसार मे 25–25 मेगावाट के प्लांट लगने से बिजली के क्षेत्र मे क्रान्ति आई और यह क्रान्ति चौधरी बंसी लाल जी लाए। **(इस समय सभापतियों की सूची मे से एक माननीय सदस्य श्री नृपेन्द्र सिंह पदासीन हुए।)** सभापति महोदय, आप जानते है कि बिजली के बगैर किसी भी प्रदे ा के विकास की कल्पना नही हो सकती। बिजली होगी तो किसान के खेत को पानी मिलेगा, पानी मिलेगा तो किसान के खेत मे फसल होगी,

फसल पैदा होगी तो मंडी मे जाएगी, मंडी मे फसल जाएगी तो किसान के घर पैसा आएगा, बिजली होगी तो कारखाने चलेगे, कारखाने चलेगे तो रोजगार मिलेगा और हरियाणा को राजस्व मिलेगा, राजस्व मिलेगा तो विकास पर खर्च होगा यानि बिजली होगी तो चारो तरफ से प्रदे ा का चहुमुखी विकास होगा। बिजली के क्षेत्र मे क्रांन्ति लाने के लिए हरियणा की जनता से चौधरी बसी लाल जी ने जो चुनाव वायदे किए थे कि 24 घण्टे बिजली देगे, वह वायदा जुलाई, 1999 से पूरा होने जा रहा है उसके लिए मै उनका धन्यवाद करता हू। सभापति महोदय, इसके अलावा सिंचाई के क्षेत्र मे आप जानते है कि हरियाणा की नहरो की क्या हालत थी? सारी नहरे गाद से भरी हुई थी। दस दस साल से नहरो मे पेडो की कटाई नही हुई थी जिसकी वजह से टेल तक पानी नही पहुंचता था। लेकिन इस सरकार के आने के बाद नहरो को सफाई हुई, नई नहरे बनी और इनमे से पेडो को हटाया गया जिससे हरियाणा के कृशि क्षेत्र मे क्रान्ति आई और उसकी बदौलत 7 लाख एकड क्षेत्र मे सिचाई की सुविधा मिली। सभापति महोदय, ि ाक्षा के क्षेत्र मे मै बताना चाहता हू कि पिछली सरकार के समय मे जंहां स्कूल थे वहां ि ाक्षक नही थे और जहां ि ाक्षक थे वहां स्कूल नही थ। वर्तमान सरकार ने 700–800 अध्यापको की नियुक्ति की है। 474 स्कूलो को अपग्रेड किया है। माननीय ि ाक्षा मंत्री महोदय श्री राम बिलास भार्मा जी के नेतृत्व मे ि ाक्षा विभाग ने जो उन्नति की है उसके लिए वे बधाई के पात्र है। उन्ही की बदौलत ि ाक्षा बोर्ड के रिजल्ट पिछले परिणामो से अच्छे आये है।

जहां तक कानून व्यवस्था की बात है। पिछली सरकारो के समय मे किसी की भी इज्जर सुरक्षित नही थी। न महिलाओ की, न अधिकारियो की, न किसानो की और न व्यापारियो की। उस समय निहत्थे किसानो पर सरेआम गोलियां चलाई जाती थी। जब किसान अपने लिए बिजली पानी की माग करते सरेआम गोलियां चलाई जाती थी। उधोगपतियो से सरेआम पैसे लिये जाते थे। अगर वै पैसे नही देते थे तो उनके ट्रक खीच कर ले जाते थे। किसी भी उधोगपति की इज्जत सुरक्षित नही थी। माहवार उनसे लाखो रूपये वसूलते थे। लेकिन आज चौधरी बसी लाल जी की सरकार ने फरीदाबाद के लोग चैन की सांस ले रहे है। किसी भी उधोगपति से चन्दे के रूप मे एक पैसा भी नही लिया जाता है। लेकिन कांग्रेस की सरकार मे कभी चन्दे के नाम पर, कभी चुनाव के नाम पर और कभी कांग्रेस पार्टी के अधिवे ान के नाम पर पैसा बटौरा जाता था। एक बात सुरजकुण्ड के अधिवे ान के लिए कांग्रेस पार्टी वालो ने वहां के व्यापारियों से चन्दे की वसूली ंकी थी उन्होने कहा था कि यदि चन्दे का पैसा दे दोगे तो बाद मे हम ट्रक यूनियनो को खत्म कर देगे। जब अधिवे ान खत्म हुआ तो वहां के उधोगपति भजन लाल जी से मिले और उन्होने कहा कि ट्रक यूनियन समाप्त कर दीजिए। तक चौधरी भजन लाल जी ने कहा था कि कौन सा वायदा, अधिवे ान खत्म तो पैसा हजम, जाओ अपना काम करो। इस तरह से उस समय व्यापारियों और उधोगपतियों को लानत दी जाती थी और बेइज्जत किया जाता था। लेकिन अब वहां के उधोगपति आज चैन की सांस ले रहे है।

कांग्रेस की सरकार ने जब हुडा के प्लाट्स की नीलामी होती थी तो सरेआम अपने गुण्डा को वहां पर लाकर अपने चहेतो को सस्ते दामो पर प्लाट दिये जाते थे। चाहे वे हुडा कैम्पलैक्स के प्लाट्स हो, चाहे एस0सी0ओ0 के प्लाट्स हो। उस समय करोडो के प्लाट्स लाखो रूपये मे दिये जाते थे। जब रक्षक की भक्षक हो जाये तो वह प्रदे ा कैसे चल सकता है? फरीदाबाद मे उस समय सरेआम गुण्डागर्दी, डकैती और लूटमार होती थी। **(इस समय श्री अध्यक्ष पदासीन हुए)** आज चौधरी बसी लाल जी के नेतृत्व की सरकार मे फरीदाबाद मे कोई भी ऐसा आदमी नही मिलेगा जो यह कह सके कि मेरी जमीन पर जबरदस्ती कब्जा है या हुडा प्लाट्स की नीलामी जबरदस्ती की गई है। यह सरकार की कार्यकु ालता और कार्यप्रणाली का परिणाम है। अध्यक्ष महोदय, उस समय की सरकार मे नौकरियां योग्यता के आधार पर न देकर सिफारि ा के आधार पर दी जाती थी जिसकी वजह से हाई कोर्ट ने भी कई नौकरियां रद्द की। हुडा के प्लाट्स के बारे आप को मालूम ही है कि अपने हाथो अपने चहेतो को प्लाट्स लुटाये जाते थे और 5000 रूपये गज के प्लाट 100 रूपये गज के हिसाब से अपने चहेतो को दिये जाते थे और इस प्रदे ा की जनता की खून पसीने की कमाई को दोनो हाथो से लूटा जाता था। लेकिन जब चौधरी बंसी लाल के नेतृत्व मे यह सरकार बनी है, तब से इस प्रदे ा मे भ्रश्टाचार का एक भी उदाहरण देखने को नही मिला है। किसी मंत्री या किसी और आदमी को हुडा के प्लांट की स्वैच्छिक कोटे से अलांटमैट नही की गई है। यह भ्रश्टाचार को

रोकने के लिए एक बहुत बडा कदम है। विपक्ष के भाई कह रहे थे कि नौकरियो मे हेराफेरी होती है। मै उनसे बताना चाहता हू कि चाहे अध्यापको की भर्ती की बात है, चाहे पुलिस की भर्ती की बात है या चाहे हरियाणा स्टाफ सिलैक ान कमी ान द्वारा भर्ती की बात है, सभी नौकरियो का रिकार्ड कप्यूटराइज्ड है जिसको दस साल तक कोई भी देख सकता है। आज हरियाणा मे नौकरियों का रिकार्ड कंप्यूटराइज्ड है जिसको दस साल तक कोई भी देख सकताा है। आज हरियाणा मे नौकरियो योग्यता के आधार पर दी जाती है, सिफारि ा व पैसे के बलबूते पर नही। यह एक बहुत बडी उपलब्धि है। जब विपक्ष के भाई बोल रहे थे तो मैने उनसे पूछा कि पिछली सरकारो ने नौकरियो मे हमे ाा ही अलग अलग क्षेत्रो के साथ भेदभाव क्यो किया है? उस समय हर जिले को नौकरियो मे प्रतिनिधित्व नही दिया जाता था। इसका अकेला आदमपुर हल्का एक उदाहरण है, जिसके नौजवान हरियाणा के आधे हिस्से की नौकरियां प्रदान की गई है तथा बाकी आधे हिस्से मे हरियाणा की सारी जनता को रखा गया है। परिणामस्वरूप आज आदमपुर हल्क से 26000 नौजवान सरकारी नौकरियो मे है। जब यह अन्याय हो रहा था तो उस समय किसी भी इस अन्याय के खिलाफ अपनी आवाज नही उठाई थी। लेकिन चौधरी बंसी लाल की सरकार ने सभी को बराबर का प्रतिनिधित्व दिया है, किसी क्षेत्र वि ोश के साथ कोई भेदभाव नही किया है। इसलिए यह सरकार भलाई की पात्र है। अध्यक्ष महोदय, हमे सडके जर्जर हालत मे मिली थी। पिछली सरकारो ने न कोई सडके बनवाई और न ही

सडको की कोई मरम्मत करवाई। लेकिन इस सरकार ने इस कार्य के लिए 400 करोड रूपये का बजट मे प्रावधान रखा है जिससे 65 किलोमीटर के एरिया की नई सडके बनाई जाएगी और 2520 किलोमीटर एरिया की सडको की मरम्मत की जाएगी यानि हरियाणा प्रदे ा मे अब सडको के क्षेत्र मे भी क्रांति हो रही है। हरियाणा के हर गांव मे बिजली सडके पहुचाना, हस्पतालो, ि ाक्षा इत्यादी का प्रबध चौधरी बसी लाल जी की ही बदौलत हुआ था। आज फिर हरियाणा की बागडोर उनके हाथो मे आने के बाद हरियाणा का नाम हिन्दुस्तान मे उसी तरह चरम सीमा पर है जैसे कि पहले उनके भाासनकाल मे हुआ करता था। मुझे पूर्ण वि वास है कि हरियाणा प्रदे ा मे सडको के क्षेत्र मे दुबारा से क्रांति होगी और नई सडके बनाने व पुरानी सडको की मरम्मत का कार्य जल्द ही पूर्ण होगा।

अध्यक्ष महोदय, अब मै परिवहन के बारे मे कुछ बाते कहना चाहूगा। हरियाणा मे हरियाणा रोडवेज की 3801 बसे है। हम ने अपने चुनावी वायदो मे संकल्प लिया था कि हम सहकारी समितियों के माध्यम से बेरोजगार नौजवान को रूट्स परमिट्स देकर उनको रोजगार मुहैया करवाएगे। हम बहुत जल्दीी ही 418 मार्गो के लिए 699 रूट्स परमिट्स बेरोजगार नौजवानो को प्रदान करने जा रहे है।

अध्यक्ष महोदय, जन स्वास्थय के क्षेत्र मे वर्श 1998–99 के दौरान, 550 गावो मे पेयजल आपूर्ति बढाकर 40 से 55 लीटर

पानी प्रति व्यक्ति प्रतिदिन तक करने का प्रस्ताव था तथा इस लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए राज्य न्यून्तम आव यकता कार्यक्रम के अंतर्गत 2960 करोड रूपय की रा ि ा निर्धारित की गई थी। दिसम्बर, 1998 तक 340 गावो मे जल आपूर्ति 40 से 55 लीटर पानी प्रति व्यक्ति प्रतिदिन तक बढा दी गई है और वर्श 1999–2000 के दौरान 550 और गांवो मे जल आपूर्ति बढाकर 40 से 55 लीटर पानी प्रति व्यक्ति प्रतिदिन तक किए जाने का प्रस्ताव है। इस लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए राज्य की योजना मे 30 करोड रूपए की रा ि ा निर्धारित की गई है।

अध्यक्ष महोदय, परिवहन विभाग मे हमे लगभग 60 करोड रूपए प्राप्त हुए जिन मे से 56 प्रति ात तो पाचवे वेतन आयोग की रिपोर्ट लागू होने के उपरांत कर्मचारियो को दिए है।

अध्यक्ष महोदय, इसी प्रकार से स्वास्थ्य के क्षेत्र मे प्रदे ा मे वर्श 1998 मे डेगू रोग फेलने की कोई सूचना नही है। पहले हरियाणा मे डेंगू रोग फेला था लेकिन माननीय स्वास्थय मंत्री इस के लिए प्र ांसा के पात्र है कि 1998 मे एक भी केस डेगूं का नोटिस मे नही आया है। मलेरिया के केसिज मे वर्श 1997 की तुलना मे 1998 के दौरान 82.7 प्रति ात की कमी आई है ''प्लस पोलियो कार्यक्रम'' राज्य मे बहुत अच्छे ढंग से चल रहा है तथा दिसम्बर, 1998 मे हमारी 110 प्रति ात् उपलब्धि थी। इस कार्यक्रम को चलाने के लिए हमारे प्रदे ा का भारत मे चौथा स्थान है। अध्यक्ष महोदय, हमारी सरकार ने जनता के लिए जगह

जगह पर स्वास्थय केन्द्र खोले है और इनमे दवाईयो का इंतजाम किया है। इसी तरह से चौकीदारो का चौकीदारी भता 100 रूपये से बढाकर 400 रूपये और स्वन्त्रता सेनानियो की पैं ान 1000 रूपये से बढाकर 1400 रूपये कर दी गई है। अध्यक्ष महोदय, चौधरी बसी लाल जी की सरकार ने किसानो को भी गन्ने का भाव 95 प्रति क्विंटल दिलवायाा ह। सर, इस तहर से हम देखते है कि चौधरी बंसी लाल जी की सरकार ने अपनी योजनओ के द्वारा हर क्षेत्र का विकास किया है। अध्यक्ष महोदय, जब चौधरी बंसी लाल जी ने हरियाणा की सत्ता सभांली थी उस समय हरियाणा की हालत बहुत खराब थी लेकिन चौधरी बंसी लाल जी ने बडे ही धैर्य से अपनी योजनओ पर अमल किया और हरियाणा प्रदे ा मे बडी तेजी से विकास के काम भाुरू किये। हमे वि वास है कि बहुत जल्दी हरियाणा अपने पहले वाली स्थिति मे पहुंच जायेगा। अध्यक्ष महोदय, जैसा कि आप भी जानते है कि आज हरियाणा के साथ लगते प्रदे ाो की अर्थव्यवस्था बहुत खराब है लेकिन चौधरी बंसी लाल जी ने हरियाणा प्रदे ा की अर्थव्यवस्था मे बहुत सुधार किया है। अध्यक्ष महोदय, मै अंत मे श्री चरण दास भाोरेवाला जी को एक कर रहित बजट पे ा करने के लिए बधाई देता हू और साथ मे हरियाणा प्रदे ा के मुख्यमंत्री जी को बधाई देता हू कि उनके नेतृत्व मे वित मंत्री महोदय ने बहुत ही अच्छा बजट पे ा किया। धन्यवाद।

बैठक का समय बढाना

Mr. Speaker: It is the sense of the House that the time of the House be extended for 15 minutes.

Voices: Yes

Mr. Speaker: Time of the House is extended with the consent of the House for 15 minutes.

वर्श 1999–2000 के बजट पर सामान्य चर्चा (पुररारम्भ)

मुख्यमंत्री (श्री बसी लाल): अध्यक्ष महोदय, बडे दुख की बात है कि मेरे विपक्ष के भाई यहां हाउस मे नही बैठे है। सदन मे दो पक्ष होते है एक सता पक्ष और दूसरा विपक्ष। सदन को चलाने की जिम्मेवारी इन दोनो ही पक्षो की होती है। जिस तरह का व्यवहार मेरे विपक्ष के भाईयो का यहां हाउस मे रहा है उससे न हाउस का फायदा हुआ है न ही जनता का। अध्यक्ष महोदय, मेरे विपक्ष के भाई मसल पावर के द्वारा इस हाउस को चलाना चाहते है। अध्यक्ष महोदय, आपने तो सिर्फ विपक्ष के 9 सदस्यो को सस्पैड किया था लेकिन उनके बाकी 26 सदस्य तो अपने विचार इस हाउस मे रख सकते थे। किन्तु वे भी हाउस को छोडकर चले गये। उन्होने अपने हल्के की कोई भी बात नही कही, जबकि हम उनकी बातो को सुनने के लिए तैयार थे। अध्यक्ष महोदय, हमने कल भी और परसों भी उनको कहा था कि वे अपनी बात कहे लेनिक उन्होने अपनी बातो नही कही। आपने भी इस बारे मे उनसे कहा था लेकिन उन्होने किसी भी बात नही मानी तो हम क्या कर सकते है। अध्यक्ष महोदय, मेरे विपक्ष के भाईयो ने कहा कि हम

सदन को चलाने नही देगे लेकिन इस तरह की बात तो कोई भी सदन सहन नही करेगा। आज कांग्रेस के सदस्य सदन मे आये थे और उनमे 4–5 भाईयो ने अपने विचार भी रखे। स्पीकर साहब, आपने और हमने भी उनसे प्रार्थना की थी कि वे डिबेट मे हिस्सा ले, मगर यदि वे अपनी मर्जी से चले गये तो सदन, हम और आप इस मे क्या कर? अध्यक्ष महोदय, अगर मेरे विपक्ष के भाई ऐसा करेगे तो इससे किसी को भी लाभ होना वाला नही है। अध्यक्ष महोदय, आपसे 26 सदस्यो को बोलने की इजाजत दी थी लेकिन यदिवे भी इस हाउस मे बोलने के लिए नही आये तो उनका हम क्या करे? उनका इलाज न आपके पास है और न हमारे पास है। मेरे कहने का मतलब यह है कि उनका इलाज किसी के पास भी नही है। वे तो जनता को यह कहकर आये थे कि हम जीत ही सरकार को तोड देगे। अध्यक्ष महोदय, अगर उनके पास सरकार को तोडने की भाक्ति थी तो एक घंटे मे मेरा भाशण समाप्त हो जाता और वे सरकार तोड देते। लेकिन वास्तविकता तो यह है कि उनके पास सरकार को तोडने की भाक्ति नही है। अध्यक्ष महोदय, मेरे विरोधी भाईयो का इस तरह का कंडैक्ट ठीक नही था। अध्यक्ष महोदय, इसके बाद सदन से बाहर श्री ओमप्रका चौटाला जी ने प्रैस वालो को यह भी कहा कि अभी तो हरियाणा का ऐनुबल बजट प्लांनिग कमी ान से डिसकस नही हुआ है। और बगैर उससे डिसकस हुए बजट सदन मे पे ा कर सकते है ?

14.00 बजे

अध्यक्ष महोदय, पिछले साल हमने इसी सदन मे जुलाई मे बजट पास किया था जबकि प्लांनिंग कमी ान से हमने ऐनुबल बजट 9—9—1998 को डिसकस किया था। प्लांनिग कमी ान वाले हमे तारीख देते रहे और आगे सरकाते रहे। इसलिये जो बजट हमने जुलाई मे पास किया उसे सितम्बर मे जाकर प्लांनिग कमी ान ने हमारे साथ डिसकस किया। अध्यक्ष महोदय, इस साल की जो हमारी ऐनुबल प्लान प्रोपजल है वह हमने प्लांनिंग कमी ान को भेज दी है और हमारे सैक्रेटरी (प्लानिंग डिपार्टमैंट) की उनसे डिसक ान भी हो गई है। यहां तक कि उनका टेलीग्राम भी आ गया है जिसमे लिखा है कि

"Planning Commission has received the letter No. ESA (Plg)-99/- 1626 dated 27-1-1999 from the Financial Commissioner and Secretary (Plg Deptt), Govt. of Haryana conveying the decsion of the State Government regarding the Size of their Annual Paln 1999-2000 to be Rs. 2300 crore.

Since no meeting between Deputy Chariman, Planning Commission and Chief Minister of the State regarding finalisation of the size of Annual Paln 1999-2000 of Hayana has been held so fair."

The Planning Commission has noted this. They received our proposals. Our Finance Secretary has talked to them and we will go on talking to them. हो सकता है कि वे महीने या दो महीनो मे डिसकस कर ले क्योकि पिछले साल भी प्लांनिग कमी ान ने ही लेट डिसकस किया था। उससे पहले भी

जब कांग्रेस की सरकार थी तो 1996–97 का बजट फरवरी मे पास हो गया था जबकि प्लांनिग कमी ान से अक्तूबर मे जाकर डिसकस हुआ था। प्लांनिग अपने हिसाब से काम करता है। अध्यक्ष महोदय, वर्ल्ड वाइड मार्किट मे रिसैसे ान आई हुई है और भारत सरकार की इन्कम के भी समीकरण बदल रहे है इसलिये ऐनुबल प्लान तो डिसकस करने मे टाईम लगेगा। हमारे सामने ऐसी अनेको मिसाले है कि बजट पहले पास हुआ और उसके कई कई महीने बाद प्लांनिंग कमी ान से ऐनुबल प्लान डिसकस हुआ। इसलिए विपक्ष के साथी इस तरह की जो बाते करते है वे जानबूझ कर करते है लेकिन उन भाईयो को यह पता नही कि आगे कांस्टीच्यूएंसी के लोग उनसे यह बात भी पूछेगे कि आपको हमने असैम्बली मे हमारी तकलीफे बताने के लिये भेजा था तो आप वहां क्या करके आये ? परन्तु वे इस बात को भूल गये है। हम तो चाहते है कि वे आये और बजट की डिसक ान मे हिस्सा ले। हमने परसों भी कहा, कल भी कहा और आज भी कांग्रेस वालो को कहा लेकिन वे अपने आप चले गये तो फिर हम क्या कर सकते है? अध्यक्ष महोदय, आपको याद होगा कि कांग्रेस की सरकार मे आप, हम और भाई राम बिलास जी भी जब विपक्ष मे बैठते थे तो श्री कर्ण सिंह दलाल को उन्होने सस्पैन्ड कर दिया था उस समय हम एक बार तो वाक आउट करते चले गये थे लेकिन फिर वापिस आकर सदन मे बैठ गये थे और हमने पूरी डिवेट हिस्सा भी लिया था और सदन खत्म होने तक हमने हिस्सा लिया था। जबकि वे भाई कहते है कि हमारी कंडी ान पर हाउस

चलेगा तो इस तरह से किसी आदमी के कहने की कंडी ान पर हाउस नही चल सकता। अध्यक्ष महोदय, फाईनैस मिनिस्टर साहब तो 8 तारीख को जवाब देगे।

भाोक प्रस्ताव

मुख्यमंत्री (श्री बसी लाल): अध्यक्ष महोदय, अब मै सदन एडजर्न होने से पहले भाोकप्रस्ताव आपकी अनुमति से पे ा करता हू।

Shir Ashok Kumar Jain, a Media Personality.

"This House pleaces on record its deep sense of sorrow on the sad demised of "Shri Ashok Kumar Jain, a media personality, of February, 4, 1999.

He was born on March, 5, 1934 Besides being Chairman of Bennett Coleman and Company Limited which publishes. The Times of India group of newspapers, Shri Jain was the Managing Trustee of the Bharatiya Jnanpith. At various times he served as the Presidents, Ferderation of India Chambers of Commerce and Industry, Indian National Committee of the International Chamber of Commerce and Industry.

In his death, the contry has lost an eminent media personality, a prominent businessman and a philanthropist. This House resolves to send its heartfelt condolences to the members of the bereaved family."

अध्यक्ष महोदय, मै तो श्री अ ाोक कुमार जैन को जब से पार्लियामैट्री कमेटीज का चेयरमैन रहा, तब से जानता हू। मै दो साल कमेटी औन पब्लिक अंडरटेकिंग्ज का चेयरमैन रहा और तीन साल कमेटी और एस्टिमेट्स का चेयरमैन रहा। श्री अ ाोक कुमार जैन उस वक्त इंडस्ट्रीज एसोसिए ान के चेयरमैन थे। उस समय मुझे उनकी एग्जामिन करने का मौका भी मिला। वे हमारे सामने कमेटी मे दो तीन बार आए। उनके दिमाग मे बिल्कुल क्लैरिटी थी। यह नही थी कि वे खाली अपने ही ट्रस्ट की बात या इंडस्ट्रीज के इंट्रस्ट की बात करते थे बल्कि दे ा के इंट्रस्ट की बात भी वह बहुत सोच समझ कर कहते थे। हम उनकी वैल्यू समझते थे। हम उनकी बात की इज्जत करते थे। मै सदन से प्रार्थना करता हू कि इस भाोक प्रस्ताव को पास कर दिया जाए।

ि ाक्षा मंत्री (श्री राम बिलास भार्मा): स्पीकर साहब, सदन के माननीय नेता ने जो भाोक प्रस्ताव रखा है मै उसका समर्थन करता हू। श्री अ ाोक कुमार जैन की भारत के पत्रकारिता जगत मे और टाईम्ज औफ इंडिया ग्रुप मे एक अहम भूमिका रही। वे एक परोपकारी जीव थे। उनकी पत्रकारिता जगत मे, एक प्रतिभा थी, एक मानदण्ड था तथा उनकी वि ि श्टता थी। आज एक ऐसे समाजसेवी, पत्रकारिता जगत को जीवित रखने वाले और पत्रकारिता के स्तर को स्थापित करने वाले महान आदमी का निधन हुआ है। मै और मेरी पार्टी उनको श्रद्धाजलि देते है और

उनके भाोक संतप्त परिवार के सदस्यो के प्रति अपनी संवेदना प्रस्तुत करते है।

श्री अध्यक्षः माननीय सदस्यगण, दिवगंत जी श्री अ ाोक कुमार जैन के बारे मे विभिन्न पार्टियो के नेताओ ने जो अपने विचार व्यक्त किए है मै भी अपने आपको उनकी भावनाओ के साथ सम्मिलित करता हू। श्री अ ाोक कुमार जैन पत्रकारिता जगत मे एक वि ोश स्थान रखते थे। वे एक महान मानवतावादी थे। उनके निधन से हम सभी को बडा भारी आघात पहुंचा है। मै परमपिता परमात्मा से प्रार्थना करता हू कि परमात्मा उनकी आत्मा को भांति दे और उनके परिवार को इस भारी क्षति को वहन करने की भाक्ति प्रदान करे। मै भाोक संतप्त परिवार को इस सदन की भावना को सम्प्रेशित कर दूंगा। अब मै सभी माननीय सदस्यो से निवेदन करता हू कि वे दिवंगत आत्मा के सम्मान मे श्रद्धांजलि देने के लिए दो मिनट अपने स्थानो पर खडे हो कर मौन धारण करे।

(इस समय दिवंगत आत्मा के सम्मान मे सदन के सदस्यो ने खडे हो कर दो मिनट का मौन धारण किया।)

Mr. Speaker: Now the House stands adjorned till 2.00 P.M on Monday, the 8th February, 1999.

***14.10 Hrs.**

(The Sabha then *adjourned till 2.00 P.M. on Monday, the 8the February, 1999.)